शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 12 | अंक : 254 | गुवाहाटी | मंगलवार, 21 अप्रैल, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भारत-दक्षिण कोरिया 2030 तक व्यापार को 50 अरब डॉलर तक ले जाएंगे पेज 2
बार-बार हो रहे हमलों के मद्देनजर सिनाकेइथेई ग्राम प्रशासन पेज 3
जन आक्रोश महिला मार्च में एनडीए की महिलाओं ने एक स्वर में कहा पेज 5
भारत में फीफा विश्वकप मैचों के प्रसारण को लेकर संशय बरकरार पेज 7

door graphy
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

अगर कोई पाप हैं.., तो वो सिर्फ और सिर्फ अपने आपको या दूसरों को कमजोर मानना हैं।

- स्वामी विवेकानंद

न्यूज गैलरी

असम में अगले 2-3 दिनों तक तूफान और भारी बारिश की आशंका

गुवाहाटी (हि.स.)। असम में आगामी दो से तीन दिनों तक तेज आंधी-तूफान और भारी वर्षा होने की संभावना जताई गई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने इसको लेकर चेतावनी जारी करते हुए लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। जारी पूर्वानुमान के अनुसार, खराब मौसम के चलते जनजीवन प्रभावित हो -शेष पृष्ठ दो पर

गुवाहाटी : 22 साल बाद अप्रैल में बारिश ने मचाया कहर, शहर ठप्प

गुवाहाटी। गुवाहाटी में रविवार को अप्रैल महीने में 24 घंटे की अब तक की सबसे अधिक बारिश दर्ज की गई, जिससे शहर और आसपास के इलाकों में भारी बारिश हुई। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के मौसम स्टेशन ने शनिवार सुबह 8:30 बजे से रविवार सुबह 8:30 बजे के बीच 117.4 मिमी बारिश दर्ज की, जो 2004 में दर्ज किए गए अप्रैल के पिछले रिकॉर्ड 116.5 मिमी को पार कर गई। शहर भर में स्थित कई अन्य वर्षामापी यंत्रों ने भी भारी वर्षा दर्ज की। खानापारा और कामाख्या के स्टेशनों पर 100 मिमी से अधिक वर्षा दर्ज की गई, जबकि पांडू स्टेशन पर इसी अवधि के दौरान 200 मिमी से अधिक वर्षा हुई, जो अत्यधिक स्थानीयकृत तीव्र वर्षा का संकेत देती है। हालांकि, आधिकारिक रिकॉर्ड रखने के लिए, हवाई अड्डे के स्टेशन से प्राप्त वर्षा के आंकड़ों को मानक माना जाता है। भारी बारिश के कारण शहर के कई हिस्सों में जलभराव हो गया, जिसमें निचले इलाकों को अचानक आई बाढ़ का सबसे ज्यादा असर झेलना पड़ा। रुक्मिणीगांव और कामाख्या नगर सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में से थे, जहां बाढ़ का पानी घरों में घुस गया और निवासियों को परिवहन के लिए रबर की नावों और एसडीआरएफ की बचाव नौकाओं पर निर्भर रहना पड़ा। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की दैनिक वर्षा रिपोर्ट के अनुसार, कामरूप मेट्रो के कई हिस्सों में महज दो से तीन घंटे के भीतर 100 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई। गुवाहाटी विश्वविद्यालय में सबसे अधिक 134 मिमी बारिश दर्ज की गई, उसके बाद गुवाहाटी एआरजी में 126.5 मिमी, गुवाहाटी शहर में 125.5 मिमी, एएआई एचआरएस में 119.5 मिमी और अमीनगांव में 119 मिमी बारिश दर्ज की गई।

मुख्य सचिव ने की गुवाहाटी में बाढ़ के हालात की समीक्षा

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी में बादल फटने जैसी तीव्र वर्षा के बाद मुख्य सचिव डॉ. रवि कोटा ने सोमवार को शहर में उत्पन्न कृत्रिम बाढ़ एवं जलभराव की स्थिति की व्यापक समीक्षा की। कुछ स्थानों पर कुछ ही घंटों में लगभग 120 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जो 31 मई 2025 को 24 घंटे में हुई 120 मिमी वर्षा से भी अधिक रही, जिससे जनजीवन व्यापक रूप से प्रभावित हुआ। भारी बारिश के कारण शहर के कई इलाकों में गंभीर जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई, जिससे लोगों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा और यातायात भी बाधित हुआ। अधिकारियों ने बताया कि वर्षा की तीव्रता असामान्य रूप से अधिक थी, जिसके चलते विभिन्न विभागों द्वारा त्वरित कार्रवाई की गई। इंडिया मेट्रोलॉजिकल डिपार्टमेंट, असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण तथा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को समय पर और अग्रिम मौसम पूर्वानुमान एवं परामर्श जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। इन उपायों का उद्देश्य नागरिकों को सतर्क करना तथा गुवाहाटी पुलिस द्वारा जारी यातायात सलाह के साथ उनके आवागमन की बेहतर योजना सुनिश्चित करना है। नेशनल हाईवेज अथॉरिटी ऑफ इंडिया को निर्देशित किया गया है कि जलनिकासी नालों की सफाई, पंप संचालन तथा गाद हटाने के लिए ठेकेदारों की चौबीसों घंटे उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। इसके लिए तेतेलिया-जालुकबारी, एक्सेल केयर-गरचुक, कोइनाधरा-त्रिपुरा रोड और -शेष पृष्ठ दो पर

विपक्ष ने जलभराव और महिला की मौत का स्वत: संज्ञान लेने मानवाधिकार पैनल से किया आग्रह

गुवाहाटी। असम विधानसभा में विपक्ष के नेता देबब्रता सैकिया ने सोमवार को राज्य मानवाधिकार आयोग को पत्र लिखकर गुवाहाटी में रात भर हुई भारी बारिश के बाद हुए भीषण जलभराव का स्वत: संज्ञान लेने की मांग की, जिसके बारे में उन्होंने दावा किया कि इसी वजह से एक महिला नाले में गिरने से मर गई। असम मानवाधिकार आयोग (एएचआरसी) के अध्यक्ष न्यायमूर्ति अरूप कुमार गोस्वामी को लिखे एक पत्र में, सैकिया ने असुरक्षित नागरिक अवसंरचना, बाढ़, न्यायिक निर्देशों का अनुपालन न करने, सिलसाको बेदखली के प्रभाव और सार्वजनिक व्यय से संबंधित चिंताओं के कारण जीवन, आजीविका, गरिमा और शिक्षा के अधिकार के *निरंतर उल्लंघन* की ओर ध्यान आकर्षित किया। गुवाहाटी में सोमवार को भारी बारिश के कारण व्यापक बाढ़ आ गई, जिससे कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। सड़कें जलमग्न हो गईं, घर पानी में डूब गए और पूरे शहर में यातायात ठप्प हो गया। मैं गुवाहाटी के निवासियों को प्रभावित -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल में इस बार भाजपा की ही सरकार बनेगी : डॉ. शर्मा

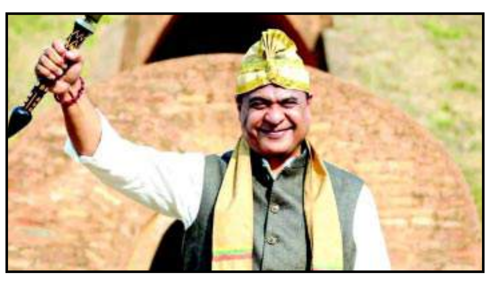

गौरबाजार। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ ही, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को दावा किया कि इस बार भाजपा राज्य में सरकार बनाएगी। उन्होंने पार्टी की जीत की संभावनाओं पर पूरा भरोसा जताते हुए कहा कि परिणाम *100 प्रतिशत निश्चित* है। पश्चिम बर्धमान जिले के गौर गौरबाजार में भाजपा के लिए प्रचार करते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि इस बार भाजपा सरकार बनाएगी, यह 100 प्रतिशत पक्का है। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव दो चरणों में होंगे, जिसमें सभी 294 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान होगा। यह पिछले चुनावों में हुए बहु-चरणीय मतदान से बिल्कुल अलग है। पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को होगा, इसके बाद दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होगा। वोटों की गिनती 4 मई को होगी। पहले चरण में 16 जिलों में फैले 152 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान होगा। शेष सात जिलों के 142 निर्वाचन क्षेत्रों में -शेष पृष्ठ दो पर

10 हजार फर्जी सिम का मास्टरमाइंड गुवाहाटी से गिरफ्तार

गुवाहाटी। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने साइबर अपराधों में इस्तेमाल के लिए 10,000 से अधिक सिम कार्ड अवैध रूप से प्राप्त करने वाले एक प्रमुख साजिशकर्ता को गुवाहाटी से गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पिछले साल अगस्त से फरार उबैद उल्लाह को रविवार तड़के गिरफ्तार किया गया। सीबीआई के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि गिरफ्तार आरोपी ने -शेष पृष्ठ दो पर

गुवाहाटी अदालत ने खेरा के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी करने के लिए असम पुलिस की याचिका खारिज की

गुवाहाटी। गुवाहाटी की एक अदालत ने मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी द्वारा कई पासपोर्ट और विदेशी संपत्ति रखने के आरोपों पर दायर एक मामले में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के खिलाफ गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी करने के लिए असम पुलिस की याचिका को खारिज कर दिया है। यह आदेश कामरूप मेट्रो के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) द्वारा 7 अप्रैल को पारित किया गया था, जो खेड़ा द्वारा तेलंगाना उच्च न्यायालय में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन करने से एक दिन पहले का दिन था। सीजेएम न्यायालय के आदेश की प्रति रविवार को मीडिया के साथ साझा की गई। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि गैर-जमानती वारंट जारी करने के लिए जांच -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस नेता ने अग्रिम जमानत के लिए खटखटाया गौहाटी हाई कोर्ट का दरवाजा

गुवाहाटी (हि.स.)। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने मानहानि के एक मामले में अग्रिम जमानत के लिए गौहाटी उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है। यह मामला असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व शर्मा की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा द्वारा दर्ज कराया गया है, जिसमें उन पर कई पासपोर्ट और विदेशों में संपत्तियों -शेष पृष्ठ दो पर

जमुई में शादी समारोह में खाना खाने के बाद 50 से अधिक बीमार

बोड़वा (जमुई)। झाझा नगर क्षेत्र के चरघरा मोहल्ले में खुशियों वाले एक घर में उस वक्त अफरातफरी मच गई, जब शादी समारोह के दौरान भोजन करने से एक ही परिवार के 50 से अधिक लोग फूड पॉइजनिंग का शिकार हो गए। घटना चरघरा निवासी विशेश्वर साव के पुत्र चंदन की शादी के दौरान की है। रविवार की शाम घर में बने विशेष भोजन को ग्रहण करने के बाद देर रात से ही लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी थी। शुरुआत में स्वजनों ने इसे भीषण गर्मी का असर समझा, लेकिन सोमवार की सुबह होते-होते बच्चों और बुजुर्गों समेत दर्जनों लोगों को उल्टी, दस्त और पेट दर्द की गंभीर शिकायतें होने लगीं। स्थिति बेकाबू होते देख आनन-फानन में इसकी सूचना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झाझा को दी गई। अस्पताल प्रशासन अलर्ट मोड पर आया और डॉ. नौशाद के नेतृत्व में एक विशेष मेडिकल टीम चरघरा पहुंची। टीम में सीएचओ अशोक धायल, होशियार सिंह, कैलाश सहनी, भरत सिंह, कृष्णा सिंह और अंकित कुमार सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी शामिल थे, जिन्होंने मौके पर ही कैंप लगाकर बीमारों का इलाज शुरू किया। चिकित्सकों के अनुसार, दूषित भोजन और बढ़ते तापमान के मेल ने संक्रमण को और गंभीर बना दिया। प्राथमिक उपचार और ओआरएस के घोल के -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम के उद्घाटन से पहले राजस्थान रिफाइनरी में लगी भीषण आग

जयपुर। पचपदरा रिफाइनरी में एक बड़ी घटना हुई, जब क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट (सीडीयू) के अंदर भीषण आग लग गई। यह घटना उस दिन से ठीक एक दिन पहले हुई, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस सुविधा का उद्घाटन करने वाले थे। मिली जानकारी के अनुसार, आग कुछ ही पलों में तेज हो गई, जिससे उस इलाके में मौजूद कर्मचारियों और स्टाफ के बीच अफरा-तफरी मच गई। घटना के बाद, दमकल की गाड़ियां कुछ ही मिनटों में मौके पर पहुंच गईं और टीमों ने स्थिति को काबू में करने के लिए तुरंत काम शुरू कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि अभी तक किसी के घायल होने की कोई तत्काल -शेष पृष्ठ दो पर

अच्छी सड़क और बेहतर रेल बनेगी विकसित भारत का आधार : राष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का कहना है कि रेल व सड़कें केवल परिवहन के साधन ही नहीं हैं बल्कि आर्थिक राष्ट्रों की नींव हैं। बुनियादी ढांचे (इन्फ्रास्ट्रक्चर) का विकास आर्थिक विस्तार, सामाजिक समावेशन और राष्ट्रीय एकता के लिए महत्वपूर्ण उपकरण हैं। राष्ट्रपति भवन में भारतीय रेल के प्रोबेशनरी अधिकारियों तथा केंद्रीय इंजीनियरिंग सेवा (सड़कें) के सहायक कार्यपालक अभियंताओं से भेंट के दौरान यह बात कही।राष्ट्रपति से मिलने के लिए भारतीय रेल के 2022 और 2023 के अधिकारी जबकि केंद्रीय इंजीनियरिंग सेवा (सड़कें) के 2021, 2022, 2023 और 2024 बैच) के सहायक कार्यपालक अभियंता निमंत्रित किए गए थे। राष्ट्रपति ने इन अधिकारियों से कहा कि वे ऐसे समय में सार्वजनिक सेवा में आए हैं जब देश *विकसित भारत* के संकल्प के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारतीय रेलवे और केंद्रीय इंजीनियरिंग सेवा (सड़कें) के युवा अधिकारियों के रूप में उनके निर्णय और कार्य सीधे तौर पर करोड़ों नागरिकों के -शेष पृष्ठ दो पर

सेना ने कामजोंग जिले से हथियारों और विस्फोटकों का जखीरा बरामद किया

इंफाल। असम राइफल्स ने खुफिया जानकारी के आधार पर काम करते हुए मणिपुर के कामजोंग जिले में एक सर्च ऑपरेशन चलाया। जानकारी मिली थी कि भारत-म्यांमार सीमा के पास कुछ जगहों पर हथियार और विस्फोटक छिपाकर रखे गए हैं और उन्हें इधर-उधर ले जाने की तैयारी चल रही है। यह ऑपरेशन 11 और 12 अप्रैल 2026 की रात के बीच किया गया था। सर्च ऑपरेशन के दौरान जवानों ने मेटल डिटेक्टर और एक विशेष प्रशिक्षित डॉग की मदद ली। इसी दौरान एक संदिग्ध जगह की पहचान हुई, जहां जमीन के -शेष पृष्ठ दो पर

सौ मीटर गहरी खाई में गिरी यात्री बस, 21 लोगों की दर्दनाक मौत

पीएम मोदी और सीएम अब्दुल्ला ने जताया दुख

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले से सोमवार को दिल दहला देने वाली खबर सामने आई। रामनगर क्षेत्र में एक तेज रफ्तार निजी बस अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी, जिससे 21 यात्रियों की मौत हो गई और 29 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा इतना भीषण था कि बस का ऊपरी हिस्सा पूरी तरह उखड़ गया और वाहन मलबे में तब्दील हो गया। अधिकारियों ने बताया कि बस ने एक ऑटो-रिक्शा को भी अपनी चपेट में ले लिया जिससे तीपहिया वाहन में सवार लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया -शेष पृष्ठ दो पर

सम्मान और समझदारी के साथ युद्ध समाप्त करने की कोशिश करेगा ईरान : राष्ट्रपति

तेहरान (हि.स.)। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने कहा है कि देश अमेरिका और इजराइल के साथ जारी तनावपूर्ण हालात को सम्मान और समझदारी के साथ समाप्त करने की दिशा में प्रयास कर रहा है। उन्होंने संकेत दिया कि ईरान मौजूदा परिस्थितियों को संतुलन और सूझबूझ के साथ संभालने की रणनीति अपना रहा है। तेहरान में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने स्पष्ट किया कि किसी भी संभावित समाधान में राष्ट्रीय सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि चुनौतीपूर्ण हालात में जल्दबाजी के बजाय सोच-समझकर लिए गए फैसले ही देश को सुरक्षित रास्ते पर आगे बढ़ा सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान को अपनी संप्रभुता और हितों के खिलाफ किसी भी अत्यधिक दबाव का विरोध करना चाहिए, लेकिन साथ ही कूटनीतिक और तार्किक रास्तों को अपनाते हुए तनाव कम करने के प्रयास जारी रखने चाहिए। इससे पहले सार्वजनिक -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED
For all kinds of classified advertisements please contact
97070-14771
86382-00107

भारत-दक्षिण कोरिया 2030 तक व्यापार को 50 अरब डॉलर तक ले जाएंगे

नई दिल्ली (हि.स.)। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक और आर्थिक सहयोग को नई दिशा मिली है। भारत और दक्षिण कोरिया आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को अधिक प्रगाढ़ करते हुए आपसी व्यापार को 2030 तक 50 अरब डॉलर तक ले जाने को लेकर समहत हुए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने नई दिल्ली में सार्थक और व्यापक बातचीत की। बातचीत के बाद दोनों नेता कई समझौतों और व्यवस्था के आदान-प्रदान के साक्षी बने। वार्ता में दोनों नेताओं ने भारत-दक्षिण कोरिया विशेष रणनीतिक साझेदारी में हुई कुल प्रगति की समीक्षा की और व्यापार, वित्तीय सेवाओं, जहाज निर्माण, एआई, ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, महत्वपूर्ण और उभरती तकनीकों, रक्षा और सुरक्षा, साथ ही लोगों के बीच और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के क्षेत्रों में सहयोग को और बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की। विदेश मंत्रालय के अनुसार *भारत-दक्षिण कोरिया स्पेशल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप* के तहत संयुक्त दृष्टि पत्र, शिपबिल्डिंग, समुद्री लॉजिस्टिक्स, ऊर्जा सुरक्षा और सतत विकास पर अहम समझौते हुए। साथ ही, व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) को उन्नत करने के लिए वार्ता फिर शुरू करने की घोषणा की गई। दोनों देशों ने पोर्ट्स, स्टील सप्लाई चेन, एमएसएमई, विज्ञान-प्रौद्योगिकी और डिजिटल ब्रिज जैसे क्षेत्रों में कई समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। वित्तीय सहयोग के तहत एनपीसीआई और कोरियाई संस्थान के बीच भुगतान प्रणाली को लेकर समझौता हुआ। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन, पेरिस समझौते के तहत सहयोग और पर्यावरण संरक्षण को भी प्राथमिकता दी गई। सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम (2026-2030), खेल और रचनात्मक उद्योगों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी। दोनों देशों ने आर्थिक सुरक्षा संवाद शुरू करने, इंडो-पैसिफिक पहल में कोरिया की भागीदारी और अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन में शामिल होने जैसे कदमों की घोषणा की। वर्ष 2028-29 को भारत-कोरिया मैत्री वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय भी लिया गया। विदेश मंत्रालय में सचिव (पूर्वी क्षेत्र) पी. कुमारन ने दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली जे म्युंग की भारत यात्रा के संबंध में एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ली ने हैदराबाद हाउस में सीमित और प्रतिनिधिमंडल स्तर के प्रारूपों में व्यापक और सार्थक चर्चा की। कुमारन ने एक प्रश्न के उत्तर में बताया कि खाड़ी संकट के मुद्दे पर समस्या के समाधान को लेकर कोई विशेष चर्चा नहीं हुई। चर्चा खाड़ी संकट के प्रभावों को समझने और खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, रसायन बाजार, ईंधन बाजार और उर्वरक बाजार में होने वाली बाधाओं के संदर्भ में प्रभावों से कैसे निपटा जाए—इस पर केंद्रित थी। उन्होंने कहा कि भारत प्राचीन और समकालीन, दोनों तरह की कहानियों का खजाना है, जिन पर गेम्स बनाए जा सकते हैं। इनमें कोरियाई टेक्नोलॉजी और स्पेशल इफेक्ट्स की क्षमताओं का लाभ उठाया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने दक्षिण कोरिया को *वेव्स* इवेंट के अगले संस्करण में भाग लेने के लिए भी आमंत्रित किया। एक विशेष पहल के तौर पर राष्ट्रपति ली ने *एक पेड़ मां के नाम* अभियान के तहत एक पौधा भी लगाया। वार्ता के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति जे-म्यूंग ली ने *भारत-कोरिया व्यापारिक नेताओं के संवाद* में व्यापार जगत के नेताओं के साथ बातचीत की।

तमिलनाडु चुनाव : विजय के चुनावी हलफनामे में 100 करोड़ की गड़बड़ी

नई दिल्ली। मद्रास हाई कोर्ट को एक्टर विजय के चुनावी हलफनामे में 100 करोड़ रुपए से ज्यादा की गड़बड़ियां मिली हैं। कोर्ट ने इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को इस पर जवाब देने का आदेश दिया है। यह आदेश विजय और उनकी नई पार्टी तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) के लिए एक झटका है। यह पार्टी तामिलनाडू में अपना पहला चुनाव लड़ रही है। विजय ने तमिलनाडु चुनाव लड़ने के लिए दो सीटों त्रिची और पेरम्बूर से पर्चे भरे थे। पेरम्बूर के एक वोटर ने कोर्ट में जाकर आरोप लगाया था कि विजय के दोनों सीटों के हलफनामों में उनकी इनकम में अंतर है। त्रिची सीट के लिए विजय के भरे गए कागजों में 220 करोड़ रुपए की इनकम दिखाई गई थी, जबकि दूसरी सीट के हलफनामे में 115 करोड़ रुपए दिखाए गए थे, जिसका मतलब 105 करोड़ रुपए का अंतर पाया गया है। विजय का तमिलनाडु चुनावी डेब्यू तीन-तरफा मुकाबले में होने की संभावना है। तिरुचिरापल्ली पूर्व में विजय डीएमके के इनीगो एस. इरुदयाराज के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं।

पगलादिया नदी में डूबने से दो महिला समेत तीन की मौत

नलबाड़ी (हिंस)। बहाग बिहू की खुशियों के बीच नलबाड़ी जिले घोघरापार थानांतर्गत निज बर्शिराल के कटाबारी गांव में रविवार की देर शाम हृदयविचारक घटना हुई। पगलादिया नदी में नहाने गई एक युवती व दो महिला समेत तीन लोग पानी में डूब गए। घोघरापार पुलिस ने सोमवार को बताया है कि मामले की जांच जारी है। स्थानीय लोगों ने तीनों को अचेत अवस्था में नदी से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। जहां पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों में निज बर्शिराल गांव निवासी गुड्डू डेका (35, महिला) और गुवाहाटी के पांजाबारी निवासी पिंकी दास (24 गुड्डू डेका की बहन) एवं रोहित गुटुंग (27) के रूप में हुई है। बताया गया है कि पिंकी और रोहित गुड्डू के घर बिहू मनाने के लिए पहुंचे थे। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि पागलादिया नदी के किनारे तटबंध बनाए जाने के लिए खनन कार्य चलाने के कारण बड़ा गड्ढा बन गया था। तीनों नदी में नहाने के लिए गए थे, इसी दौरान गड्ढे में डूबकर तीनों की करुण मृत्यु हो गयी।

विपक्ष ने केवल परिसीमन विधेयक का विरोध किया था : खड़गे

कोलकाता (हि.स.)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए दावा किया कि महिलाओं को विधानसभाओं और संसद में 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाले संविधान संशोधन विधेयक को स्वयं प्रधानमंत्री ने खत्म किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने केवल परिसीमन विधेयक का विरोध किया था, महिला आरक्षण का नहीं। कूचबिहार में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए खड़गे ने कहा कि यह आप ही हैं जिन्होंने महिला आरक्षण विधेयक को समाप्त किया। हमने केवल परिसीमन विधेयक का विरोध किया था, महिलाओं को आरक्षण देने वाले विधेयक का नहीं। उन्होंने प्रधानमंत्री पर पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में लगातार प्रचार करने को लेकर भी तंज कसा। खड़गे ने पूछा कि क्या प्रधानमंत्री पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं, जो राज्य में लगातार चुनाव प्रचार कर रहे हैं। यह टिप्पणी प्रधानमंत्री मोदी के उस आरोप के जवाब में आई।

भारत की परम्परा को समझने के लिए संस्कृत जानना अनिवार्य : भागवत

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने संस्कृत वाणी को मनुष्य का कभी क्षय न होने वाला आभूषण बताया। उन्होंने कहा कि संस्कृत केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारत की प्राचीन परंपरा, ज्ञान और जीवनदृष्टि की आधारशिला है। संस्कृत के माध्यम से ही भारत की सांस्कृतिक धरोहर को सही रूप में समझा और आगे बढ़ाया जा सकता है। संघ प्रमुख ने सोमवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय मार्ग स्थित संस्कृत भारती के केंद्रीय कार्यालय *प्रणव* का उदघाटन करते हुए यह विचार व्यक्त किए। अक्षय तृतीया के प्रातःकाल शुभ मुहूर्त में विधिविधान पूर्वक कार्यालय के उद्घाटन के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए संघ के सरसंघचालक डॉ. भागवत ने इसे अत्यंत शुभ और प्रेरणादायक क्षण बताया। उन्होंने कहा कि इस दिन प्रारंभ होने वाले कार्य अक्षय रहते हैं, इसलिए यह कार्यालय संस्कृत के प्रसार में दीर्घकालीन भूमिका निभाएगा। उल्लेखनीय है कि प्रणव नाम सृष्टि के मूल नाद का प्रतीक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भवन और संसाधन कार्य के कारण बनते हैं, न कि कार्य इनसे चलता है। कार्यकर्ताओं की निष्ठा और समर्पण ही किसी संगठन की वास्तविक शक्ति है। कार्यालय का निर्माण कार्य की प्रगति का संकेत है, लेकिन इसे उद्देश्य नहीं बल्कि साधन के रूप में देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि एक जीवंत परंपरा है।

LOOK OUT NOTICE
JORABAT OP GDE No. 660 DTD. 31.03.2026

Details of Missing:
Name : Baby Biswas
Age : 20 years
H/O- Name : Shankar Bastola
Address : Sankardev Nagar PS- Basistha, Kamrup (M)
Skin - Fair
Wearing — Blue tone jeans and white top
Name : Sristi Bastola
Age : 4 years
D/O Shankar Bastola
Skin Tone — Fair
Wearing - White and blue frock

If found please inform
Contact No. : 8752867436

আৰক্ষী উপায়ুক্ত
পূব আৰক্ষী জিলা, গুৱাহাটী
Deputy commissioner of Police
East Police District, Guwahati

-- DIPR /D/VBS-4/ 21-Apr-26

पृष्ठ एक का शेष

मुख्य सचिव ने ...

जोराबाट-खानापारा जैसे प्रमुख मार्गों की पहचान की गई है। गुवाहाटी नगर निगम, गुवाहाटी महानगर विकास प्राधिकरण तथा जल संसाधन विभाग को अनिल नगर, नवीन नगर और रुक्मिणी नगर जैसे संवेदनशील इलाकों में 24म7 तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि जलभराव की समस्या से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। लोक निर्माण विभाग (सड़क) को विशेष रूप से भांगागढ़ के पास जीएस रोड सहित अन्य क्षेत्रों में नालों की गहन सफाई सुनिश्चित करने तथा जलभराव की पुनरावृत्ति रोकने के निर्देश दिए गए हैं। तैयारियों या प्रतिक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कड़ी जवाबदेही तय करने की चेतावनी दी गई है। मालीगांव में रविवार की रात हुई मृत्यु की घटना के संदर्भ में जिला आयुक्त को मजिस्ट्रियल जांच कराने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि जिम्मेदारी तय की जा सके। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि टालने योग्य कारणों से होने वाली ऐसी घटनाओं पर सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। भूस्खलन संभावित पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को लगातार वर्षा की संभावना के मद्देनजर सतर्क रहने और आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह दी गई है। सभी विभाग समन्वय के साथ चौबीसों घंटे कार्य कर रहे हैं, जिससे कई क्षेत्रों में स्थिति में सुधार हुआ है, जबकि शेष स्थानों पर कार्य जारी है। अधिकारियों ने बताया कि जोराबाट क्षेत्र में जलभराव की त्वरित निकासी पूर्व में किए गए ड्रेजिंग और जलनिकासी सुधार कार्यों के कारण संभव हो सकी, जिससे नियमित रखरखाव के महत्व को रेखांकित किया गया। इंडिया मेट्रोलॉजिकल डिपार्टमेंट के पूर्वानुमान के अनुसार आगामी दिनों में बीच-बीच में बारिश और आंधी-तूफान की संभावना है, जिसके मद्देनजर सभी एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए गए हैं।

विपक्ष ने जलभराव और ...

करने वाले निरंतर और व्यवस्थित मानवाधिकार उल्लंघनों के संबंध में इस आयोग के तत्काल हस्तक्षेप की मांग करते हुए सम्मानपूर्वक यह अभ्यावेदन प्रस्तुत करता हूं। सैकिया ने कहा कि वर्तमान स्थिति शासन की बहुआयामी विफलता को दर्शाती है, जहां नागरिक बुनियादी ढांचा ध्वस्त हो गया है, न्यायिक निर्देश लागू नहीं किए गए हैं, सार्वजनिक व्यय से कोई परिणाम नहीं मिला है, कमजोर आबादी को विस्थापन का सामना करना पड़ा है, और आम नागरिक जीवन, आजीविका और गरिमा की हानि झेल रहे हैं। कई कानूनों को गिनाते हुए उन्होंने बताया कि ये रोके जा सकने वाले खतरे हैं, न कि प्राकृतिक अनिवार्यताएं। सैकिया ने बताया कि गुवाहाटी में शहरी बाढ़ के कारण हुई हाल की कुछ घटनाओं में मालिगांव में एक महिला का खुले नाले में बह जाना, खुले नालों के कारण मौतें, जलभराव वाले क्षेत्रों में बिजली का झटका लगना और घरों को भारी नुकसान पहुंचना शामिल है। ...प्रशासन ने बार-बार स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया है, जिसके परिणामस्वरूप शैक्षणिक निरंतरता का नुकसान हुआ है और यह शिक्षा के अधिकार से अप्रत्यक्ष रूप से वंचित करने के बराबर है। उन्होंने आगे कहा कि इसके अतिरिक्त, दिहाड़ी मजदूर अपनी महत्वपूर्ण आय खो रहे हैं, कार्यालय जाने वाले लोग काम पर नहीं जा पा रहे हैं, और स्थानीय व्यवसायों को भारी संपत्ति और आर्थिक नुकसान हो रहा है। सिलसाको बील झील पर हुए बेदखली का जिक्र करते हुए, सांसद ने कहा कि बाढ़ नियंत्रण के नाम पर लगभग 1,200 लोगों के घर ध्वस्त कर दिए गए, फिर भी बाढ़ पर कोई नियंत्रण हासिल नहीं हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि सार्वजनिक व्यय को लेकर गंभीर चिंताएं इस समस्या को और भी जटिल बना रही हैं। आरटीआई के निष्कर्षों से पता चलता है कि शहरी विकास विभाग के अंतर्गत सुपर सकर मशीनों और जल निकासी उपकरणों की खरीद प्रचलित बाजार दरों से अधिक दरों पर की गई थी। उन्होंने कहा कि इससे संभावित अनियमितताओं और सार्वजनिक धन के अप्रभावी उपयोग के संबंध में महत्वपूर्ण वित्तीय जवाबदेही संबंधी चिंताएं उत्पन्न होती हैं। मामले का स्वतः संज्ञान लें और गुवाहाटी उच्च न्यायालय के आदेशों (2022-2024) पर अनुपालन रिपोर्ट मंगवाएं। प्रमुख शहरी क्षेत्रों और फ्लाईओवरों में जल निकासी व्यवस्था की विफलता, कृत्रिम बाढ़, खुले नालों में बिजली के झटके के खतरे और गंभीर जलभराव की व्यापक जांच करें, सैकिया ने इस पत्र में आग्रह किया। आरटीआई रिकॉर्ड और बाढ़ नियंत्रण उपकरणों की खरीद के विवरण मंगवाकर सार्वजनिक व्यय की जांच करें और इन निधियों का स्वतंत्र ऑडिट कराएं। जिम्मेदार अधिकारियों और एजेंसियों की जवाबदेही तय करें और जहां आवश्यक हो, आपराधिक या सतर्कता कार्रवाई की सिफारिश करें, सैकिया ने कहा। कांग्रेस नेता ने समयबद्ध सुधारात्मक उपायों और आवधिक रिपोर्टिंग के माध्यम से अनुपालन की मांग करते हुए मानवाधिकार पैनल से गुवाहाटी में बाढ़ के पीड़ितों के लिए तत्काल मुआवजे और आजीविका के नुकसान से प्रभावित लोगों के लिए राहत की सिफारिश करने का अनुरोध किया।

बंगाल में इस बार ...

दूसरे चरण में मतदान होगा, जिससे राज्य भर में चुनावी प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। इस वर्ष के चुनाव पश्चिम बंगाल की चुनावी पद्धति में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक हैं। 2001 में एक चरण के चुनाव के बाद, राज्य में ज्यादातर बहु-चरणीय मतदान हुआ है, जिसमें 2021 में आयोजित व्यापक आठ-चरणीय चुनाव भी शामिल है। केवल दो चरणों में मतदान कराने का निर्णय बेहतर प्रशासनिक योजना और बढ़ी हुई सुरक्षा व्यवस्था के कारण लिया जा रहा है। लोकसभा में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक के खारिज होने पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने तीखी राजनीतिक टिप्पणी भी की। उन्होंने कहा कि महिलाएं बहुत दुखी हैं और वे ममता बनर्जी, डीएमके और कांग्रेस से बदला लेंगी। महिलाओं के लिए आरक्षण से संबंधित प्रस्तावित विधेयक लोकसभा में केंद्र सरकार द्वारा आवश्यक दो-तिहाई बहुमत हासिल न कर पाने के कारण पारित नहीं हो सका। कुल 298 सांसदों ने विधेयक के पक्ष में मतदान किया, जबकि 230 ने इसका विरोध किया। इस झटके के बाद, परिसीमन और लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने से संबंधित दो अन्य विधेयकों पर मतदान नहीं हुआ, क्योंकि सरकार ने कहा कि वे महिला आरक्षण कानून से अभिन्न रूप से जुड़े हुए हैं। लोकसभा में हुई बहस में केंद्र सरकार ने संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण की पुरजोर वकालत की।

10 हजार फर्जी सिम ...

गुवाहाटी में अवैध रूप से सिम कार्ड हासिल किया था और अगस्त 2025 से फरार था। जांच में पता चला है कि आरोपी ने अवैध रूप से जारी किए गए लगभग 10,000 सिम कार्ड प्राप्त करने के लिए कई बैंक खातों के माध्यम से पीओएस एजेंट को लगभग 67 लाख रुपए हस्तांतरित किए। प्रवक्ता ने कहा कि इन सिम कार्ड को प्राप्त करने के लिए इस्तेमाल किए गए कूरियर लेनदेन से संबंधित सबूत भी मिले हैं। यह गिरफ्तारी सीबीआई के *ऑपरेशन चक्र-पांच* का हिस्सा है, जिसके तहत एजेंसी ने पूरे भारत में साइबर अपराध के बुनियादी ढांचे पर अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। सीबीआई ने अवैध रूप से सिम कार्ड जारी करने और डिजिटल अरेस्ट, ऋण एवं निवेश धोखाधड़ी जैसे अपराधों में शामिल साइबर अपराधियों की मदद करने वाले प्वॉइंट ऑफ सेल (पीओएस) एजेंट के खिलाफ पिछले साल मामला दर्ज किया था। प्रवक्ता ने कहा कि जांच के दौरान, आठ राज्यों में लगभग 45 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया गया, जिसके परिणामस्वरूप फर्जी/अवैध रूप से प्राप्त सिम कार्ड जारी करने में शामिल 10 आरोपी पीओएस एजेंट को गिरफ्तार किया गया।

गुवाहाटी अदालत ने खेरा...

अधिकारी (आईओ) द्वारा बताए गए आधार पूरी तरह से अनुमानों और अटकलों पर आधारित हैं, और रिकॉर्ड पर मौजूद किसी भी सामग्री द्वारा समर्थित नहीं हैं। आदेश में कहा गया है कि इसके अलावा, चूंकि वर्तमान मामला संज्ञेय है और अपराध गैर-जमानती है, इसलिए जांच अधिकारी को माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार, जांच के प्रयोजनों के लिए आवश्यक समझे जाने पर बीएनएसएस की धारा 35 के तहत गिरफ्तारी करने का अधिकार पहले से ही प्राप्त है। मुख्य न्यायाधीश ने आगे कहा कि उपरोक्त बातों को ध्यान में रखते हुए, गैर-जमानती वारंट जारी करने की प्रार्थना को इस स्तर पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है और इसलिए इसे खारिज किया जाता है। खेड़ा के खिलाफ गुवाहाटी क्राइम ब्रांच पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता की धारा 175 (चुनाव के संबंध में झूठा बयान) और 318 (धोखाधड़ी) सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। मुख्यमंत्री की पत्नी, रिनिकी भुयान शर्मा ने 6 अप्रैल को कांग्रेस नेता और उनके साथ मिलीभगत करने वाले सभी अन्य व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। उन्होंने दावा किया कि 5 अप्रैल को नई दिल्ली और गुवाहाटी में आयोजित दो प्रेस कांफ्रेंस में खेड़ा द्वारा लगाए गए आरोप कि उनके पास कई पासपोर्ट/गोल्डन कार्ड और विदेशी संपत्ति है, जिसका उल्लेख उनके पति के चुनावी हलफनामे में नहीं किया गया था, झूठे और निराधार हैं। उन्होंने कहा कि खेरा द्वारा अपने आरोपों के समर्थन में दिखाए गए दस्तावेज *सभी फर्जी, छेड़छाड़ किए गए, जाली और मनगढ़ंत* थे, और ये दावे सार्वजनिक अव्यवस्था और सार्वजनिक बदनामी पैदा करने के आपराधिक इरादे से किए गए थे, जिससे सार्वजनिक अशांति भड़कने, नागरिकों को गुमराह करने और एक अत्यंत संवेदनशील चुनावी चरण में सार्वजनिक शांति भंग होने की संभावना थी। खेड़ा को तेलंगाना उच्च न्यायालय ने 10 अप्रैल को एक सप्ताह की अग्रिम जमानत दी थी। हालांकि, पिछले सप्ताह सर्वोच्च न्यायालय ने असम सरकार की याचिका पर संज्ञान लेते हुए इस मामले में उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगा दी। साथ ही, उसने शर्मा द्वारा खेड़ा के खिलाफ दर्ज मामले में 20 अप्रैल तक गिरफ्तारी से सुरक्षा की मांग वाली खेड़ा की याचिका को भी खारिज कर दिया। सर्वोच्च न्यायालय ने कांग्रेस नेता को इस मामले में अग्रिम जमानत के लिए असम की सक्षम अदालत में याचिका दायर करने को कहा और स्पष्ट किया कि वहां की अदालत उनकी याचिका पर अदालत और तेलंगाना उच्च न्यायालय द्वारा की गई किसी भी प्रतिकूल टिप्पणी पर ध्यान दिए बिना सुनवाई करेगी।

कांग्रेस नेता ने अग्रिम जमानत ...

से जुड़े आरोप लगाए गए थे। यह कदम उच्चतम न्यायालय के निर्देश के बाद उठाया गया है। शीर्ष अदालत ने पवन खेड़ा को अंतरिम राहत देने से इनकार करते हुए उन्हें असम की सक्षम अदालत से राहत लेने को कहा था। साथ ही, तेलंगाना उच्च न्यायालय द्वारा दी गई ट्रांजिट अग्रिम जमानत पर भी रोक लगा दी थी और स्पष्ट किया गया था कि इस मामले पर गौहाटी उच्च न्यायालय स्वतंत्र रूप से फैसला करेगा। विवाद की जड़ हालिया विधानसभा चुनावों से पहले खेड़ा द्वारा दिए गए बयान हैं, जिनमें उन्होंने मुख्यमंत्री पर कई विदेशी पासपोर्ट रखने और 2021 से 2022 के बीच विदेशी नागरिकता हासिल करने का आरोप लगाया था। इसके अलावा, उन्होंने चुनावी हलफनामे में पत्नी की विदेशी संपत्तियों का खुलासा नहीं करने का भी दावा किया था। मुख्यमंत्री शर्मा और उनकी पत्नी ने इन आरोपों को पूरी तरह निराधार और भ्रामक बताते हुए खारिज कर दिया और कहा कि यह सामग्री छेड़छाड़ या एआई के जरिए तैयार की गई है, जिसका स्रोत एक पाकिस्तानी यूट्यूब चैनल है। इसके बाद शर्मा ने खेड़ा के खिलाफ आपराधिक और सिविल मानहानि के मामले दर्ज कराए। पुलिस ने खेड़ा के खिलाफ चुनाव से जुड़े मामलों में गलत बयान देने और धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। इससे पहले, 10 अप्रैल को तेलंगाना उच्च न्यायालय से उन्हें सीमित अवधि की ट्रांजिट अग्रिम जमानत मिली थी, लेकिन असम सरकार की याचिका पर उच्चतम न्यायालय ने इस राहत पर रोक लगा दी। साथ ही, 20 अप्रैल तक गिरफ्तारी से संरक्षण देने से भी इनकार कर दिया गया। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने खेड़ा की ओर से दलील दी कि उनका मुवक्किल फरार होने वाला नहीं है और उन्हें गौहाटी उच्च न्यायालय जाने के लिए अंतरिम राहत दी जानी चाहिए। हालांकि, न्यायमूर्ति जेके महेश्वरी और न्यायमूर्ति अतुल एस चांदुरकर की पीठ ने यह मांग खारिज करते हुए कहा कि खेड़ा असम की संबंधित अदालत में तुरंत राहत मांग सकते हैं। इधर, गुवाहाटी की एक स्थानीय अदालत ने असम पुलिस की ओर से खेड़ा के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी करने की मांग को खारिज कर दिया। कामरूप (मेट्रो) के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी ने 7 अप्रैल के आदेश में कहा कि पुलिस द्वारा प्रस्तुत आधार केवल अनुमान पर आधारित हैं और पर्याप्त साक्ष्य नहीं हैं। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि चूंकि मामले में आरोप संज्ञेय और गैर-जमानती हैं, इसलिए पुलिस के पास बिना वारंट के गिरफ्तारी का अधिकार पहले से ही मौजूद है।

पीएम के उद्घाटन से ...

रिपोर्ट नहीं मिली है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, रिफाइनरी की क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट में आग लग गई। चूंकि मंगलवार को एक हाई-प्रोफाइल उद्घाटन समारोह होना है, इसलिए अचानक लगी इस आग से प्लांट के अंदर काफी अफरा-तफरी मच गई; वहीं, आपातकालीन टीमें आग को फैलने से रोकने के लिए तेजी से जुट गईं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आज शाम करीब 4 बजे मौके पर जाकर जायजा लेने के लिए रिफाइनरी का दौरा करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि नुकसान का आकलन किया जा रहा है और तकनीकी टीमों द्वारा अपनी समीक्षा पूरी करने के बाद स्थिति और स्पष्ट होने की उम्मीद है। यहां यह बताना जरूरी है कि प्रधानमंत्री मंगलवार को भारत की पहली ग्रीनफील्ड एकीकृत रिफाइनरी-सह-पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन करने वाले हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इस परियोजना में 79,450 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश शामिल है, जो इसे इस क्षेत्र के सबसे बड़े औद्योगिक विकास कार्यों में से एक बनाता है।

अच्छी सड़क और ...

जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि बुनियादी ढांचा वह नींव है, जिस पर आधुनिक राष्ट्रों का निर्माण होता है। रेलवे और राजमार्ग केवल परिवहन के साधन मात्र नहीं हैं; वे आर्थिक विस्तार, सामाजिक समावेशन और राष्ट्रीय एकीकरण के माध्यम हैं। जब कोई रेलगाड़ी दूरदराज के गांव तक पहुंचती है या कोई राजमार्ग किसी क्षेत्र को जोड़ता है, तो वह वहां के सामाजिक-आर्थिक विकास के नए अवसर खोलता है। मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर से लॉजिस्टिक्स लागत घटती है, व्यापार को बढ़ावा मिलता है और निवेश आकर्षित होता है। राष्ट्रपति ने कहा कि मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर लॉजिस्टिक्स की लागत को कम करता है, व्यापार को बढ़ावा देता है, निवेश आकर्षित करता है और उत्पादकता बढ़ाता है। यह अलग-अलग क्षेत्रों और लोगों को एक-दूसरे के करीब लाकर राष्ट्रीय एकता को मजबूत करता है। उन्होंने अधिकारियों को सलाह दी कि वे यह याद रखें कि सिर्फ आंकड़े ही सफलता को परिभाषित नहीं करते। उनके काम की असली कसौटी यह है कि वह लोगों के जीवन को किस तरह बेहतर बनाता है। उन्होंने अधिकारियों से ईमानदारी, जवाबदेही और उत्कृष्टता के मूल्यों को अपनाने का आग्रह किया।

सेना ने कामजोंग जिले ...

अंदर छिपाकर रखा गया हथियारों का बड़ा जखीरा मिला। इसमें कई तरह के हथियार, गोलियां, विस्फोटक और अन्य युद्ध-सामग्री शामिल थी। बरामद सभी सामान को बाद में आगे की जांच के लिए संबंधित अधिकारियों को सौंप दिया गया। इसके बाद एक और बड़ी कार्रवाई में असम राइफल्स ने राज्य पुलिस कमांडो और टेरिटोरियल आर्मी के साथ मिलकर संयुक्त ऑपरेशन चलाया। यह कार्रवाई 16 से 19 अप्रैल 2026 के बीच थौबल, तेंगनौपाल और काकचिंग जिलों में की गई। इस दौरान तीन उग्रवादी कैडरों को गिरफ्तार किया गया। जानकारी के मुताबिक, जांच में यह भी सामने आया कि इन लोगों ने म्यांमार में ट्रेनिंग ली थी। इसी बीच मिजोरम में भी एक अलग कार्रवाई देखने को मिली। यहां असम राइफल्स ने कस्टम विभाग, आइजोल के साथ मिलकर जेमाबावक इलाके में एक संयुक्त ऑपरेशन किया। इस दौरान विदेशी सिगरेट की बड़ी खेप पकड़ी गई। कुल 99 केस विदेशी सिगरेट जब्त किए गए, जिनकी बाजार में कीमत लगभग 2.37 करोड़ रुपए बताई जा रही है। इस मामले में एक व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया गया है। बरामद माल और आरोपी को आगे की जांच के लिए कस्टम विभाग को सौंप दिया गया है।

सौ मीटर गहरी खाई ...

कि यह हादसा सुबह करीब 10 बजे रामनगर क्षेत्र में एक तीखे मोड़ पर उस वक्त हुआ जब निजी बस का चालक नियंत्रण खो बैठा। पहाड़ी मार्ग से गुजर रहे सेना के एक काफिले ने तत्काल बचाव अभियान शुरू किया। बस में करीब 50 यात्री सवार थे जिनमें अधिकांश अपने दैनिक कामकाज के लिए रामनगर से उधमपुर जा रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसका ऊपरी हिस्सा लगभग पूरी तरह उखड़ गया जिससे बचाव अभियान बेहद चुनौतीपूर्ण हो गया। उधमपुर-रियासी रेंज के पुलिस उपमहानिरीक्षक शिव कुमार शर्मा ने घटनास्थल पर संवाददाताओं से कहा कि रामनगर से उधमपुर जा रही बस पहाड़ी रास्ते पर नियंत्रण खो बैठी और ढलान से नीचे गिरकर सड़क पर पलट गई तथा एक ऑटो-रिक्शा भी इसकी चपेट में आ गया। मौके पर 15 यात्रियों को मृत पाया गया जबकि चार अन्य ने बाद में अस्पताल में दम तोड़ दिया। अधिकारियों ने बताया कि उधमपुर जिला अस्पताल में इलाज के दौरान गंभीर रूप से घायल दो और लोगों की मौत हो गई जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 21 हो गई। शर्मा ने कहा कि स्थानीय निवासियों ने बचाव कार्य में महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, रामनगर के थाना प्रभारी और अन्य अधिकारी समेत पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर सेना के जवानों के साथ संयुक्त बचाव अभियान चलाया। बाद में हाइड्रोलिक क्रेन की मदद से वाहन को सीधा किया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात और जम्मू जोन के पुलिस महानिरीक्षक भीम सेन टूटी फोन पर स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। उधमपुर से रामनगर जा रहे एक सैन्य काफिले का नेतृत्व कर रहे एक जवान ने बताया कि बस को पहाड़ी से नीचे लुढ़कते देख उन्होंने तुरंत कार्रवाई की। उसने कहा कि मैं काफिले का नेतृत्व कर रहा था, तभी यह हादसा हुआ। वाहन करीब 100 मीटर की ऊंचाई से गिरा। हमने तुरंत क्षेत्र की घेराबंदी कर बचाव अभियान शुरू किया और कड़ी मश्क्कत से यात्रियों को निकाला। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हादसेपर शोक व्यक्त किया है। राष्ट्रपति मुर्मू ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में हुए बस हादसे में कई लोगों की मृत्यु की खबर सुनकर मुझे बहुत दुख हुआ। मैं दुखद घटना में जान गंवाने वालों के परिजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करती हूं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में बस दुर्घटना में हुई लोगों की मौत के बारे में सुनकर बहुत दुख हुआ। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मैं अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

सम्मान और समझदारी ...

कर्मचारियों के साथ बैठकों में भी मसूद पजशकियान ने युद्ध जैसी स्थिति को जल्द समाप्त करने की आवश्यकता पर जोर दिया था। उनका कहना था कि लंबा खिंचता संघर्ष न केवल ईरान बल्कि विरोधी पक्षों, क्षेत्रीय स्थिरता और आने वाली पीढ़ियों के लिए भी नुकसानदेह है। ईरानी नेतृत्व का यह रुख संकेत देता है कि देश मौजूदा टकराव को कम करने और भविष्य में स्थिरता बहाल करने के लिए संतुलित कूटनीति पर जोर दे रहा है।

जमुई में शादी समारोह ...

वितरण के बाद कई लोगों की स्थिति में सुधार देखा गया। हालांकि, गंभीर रूप से प्रभावित कुछ मरीजों पर स्वास्थ्य टीम लगातार नजर बनाए हुए है। इस घटना के बाद पूरे मोहल्ले में हड़कंप मच गया है और शादी की खुशियां चिंता में तब्दील हो गई हैं। फिलहाल, सभी पीड़ितों का उपचार जारी है।

असम में अगले 2-3 ...

सकता है। ऐसे में लोगों को अनावश्यक यात्रा से बचने और दूर-दराज के सफर को टालने की सलाह दी गई है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। वहीं, असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने गुवाहाटी के निवासियों से विशेष सतर्कता बरतने का आग्रह किया है। प्राधिकरण ने लोगों से मौसम से जुड़ी आधिकारिक सूचनाओं पर नजर रखने और आवश्यक सावधानी अपनाने को कहा है।

बार-बार हो रहे हमलों के मद्देनजर सिनाकेइथेई ग्राम प्रशासन ने मणिपुर राइफल्स की अतिरिक्त तैनाती की मांग की

इंफाल। मणिपुर के उखरुल जिले के सिनाकेइथेई ग्राम प्रशासन ने सशस्त्र उग्रवादियों के बार-बार हमलों के कारण तेजी से बिगड़ती सुरक्षा स्थिति का हवाला देते हुए राज्य सरकार से गांव में मणिपुर राइफल्स के अतिरिक्त कर्मियों को तत्काल तैनात करने का आग्रह किया है। मणिपुर के मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह को लिखे एक पत्र में, सिनाकेइथेई ग्राम प्राधिकरण के अध्यक्ष यूलिसिस रुंगसुंग ने कहा कि सिनाकेइथेई गांव लगातार और समन्वित हमलों का सामना कर रहा है, जिन्हें कथित तौर पर भारी हथियारों से लैस कुकी उग्रवादियों द्वारा अंजाम दिया जा रहा है, जिससे निवासियों के जीवन को गंभीर खतरा है। पत्र के अनुसार, इस साल की शुरुआत में स्थिति और बिगड़ने लगी। पत्र में कहा गया है कि 23 फरवरी को राशेंग अवुंगशी नामक एक निवासी का कथित तौर पर बंदूक की नोक पर अपहरण कर लिया गया, जबकि एक अन्य ग्रामीण, किंग्सन मुइवाह, भागने की कोशिश करते समय पीछा किया गया और उस पर गोलियां चलाई गईं। बताया जाता है कि इस घटना के दौरान लुंगटर पहाड़ी श्रृंखला में भी आग लगा दी गई थी। इसमें कहा गया है, *7 मार्च को निर्दोष किसानों पर बिना किसी उकसावे के गोलीबारी की गई*। अध्यक्ष ने बताया कि कुछ दिनों बाद, 12 मार्च को, गांव में पहला बड़ा सशस्त्र हमला हुआ, जो सुबह लगभग 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक चला। उन्होंने बताया कि हमलावरों ने कथित तौर पर अत्याधुनिक हथियारों का इस्तेमाल करते हुए गांव से लगभग 300 मीटर की दूरी तक धावा बोल दिया था, लेकिन सुरक्षा बलों और स्थानीय स्वयंसेवकों ने उन्हें खदेड़ दिया। पत्र में कहा गया है, *15 मार्च 2026 से 18 मार्च 2026 तक, रविवार की प्रार्थना सभाओं के दौरान भी रुक-रुक कर गोलीबारी जारी रही, जिससे ग्रामीणों में भय और व्यवधान उत्पन्न हुआ*। 19 मार्च को एक और बड़ा हमला हुआ, जब आतंकवादियों ने कथित तौर पर तीन दिशाओं से गांव पर हमला किया। रुंगसुंग ने बताया कि गोलीबारी सुबह करीब 11 बजे से लेकर अगले दिन सुबह करीब 3-30 बजे तक जारी रही। पत्र में 21 मार्च की एक घटना का भी जिक्र किया गया है, जिसमें एक महिला और उसके बेटे पर कथित तौर पर गोलीबारी की गई और वे चार घंटे से अधिक समय तक अपने खेत में फंसे रहे, जिसके बाद महार रेजिमेंट के जवानों ने उन्हें बचाया। 25 और 26 मार्च को भी बंकरों से छिटपुट गोलीबारी की सूचना मिली थी, जिसके बारे में ग्राम प्रशासन ने कहा कि इसका उद्देश्य निवासियों में भय पैदा करना था। अप्रैल की शुरुआत में और भी हमले हुए। आरोप है कि सशस्त्र आतंकवादियों ने 4 और 5 अप्रैल को अलग-अलग दिशाओं से हमले किए, और गोलीबारी अगली सुबह तक जारी रही। सबसे भीषण हमले 6 अप्रैल और 7 अप्रैल को हुए थे, जब आतंकवादियों ने कथित तौर पर कई दिशाओं से उन्नत हथियारों और विस्फोटकों का इस्तेमाल किया था, और यह टकराव सुबह लगभग 5 बजे तक चला, जिसके बाद सुरक्षा बलों और ग्राम स्वयंसेवकों ने उन्हें खदेड़ने में कामयाबी हासिल की। सबसे हालिया घटना 19 अप्रैल को हुई, जब शाम करीब 7 बजे से गांव पर कई दिशाओं से समन्वित हमला किया गया। पत्र के अनुसार, भीषण गोलीबारी और बम विस्फोट सुबह करीब 3 बजे तक जारी रहे। अध्यक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि उग्रवादियों ने वर्तमान में गांव के आसपास के लुंगटर पहाड़ी क्षेत्रों पर कब्जा कर लिया है, जहां शिविर, खाइयां और बंकर स्थापित किए गए हैं। बताया जाता है कि इन स्थानों से हमलावर बार-बार हमले कर रहे हैं और गांव की ओर बढ़ने का प्रयास कर रहे हैं। पत्र में कहा गया है, *लगातार जारी हिंसा ने सिनाकेइथेई में जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है, जिससे निवासी लगातार भय में जी रहे हैं*। इसमें आगे कहा गया है कि बुजुर्गों, बीमारों और बच्चों सहित कमजोर वर्ग विशेष रूप से प्रभावित हुए हैं, और लंबे समय तक चले इस अशांति के कारण कई लोग मानसिक आघात से पीड़ित हैं। मौजूदा स्थिति को देखते हुए, ग्राम प्रशासन ने राज्य सरकार से क्षेत्र में सुरक्षा को मजबूत करने और हिंसा को और बढ़ने से रोकने के लिए मणिपुर राइफल्स के अतिरिक्त कर्मियों की तत्काल तैनाती की अपील की है। अध्यक्ष ने कहा कि इन हमलों के पैमाने और आवृत्ति के सामने मौजूदा सुरक्षा व्यवस्था अपर्याप्त साबित हो रही है, और तत्काल सुदृढ़ीकरण के बिना, स्थिति नियंत्रण से बाहर हो सकती है। उन्होंने आगे कहा कि समय पर किया गया हस्तक्षेप न केवल सुरक्षा की भावना को बहाल करेगा बल्कि प्रशासन में ग्रामीणों के विश्वास की भी पुष्टि करेगा।

गुवाहाटी में कृत्रिम बाढ़ के कारण शैक्षणिक संस्थान बंद रहे

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी शहर में 19 और 20 अप्रैल के बीच की रात को हुई भारी बारिश के कारण उत्पन्न कृत्रिम बाढ़ की स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने सोमवार को सभी शैक्षणिक संस्थानों को बंद रखने का आदेश जारी किया है। जिला आयुक्त एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए), कामरूप (मेट्रो) के अध्यक्ष स्वप्नील पॉल, आईएएस द्वारा जारी आदेश के अनुसार गुवाहाटी नगर निगम (जीएमसी) क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी सरकारी एवं निजी शैक्षणिक संस्थान 20 अप्रैल को बंद रहेंगे। यह निर्णय विद्यार्थियों और कर्मचारियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जनहित में लिया गया है। यह आदेश आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की धारा 30(2) के तहत जारी किया गया है, जिसके तहत आपात स्थिति में आवश्यक कदम उठाने का प्रावधान है। इस संबंध में असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए), उच्च शिक्षा एवं माध्यमिक शिक्षा निदेशालय सहित संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के लिए सूचित किया गया है।

गुवाहाटी में जलजमाव पर सरकार पर बरसे एआईयूडीएफ विधायक

गुवाहाटी (हिंस)। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के विधायक रफिकुल इस्लाम ने सोमवार को गुवाहाटी में बार-बार हो रही जलजमाव की समस्या को लेकर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। भारी बारिश के बाद उत्पन्न स्थिति पर आज प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि शहर में थोड़ी सी बारिश भी आम जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर देती है। उन्होंने कहा कि कई इलाकों में सड़कें जलमग्न हो जाने के कारण यातायात व्यवस्था चरमरा जाती है, जिसके चलते स्कूलों को बंद करना पड़ता है। कुछ स्थानों पर पानी के तेज बहाव में वाहनों के बह जाने और एक युवती की मौत होने की भी खबरें सामने आई हैं। गुवाहाटी की इस स्थिति को उन्होंने बेहद चिंताजनक बताया। रफीकुल इस्लाम ने आरोप लगाया कि समस्या के समाधान के लिए अब तक कोई वैज्ञानिक योजना नहीं बनाई गई है। उन्होंने कहा कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद जमीनी स्तर पर कोई ठोस सुधार दिखाई नहीं दे रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने कई बार आश्वासन दिए, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। विधायक ने प्रशासन से इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए जल्द प्रभावी कदम उठाने की मांग की, ताकि भविष्य में इस तरह की स्थिति से बचा जा सके।

अभि-नील हत्याकांड में आठ वर्ष बाद 20 आरोपी दोषी करार, सजा की घोषणा 24 को

गुवाहाटी (हिंस)। बहुचर्चित अभि-नील हत्याकांड में लगभग आठ वर्षों तक चली सुनवाई के बाद जिला सत्र न्यायालय नगांव ने अंतिम फैसला सुनाते हुए 20 आरोपितों को दोषी करार दिया है, जबकि 25 अन्य को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया गया। उल्लेखनीय की आठ वर्ष पहले उदीयमान संगीतकार अभि और नील कार्बी आंगलोंग जिले में मोबलिचिंग का शिकार हुए थे। चार दर्जन से अधिक लोगों ने मिलकर दोनों की निर्ममतापूर्वक हत्या कर दी थी। उल्लेखनीय है कि, यह घटना 8 जून, 2018 को कार्बी आंगलोंग के डोकमका में हुई थी। कार्बी भूमि की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने गए युवा संगीतकार निलोत्पल दास और अभिजीत नाथ को कुछ उन्मादी लोगों के हमले का शिकार हो गए थे। अपनी जान बचाने के लिए बार-बार गुहार लगाने के बावजूद वे उन हमलावरों से खुद को बचा नहीं सके। लंबे समय से लंबित इस मामले में अदालत ने विभिन्न साक्ष्यों और गवाहों के बयान के आधार पर यह निर्णय दिया। फैसले को इस मामले में एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है, जिसने लंबे समय से न्याय की प्रतीक्षा कर रहे पक्षों को राहत दी है। अदालत ने दोषी ठहराए गए आरोपियों की सजा की घोषणा के लिए 24 अप्रैल की तारीख निर्धारित की है। इस दिन प्रत्येक दोषी की भूमिका के आधार पर सजा तय की जाएगी। दोषी ठहराए गए व्यक्तियों में बिश्वराम स्वर्गियारी, पानटेंग बसुमतारी, आलाफाजक्रोज तिमुंग, इसेंट इंग्ती, रायकांग तिमुंग, रत्नेश्वर तेरांग, फूकन लेक्टी, एन्स तिमुंग, प्रेस तिमुंग, रूपसिंग क्रो, धनु मेश, बाबूसिंग क्रो, बिक्रम हांसे, शिकारी रोंग्पी, बाबू रोंग्पी, विद्या सिंह रोंग्पी, मेंसिंग क्रो, दीपज्योति बसुमतारी, वारिश रोंग्पी और ओनोदा मेश शामिल हैं। मामले की अगली सुनवाई में सजा का ऐलान किया जाएगा, जिस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं। अभि-नील के परिवार के साथ-साथ पूरे असम के लोग इस दिन का लंबे समय से इंतजार कर रहे थे।

मालीगांव में खुले मैनहोल में गिरकर महिला की मौत

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी महानगर में भारी बारिश के कारण उत्पन्न कृत्रिम बाढ़ के बीच मालीगांव क्षेत्र में रविवार देर रात एक दुखद घटना सामने आई, जहां एक महिला की मेनहोल में गिरकर मौत हो गई। मृतका की पहचान धारापुर निवासी पायल नाथ के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, लगातार हो रही बारिश के चलते क्षेत्र में जलभराव हो गया था, जिसके कारण तेज बहाव में वह नाले में बहकर खुले मेनहोल में समा गई। घटना के तुरंत बाद राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीम द्वारा तलाश अभियान शुरू किया गया। खराब मौसम और तेज बहाव के बावजूद राहत एवं बचाव कार्य लगातार जारी रखा गया। बाद में एसडीआरएफ की टीम ने महिला को आज तड़के लगभग 3 बजे बरामद कर अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद शहर में खुले मेनहोल और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

मेघालय के शिक्षक संगठन ने वेतन सुधार की पहल के लिए मुख्यमंत्री कॉनरैड को सम्मानित किया

तुरा। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के संगमा को सोमवार को तुरा के जिला सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम में अखिल मेघालय चतुर्थ शिक्षक संघ, गारो हिल्स इकाई द्वारा सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम संरचित वेतनमान के कार्यान्वयन के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री द्वारा शिक्षकों के वेतन वितरण को सुव्यवस्थित करने में निभाई गई भूमिका को सराहने के लिए आयोजित किया गया था। इस नए ढांचे का उद्देश्य वेतन संरचना और सेवा शर्तों से संबंधित लंबे समय से चले आ रहे मुद्दों को संबोधित करते हुए समय पर और पारदर्शी भुगतान सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम का शुभारंभ औपचारिक स्वागत समारोह से हुआ, जिसके बाद जेकियस टी संगमा द्वारा प्रार्थना की गई। मुख्यमंत्री को अभिनंदन के प्रतीक स्वरूप फूलों का गुलदस्ता और स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। सभा को संबोधित करते हुए, संगमा ने आभार व्यक्त किया और इस अवसर को *एक दुर्लभ और विनम्र क्षण* बताया। उन्होंने कहा कि राजनेताओं के रूप में, हमें अक्सर धन्यवाद सुनने की आदत नहीं होती। हमसे हमेशा अपेक्षा की जाती है कि हम अपना वादा पूरा करें, और यह सही भी है। लेकिन लोग अक्सर आभार व्यक्त करना भूल जाते हैं। 2016 में सांसद के रूप में अपने पूर्व कार्यकाल को याद करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षकों के साथ बातचीत से उन्हें इस क्षेत्र की चुनौतियों की गहरी समझ मिली। उन्होंने कहा कि तभी मुझे पहली बार आपकी समस्याओं का पता चला और मुझे एहसास हुआ कि शिक्षा क्षेत्र में कई गहरी जड़ें जमा चुकी समस्याएं हैं जिनका समाधान होना आवश्यक है। उन्होंने स्वीकार किया कि यद्यपि कुछ निर्णय कठिन थे, लेकिन सार्थक सुधार के लिए वे आवश्यक थे। उन्होंने कहा कि आज हम सरकार में हैं, इसके पीछे एक कारण है और मेरा दृढ़ विश्वास है कि वह कारण हमारे राज्य के लोगों की सेवा करना और उनकी मदद करना है। उन्होंने आगे कहा कि मैं 20 या 25 साल बाद पछतावे के साथ पीछे मुड़कर नहीं देखना चाहता... यही विचार मुझे हर दिन अपनी तरफ से हर संभव प्रयास करने के लिए प्रेरित करता है। हाल ही में उठाए गए कदमों पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न अनुदान श्रेणियों के अंतर्गत आने वाले एसएसए शिक्षकों, तदर्थ शिक्षकों और अन्य को प्रभावित करने वाले मुद्दों सहित लंबे समय से लंबित मुद्दों को हल करने के लिए उठाए गए कदमों से 23,000 से अधिक शिक्षकों को लाभ हुआ है। उन्होंने सुधारों को लागू करने में शिक्षा विभाग और पूर्व नेतृत्व के योगदान को भी स्वीकार किया। सांगमा ने कहा कि जब उनकी सरकार ने 2018 में सत्ता संभाली थी, तब शिक्षा क्षेत्र के लिए कोई स्पष्ट रोडमैप नहीं था। उन्होंने कहा कि शिक्षा नीति की शुरुआत और शिक्षा आयोग के गठन से बुनियादी ढांचे, शिक्षक कल्याण, प्रशिक्षण और प्रौद्योगिकी के उपयोग जैसे प्रमुख क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिली। शिक्षा को सुधार के लिए सबसे जटिल क्षेत्रों में से एक बताते हुए उन्होंने कहा कि निर्णयों में व्यवस्थागत परिवर्तन और स्थिरता के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने टिप्पणी की कि निर्णय अलग-थलग रहकर नहीं लिए जा सकते-वे लोगों, व्यवस्थाओं और परिणामों को एक साथ प्रभावित करते हैं। छात्रों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा में मूलभूत समस्या कई वर्षों से यह रही है कि हमने बच्चे की शिक्षा को छोड़कर बाकी सब चीजों पर ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने शिक्षकों से सीखने के परिणामों को प्राथमिकता देने का आग्रह करते हुए कहा कि आइए सुनिश्चित करें कि हर बच्चा सीखे... आइए केवल पाठ्यक्रम पूरा करने पर ध्यान केंद्रित न करें, बल्कि वास्तव में अपने बच्चों को शिक्षित करने पर ध्यान दें।

सतिया के योग प्रचारक और समाजसेवी सुशेन कलिता का निधन

विश्वनाथ (विभास)। जाने-माने समाज सेवक, योग प्रचारक, टैक्स विभाग के रिटायर्ड कर्मचारी और एक शिक्षण संस्थान के संस्थापक सुशेन कलिता (84) का सतिया स्थित उनके आवास पर निधन हो गया। 1942 में एक किसान परिवार में जन्मे कलिता ने अपनी प्राथमिक और हाई स्कूल की शिक्षा सतिया में ही प्राप्त की और उच्च शिक्षा के लिए दरांग कॉलेज में दाखिला लिया। उन्होंने कॉमर्स में ग्रेजुएशन किया और टैक्स विभाग में अपने करियर की शुरुआत की। एक किसान परिवार में जन्मे कलिता ने सांसारिक जीवन की निजी चिंताओं को त्याग दिया और सामाजिक जिम्मेदारी को अपने जीवन का व्रत बना लिया। 1983के दशक में भास्कर ज्योति आदर्श विद्यापीठ नामक शिक्षण संस्थान की स्थापना की थी।

कोकराझाड़ के सुभाषपल्ली में *सॉइल एंड मटेरियल टेस्टिंग लैब* का उद्घाटन

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ शहर के सुभाषपल्ली स्थित *लिटिल फ्लावर स्कूल* के समीप आज एक अत्याधुनिक *सॉइल एंड मटेरियल टेस्टिंग लैब* का औपचारिक उद्घाटन किया गया। बीटीसी के कार्यकारी सदस्य प्रकाश बसुमतारी ने एक गरिमामय समारोह में इस प्रयोगशाला का शुभारंभ किया। लैब के मालिकों, रितेश बारोई और विवेक भट्टाचार्य ने मीडिया को बताया कि इस प्रयोगशाला में मिट्टी और निर्माण सामग्री से संबंधित लगभग 60 विभिन्न प्रकार के परीक्षण किए जा सकेंगे। उद्घाटन के दौरान कार्यकारी सदस्य प्रकाश बसुमतारी ने उद्यमियों को बधाई दी और विश्वास व्यक्त किया कि यह लैब क्षेत्र में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और मजबूती सुनिश्चित करने में मील का पत्थर साबित होगी। इस नई सुविधा के शुरू होने से स्थानीय स्तर पर निर्माण सामग्री की शुद्धता की जांच आसान हो जाएगी, जिससे क्षेत्र के बुनियादी ढांचे के विकास को नई गति और गुणवत्ता मिलेगी।

नगालैंड : पूर्वोत्तर भारत एक जीवंत सांस्कृतिक विविधता का संगम : राज्यपाल

कोहिमा। पूर्वोत्तर भारत को *सांस्कृतिक मोजेक* बताते हुए, नागालैंड के राज्यपाल नंद किशोर यादव ने रविवार को इस क्षेत्र की जनजातियों, परंपराओं और विरासत की समृद्ध विविधता पर जोर दिया और तेजी से विकसित हो रही दुनिया में स्वदेशी पहचान को संरक्षित करने के लिए निरंतर प्रयासों का आह्वान किया। गुवाहाटी के एनईजेडसीसी शिल्पग्राम में *उत्तर-पूर्व जनजातीय बसंत उत्सव* के उद्घाटन समारोह में बोलते हुए राज्यपाल ने कहा कि पूर्वोत्तर अपने विविध समुदायों के लिए जाना जाता है, जिनमें से प्रत्येक की अपनी अलग भाषा, पहनावा, संगीत, नृत्य और रीति-रिवाज हैं। यादव, जो उत्तर पूर्वी क्षेत्र के सांस्कृतिक केंद्र के अध्यक्ष के रूप में भी कार्यरत हैं, ने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह की विविधता शक्ति और एकता का स्रोत है। उन्होंने युवाओं से नवाचार और प्रगति को अपनाते हुए अपनी जड़ों से जुड़े रहने का आग्रह किया। यह उत्सव, जिसे उत्तर पूर्व जनजातीय वसंत उत्सव के नाम से भी जाना जाता है, क्षेत्र की सांस्कृतिक जीवंतता का जश्न मनाता है और वसंत ऋतु के आगमन का प्रतीक है। इसके व्यापक महत्व पर प्रकाश डालते हुए, राज्यपाल ने कहा कि यह आयोजन नवीनीकरण, आशा और सद्भाव का प्रतीक है, साथ ही यह आदिवासी समुदायों और प्रकृति के बीच गहरे बंधन को भी दर्शाता है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी जीवनशैली-जो स्थिरता, सामुदायिक मूल्यों और पर्यावरण के प्रति सम्मान पर आधारित है-आधुनिक समाज के लिए महत्वपूर्ण सबक प्रदान करती है। यादव ने महोत्सव के भविष्य के बारे में आशावाद व्यक्त करते हुए कहा कि इसमें एक प्रमुख सांस्कृतिक मंच के रूप में विकसित होने की क्षमता है जो साझा विरासत के माध्यम से एकता और विकास को बढ़ावा देता है।

एसीए ने किरण राजाराम पवार को असम सीनियर पुरुष टीम का हेड कोच नियुक्त किया

गुवाहाटी। असम क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि उसने आने वाले घरेलू सीजन के लिए, जिसमें रणजी ट्रॉफी और अन्य लिमिटेड-ओवर्स फॉर्मेट शामिल हैं, असम सीनियर पुरुष टीम के हेड कोच के रूप में श्री किरण राजाराम पवार को नियुक्त किया है। मुंबई के रहने वाले श्री पवार, मुंबई के पूर्व क्रिकेटर हैं और उन्होंने भारत -19 टीम के कप्तान के रूप में भी काम किया है। एक अनुभवी कोच के तौर पर, उनके पास इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी), यूके से मिला प्रतिष्ठित लेवल *बी* कोचिंग सर्टिफिकेट है। खेलने और कोचिंग के अपने व्यापक अनुभव के साथ, एसीए को पूरा भरोसा है कि उनकी विशेषज्ञता असम सीनियर पुरुष टीम के विकास और प्रदर्शन में महत्वपूर्ण योगदान देगी। एसोसिएशन श्री पवार का गर्मजोशी से स्वागत करता है और उनके मार्गदर्शन में एक सफल कार्यकाल की उम्मीद करता है।

रंगिया पुलिस की बड़ी सफलता : 12 घंटे की अथक मशक्कत के बाद पांच चोरों को किया गिरफ्तार

रंगिया (विभास)। रंगिया वार्ड नंबर 10 (पावर हाउस चौक) में 8 अप्रैल की रात हुई सनसनीखेज चोरी की घटना को रंगिया पुलिस ने मात्र 12 घंटे की कड़ी मशक्कत से सुलझा लिया है। घटना के बारे में मिली जानकारी के अनुसार अज्ञात चोरों ने एक किराने की दुकान के टिन का छप्पर तोड़कर अंदर घुसकर लगभग 80,000 रुपये नकद और अन्य सामान उड़ा लिया था। मस्फीकुर रहमान की शिकायत पर रंगिया पीएस केस नंबर 77/26 (धारा 305(ए) बीएनएस) के तहत मामला दर्ज हुआ। थाना प्रभारी प्रेमांकुर हजारिका के दिशा-निर्देश पर पुलिस टीम ने गहन जांच और तलाशी अभियान चलाया। परिणामस्वरूप, रंगिया क्षेत्र में छत की शीटें काटकर चोरी करने वाले पांच आरोपी-अनवर हुसैन, दीप ज्योति दास, प्रबीन दास, पिंटू अली और जादव दास-को धर दबोचा गया। ये आरोपी क्षेत्र में अन्य चोरी मामलों में भी संलिप्त पाए गए। पूछताछ में आरोपियों ने अपराध कबूल कर लिया। उनके कब्जे से चुराए गए सरसों का तेल, साबुन, दूध, इत्र और अन्य घरेलू सामान बरामद किए गए। सभी को कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस सफलता से स्थानीय निवासियों में सुरक्षा का भरोसा बढ़ा है। रंगिया पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का वादा किया और जनता से संदिग्ध गतिविधियों की तत्काल सूचना देने की अपील की है।

स्वच्छ भारत अभियान को ठेंगा दिखा रहा फकीराग्राम रेलवे स्टेशन

कोकराझाड़ (विभास)। एक तरफ जहां *स्वच्छ भारत अभियान* के तहत पूरे देश में समय-समय पर सफाई अभियान चलाकर स्वच्छता का संदेश दिया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर उत्तर पूर्व सीमांत रेलवे के अंतर्गत आने वाले फकीराग्राम रेलवे स्टेशन की बदहाली ने रेल प्रशासन के दावों की पोल खोल दी है। यात्रियों ने आरोप लगाया है कि स्टेशन परिसर में चारों ओर गंदगी का अंबार लगा हुआ है, जिससे उन्हें भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय यात्रियों और दैनिक यात्रियों का कहना है कि स्टेशन के डस्टबिन पूरी तरह से भरे पड़े हैं और कचरा जमीन पर फैला हुआ है। यात्रियों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि स्टेशन पर कोई भी सफाईकर्मी सफाई करने का नाम नहीं ले रहा है। मजबूरन यात्रियों को इसी दुर्गंध और गंदगी के बीच बैठकर अपनी ट्रेनों का इंतजार करना पड़ रहा है। हैरानी की बात यह है कि स्टेशन परिसर में फैली इस अव्यवस्था पर स्थानीय स्टेशन मास्टर भी ध्यान नहीं दे रहे हैं। यात्रियों का कहना है कि अधिकारियों की इस अनदेखी के कारण स्टेशन की स्थिति दिन-ब-दिन बदतर होती जा रही है। भौगोलिक और सामरिक दृष्टि से फकीराग्राम रेलवे स्टेशन अत्यंत महत्वपूर्ण है। पश्चिम बंगाल की सीमा समाप्त होने के बाद असम में पड़ने वाला यह पहला प्रमुख रेलवे जंक्शन है। धुबड़ी जाने वाली ट्रेनें इसी जंक्शन से होकर गुजरती हैं। जंक्शन होने के नाते यहां रोजाना हजारों यात्रियों का आना-जाना लगा रहता है। इतने महत्वपूर्ण जंक्शन की सफाई व्यवस्था का इतना बुरा हाल होना दुर्भाग्यपूर्ण है। हमने उच्च अधिकारियों से मांग की है कि वे इस ओर तुरंत ध्यान दें। यात्रियों ने रेलवे प्रशासन के आला अधिकारियों से मांग की है कि फकीराग्राम जंक्शन की सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया जाए और लापरवाह कर्मचारियों व अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए ताकि यात्रियों को एक स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिल सके। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के अंतर्गत आने वाले फकीराग्राम स्टेशन पर इन दिनों सफाई व्यवस्था चरमरा गई है। यात्रियों की भारी आवाजाही वाले इस स्टेशन पर सफाईकर्मियों की भारी कमी के कारण गंदगी का अंबार लगने लगा है। चौंकाने वाली बात यह है कि जिस स्टेशन पर पहले तीन सफाईकर्मी तैनात हुआ करते थे, वहां अब केवल एक ही सफाईकर्मी के जिम्मे पूरे स्टेशन की सफाई का भार है। फकीराग्राम के स्टेशन मास्टर मुख्तार आलम ने स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए बताया कि सफाईकर्मियों की संख्या घटने से प्लेटफार्म और रेल परिसर की स्वच्छता बनाए रखने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पहले तीन शिफ्टों या सत्रों में काम होने से स्टेशन चकाचक रहता था, लेकिन अब स्टाफ की कमी के कारण व्यवस्था प्रभावित हो रही है। फकीराग्राम जाकशन रेलवे स्टेशन की सफाई के लिए एक ही महिला सफाईकर्मी बिभाग ने दिया है एक महिला कर्मचारी के दवारा इतने बड़े स्टेशन की सफाई किया जाना संभव नहीं है। जो की रेलवे बिभाग की लापरवाही ओर फकीराग्राम रेलवे स्टेशन को अनदेखा किये जाने का आरोप है।

संपादकीय

'आधी आबादी' की लड़ाई शेष

महिला आरक्षण बिल नहीं गिरा। टीवी चैनलों के कुछ अधपके, गौरवर्णा एंकरों को यह जानकारी ही नहीं है कि सामान्य विधेयक, कानून और संविधान संशोधन बिल में क्या फर्क है। महिला आरक्षण बिल तो सितंबर, 2023 में संसद सर्वसम्मति से पारित कर चुकी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 28 सितंबर, 2023 को पारित बिल पर हस्ताक्षर कर उसे कानून बना दिया था। हालांकि 932 दिनों के बाद कानून की अधिसूचना तब जारी की गई, जब लोकसभा में 131वें संविधान संशोधन बिल पर बहस जारी थी। अब 17 अप्रैल, 2026 को वह संविधान संशोधन बिल लोकसभा में पारित नहीं हो पाया, जो बुनियादी तौर पर महिला आरक्षण के मुद्दे से जुड़ा था। बिल पारित कराने के लिए 352 सांसदों का समर्थन अनिवार्य था, लेकिन सत्तारूढ़ भाजपा-एनडीए के पक्ष में 298 वोट ही आए और विपक्ष की 230 सांसदों के समर्थन के बावजूद 'राजनीतिक जीत' हुई। संविधान संशोधन के लिए सदन में दो-तिहाई सांसदों का बहुमत अनिवार्य होता है। मोदी सरकार के करीब 12 साल के कार्यकाल में यह पहला मौका है, जब उसका कोई बिल अथवा संविधान संशोधन लोकसभा में गिरा है। नवंबर, 2021 में प्रधानमंत्री मोदी ने, किसान आंदोलन के मद्देनजर, तीन कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा की थी, जिसकी प्रक्रिया संसद में ही पूरी की गई थी। बहरहाल संविधान संशोधन गिरने के बाद जो भी व्याख्याएं की जाएं, लेकिन महिला आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर लटक कर रह गया है। 1996 से महिला आरक्षण बिल की यही नियति देखते रहे हैं। बिल गिरने के बाद नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और फिर विपक्ष के अन्य नेताओं ने यह आग्रह करना शुरू कर दिया है कि प्रधानमंत्री 2023 वाला कानून संसद में ले आएं, जरूरी संशोधन भी करा लें और उसके आधार पर ही महिलाओं का 33 फीसदी आरक्षण लागू कर दें। यह नहीं हो सकता, क्योंकि 2023 के कानून के साथ जनगणना और परिसीमन की अनिवार्यता भी नत्थी है। यदि लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों पर ही आरक्षण लागू करना था, तो यह बिल 2010 में ही यूपीए सरकार पारित करा सकती थी। तब राज्यसभा में भाजपा के सहयोग, समर्थन से बिल पारित कराया गया था। मई, 2014 तक कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार थी, विपक्षी भाजपा भी समर्थन देने को तैयार थी, तो बिल लोकसभा में पेश क्यों नहीं किया गया? अंततः बिल 'लैप्स' हो गया। लोकसभा की मौजूदा संख्या के आधार पर 181 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की जानी थी। तब 'पुरुष वर्चस्ववादी' दलों के उन्हीं नेताओं ने पुरजोर विरोध किया था, जो शुरू से ही महिला आरक्षण के विरोधी थे और अलग-अलग सवाल, संदेह, आशंकाएं जता रहे थे। मनमोहन सरकार गिर भी सकती थी, लिहाजा बिल को नेपथ्य में फेंक दिया गया। अब उन्हीं के 'विरासती नेता' 543 सीटों पर महिला आरक्षण लागू करने की मांग कर रहे हैं। बहरहाल बिल गिरने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने देश की माताओं, बहनों, बेटियों से बात करने का बहाना बना कर राष्ट्र को संबोधित कर महिला आरक्षण को एक 'राजनीतिक मोहरा' बनाने की कोशिश की है। प्रधानमंत्री ने नारी-शक्ति के सपनों, अरमानों को कुचलने, रौंदने और अंततः भ्रूण-हत्या करने सरीखे शब्दों का इस्तेमाल किया है। उन्होंने कांग्रेस, सपा, तृणमूल, द्रमुक सरीखे विपक्षी दलों को निशाना बनाया और उन्हें नारी-शक्ति के गुनहगार, संविधान के अपराधी, पापी आदि करार दिया। प्रधानमंत्री ने उन सभी बदलावों, सुधारों को भी गिनाया और खासकर कांग्रेस को सुधार-विरोधी, महिला-विरोधी, परजीवी, देश में दरारें पैदा करने वाली पार्टी भी करार दिया। प्रधानमंत्री मोदी संविधान संशोधन गिरने के बाद गुस्से में लगते हैं, पराजय के कारण आक्रोश में भी हैं, लेकिन उन्होंने माताओं-बहनों से क्षमा भी मांगी है, क्योंकि वह बिल पारित नहीं करा सके। चूंकि 23 अप्रैल को बंगाल, तमिलनाडु में मतदान होने हैं, लिहाजा भाजपा और उसके सहयोगी दल सड़कों पर बिछ गए हैं।

महिला आरक्षण बिल तो सितंबर, 2023 में संसद सर्वसम्मति से पारित कर चुकी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 28 सितंबर, 2023 को पारित बिल पर हस्ताक्षर कर उसे कानून बना दिया था। हालांकि 932 दिनों के बाद कानून की अधिसूचना तब जारी की गई, जब लोकसभा में 131वें संविधान संशोधन बिल पर बहस जारी थी। अब 17 अप्रैल, 2026 को वह संविधान संशोधन बिल लोकसभा में पारित नहीं हो पाया, जो बुनियादी तौर पर महिला आरक्षण के मुद्दे से जुड़ा था। बिल पारित कराने के लिए 352 सांसदों का समर्थन अनिवार्य था, लेकिन सतारूढ़ भाजपा-एनडीए के पक्ष में 298 वोट ही आए और विपक्ष की 230 सांसदों के समर्थन के बावजूद 'राजनीतिक जीत' हुई। संविधान संशोधन के लिए सदन में दो-तिहाई सांसदों का बहुमत अनिवार्य होता है। मोदी सरकार के करीब 12 साल के कार्यकाल में यह पहला मौका है, जब उसका कोई बिल अथवा संविधान संशोधन लोकसभा में गिरा है। नवंबर, 2021 में प्रधानमंत्री मोदी ने, किसान आंदोलन के मद्देनजर, तीन कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा की थी, जिसकी प्रक्रिया संसद में ही पूरी की गई थी। बहरहाल संविधान संशोधन गिरने के बाद जो भी व्याख्याएं की जाएं, लेकिन महिला आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर लटक कर रह गया है। 1996 से महिला आरक्षण बिल की यही नियति देखते रहे हैं।

कुछ अलग

बकरा नहीं कटेगा

सरकारों के आचरण में यह खूबी है कि किसी भी वस्तु या व्यक्ति की कीमत तय कर दे। कई बार सुशासन की जरूरत में भी तय कीमतों की नुमाइश होती है और यही वजह थी कि जिला के डीसी महोदय ने बकरे के मीट तक के दाम तय कर दिए। हैरानी यह हुई कि बढ़ी हुई कीमत पर बकरा कटने को तैयार नहीं था। बकरा दरअसल कसाई से दोस्ती कर बैठा था, इसलिए अपनी मौत के बजाय उसे कसाई की खुशहाल जिंदगी का फिक्र था। वह किलो के हिसाब से नहीं बिकना चाहता था, बल्कि चाहता था कि पूरे शरीर का मोल तय हो। उसे मालूम था कि बिकना तो एक ही बार है, तो कम दाम पर क्यों बिके। लोगबाग अपना मूल्य तय करने के लिए राजनीतिक पार्टियां तक बदल देते हैं, ताकि सशरीर बिकें। वैसे बकरे और किसी नेता के बीच बिकने की कोशिश एक जैसी ही है। बस इतना सा अंतर है कि बकरे के पास एक ही बार बिकने का मौका होता है, जबकि राजनेता लगातार बिक सकता है और कई तरह से बिक सकता है। खैर डीसी साहेब कोशिश कर रहे थे कि बकरे के मीट से पालने, काटने व खाने वाले को कुछ न कुछ फायदा मिले, लेकिन ऐसा संभव नहीं हो पा रहा था। बढ़े हुए रेट पर भी इन तीनों की तसल्ली नहीं हो रही थी। डीसी को रिपोर्ट मिली कि इस तरह तो बकरे कटेंगे ही नहीं। प्रशासन और कसाइयों के बीच टकराव बढ़ता जा रहा था। बकरे पालने वाले चाहते थे कि एकमुश्त कीमत बढ़े। कसाई चाहते थे कि मीट प्रति किलो सौ रुपए बढ़ जाए, तो ग्राहक चाहते थे कि ज्यादा बकरे कटें, लेकिन मूल्य वही पुराना रहे। अंततः बकरा पालक डीसी के पास पहुंचे, 'सर बकरे चालाक हो गए हैं।

मोदी ने हाल के दिनों में किसी भी दूसरे पुरुष नेता से ज़्यादा महिलाओं की शिकायतें सुनने का प्रयास किया

संवादहीनता के चलते महिला आरक्षण पर गतिरोध

महिला आरक्षण बिल, जिसे पेश करने की अगुवाई प्रधानमंत्री ने लोकसभा में की, यहां तक कि कुछ राज्यों में जारी चुनाव प्रचार के बीच में संसद का विशेष सत्र बुलाया, वह स्वीकृत क्यों नहीं हो पाया? क्या भारत की महिलाएं राष्ट्रीय 'नारी शक्ति' का हिस्सा नहीं बनना चाहतीं? इसका जवाब जटिल है, जाहिर है, शुरुआत इस तथ्य से होगी कि देवियों में हमारी गहरी आस्था के बावजूद, दुर्गा से लेकर काली, सरस्वती और लक्ष्मी और भी बहुत सारी, आप पूछ सकते हैं कि भारत में पुरुष-प्रधान समाज की जड़ें इतनी गहरी क्यों हैं। अवश्य ही, हम महिलाएं ही उन जड़ों को सींचने और अपना ही नुकसान करने के लिए ज़िम्मेदार हैं।

भारतीय राजनीति में 'महिला वोट बैंक' बनाने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उल्लेखनीय परियोजना, जिसके जरिए वे जाति और वर्ग, दोनों की राजनीति को पछाड़ने की उम्मीद रखे हुए हैं, पिछले 12 सालों में वह कल्पनातीत रूप से काफी कारगर रही है। मोदी ने हाल के दिनों में किसी भी दूसरे पुरुष नेता से ज़्यादा महिलाओं की शिकायतें सुनने का प्रयास किया है- शुरुआत गांव के छोटे घरों में इस्तेमाल होने वाले, धुआं पैदा करने वाले चूल्हों को 'उज्ज्वला' स्कीम के तहत गैस सिलेंडर से बदलने की मुहिम से हुई, और फिर उनके बैंक खाते में पैसे डाले गए, खासकर उनके राज्यों में चुनावों से पहले। तो फिर, महिला आरक्षण बिल, जिसे पेश करने की अगुवाई प्रधानमंत्री ने लोकसभा में की, यहां तक कि कुछ राज्यों में जारी चुनाव प्रचार के बीच में संसद का विशेष सत्र बुलाया, वह स्वीकृत क्यों नहीं हो पाया? क्या भारत की महिलाएं राष्ट्रीय 'नारी शक्ति' का हिस्सा नहीं बनना चाहतीं? इसका जवाब जटिल है, जाहिर है, शुरुआत इस तथ्य से होगी कि देवियों में हमारी गहरी आस्था के बावजूद, दुर्गा से लेकर काली, सरस्वती और लक्ष्मी और भी बहुत सारी, आप पूछ सकते हैं कि भारत में पुरुष-प्रधान समाज की जड़ें इतनी गहरी क्यों हैं। अवश्य ही, हम महिलाएं ही उन जड़ों को सींचने और अपना ही नुकसान करने के लिए ज़िम्मेदार हैं। वरना हरियाणा में महिला-पुरुष अनुपात (879/1,000), पंजाब (895/1,000) व दिल्ली (868/1,000) न होता —मानें या न मानें, 1000 पुरुषों पर 818 महिलाओं के साथ चंडीगढ़ का आंकड़ा देशभर में सबसे नीचे है, राष्ट्रीय सूची में ये सब नीचे क्यों है? (हालांकि हरियाणा का दावा है कि पिछले साल उसका आंकड़ा बढ़कर प्रति 1,000 पुरुषों पर 914 महिलाएं हो गया है।) सवाल उठता है कि केरल के बराबर आबादी वाला पंजाब, दोनों की आबादी लगभग 3 करोड़ है, लिंगानुपात के पैमाने पर देशभर में दूसरा सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला राज्य क्यों है? केरल (1,084), तमिलनाडु (996), आंध्र प्रदेश और कर्नाटक (दोनों 993) जैसे दक्षिणी राज्यों का प्रदर्शन उत्तरी राज्यों की तुलना में इस पैमाने (और अन्य कई सामाजिक-आर्थिक

मापदंडों पर भी) इतना बढ़िया क्यों है? दूसरा सवाल पूछना बनता है कि विपक्षी दल महिला आरक्षण बिल के खिलाफ क्यों हैं? उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के लाए उस विधान का समर्थन क्यों नहीं किया, जिससे भारतीय राजनीति में उलटफेर होना तय है? क्या विपक्ष महिला विरोधी है? पिछले कुछ दशकों में महिला आरक्षण कानून का सफर काफी लंबा रहा, जैसा कि मेरी सहयोगी सूर्या पिल्लई ने इस विषय पर कुछ दिन पहले बहुत बढ़िया लिखा था। सच तो यह है कि 2008 में कांग्रेस नीत यूपीए ने ही संसद में महिला आरक्षण विधेयक राज्यसभा में पेश किया था, और सुनिश्चित किया कि 2010 में पास हो जाए, राज्य सभा में भी, ताकि यह 'लैप्स' न हो (तय अवधि में पास होना अनिवार्य है, परंतु जब कोई कानून राज्यसभा में पास हो जाए, तब 'लैप्स' नहीं होता)। कांग्रेस को अहसास था कि महिला आरक्षण बिल पर उसकी अपनी यूपीए बंटी हुई है (आरजेडी नेता शरद यादव ने 'पर कटी महिलाएं' जैसा कटाक्ष किया था और समाजवादी पार्टी के नेता मुलायम सिंह यादव ने तो यह तक कह डाला कि अगर संसद महिला आरक्षण कानून पास कर देगी तो यह उन महिलाओं के लिए दरवाजे खोल देगा 'जिन पर फब्ती कसी जाती और सीटियां बजती हैं', ये बिल पर आपसी मतभेद दर्शाता है), जिसका मतलब था कि उसके पास अपने समय की लोकसभाओं में इसे पास करा लेने को कभी भी पर्याप्त संख्या नहीं रही, लिहाजा उन्होंने दूसरा बेहतर विकल्प चुना। कांग्रेस के जोर देने पर मोदी सरकार ने 2023 में यह काम आगे बढ़ाया और सुधार करने के बाद कानून पास किया गया। इसीलिए 2023 में, कांग्रेस और बाकी विपक्ष ने, नारी शक्ति वंदन अधिनियम को एकमत से पास कराने में भाजपा का साथ दिया। और 2026 के बिल में भी यही संदेश मिलना चाहिए था- आम सहमति। जिस प्रकार 2023 में पूरी संसद इस मुद्दे पर सर्वसम्मत थी- केवल दो सांसदों ने बिल के खिलाफ़ वोट दिया था- संसद में 33 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने के समर्थन में। इस बार प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और शेष वरिष्ठ भाजपा नेतृत्व को चाहिए था कि विपक्ष को बुलाकर महिला आरक्षण बिल पर उनका समर्थन मांगते। यह भी हो सकता था कि एक संयुक्त संसदीय समिति या कोई विशेष समिति, जिसमें सभी दलों के प्रतिनिधि होते, इस कानून की तमाम धाराओं पर बारीकी से बहस करते -मसलन, क्या इसमें अन्य पिछड़ी जातियों और दलित महिलाओं के लिए 'कोटे के अंदर कोटा' होगा?- और एक बार आम सहमति बन जाने के बाद, नया कानून और उसे लागू करने की रूपरेखा को सदन में रखा जाता। बदकिस्मती से, न तो आम सहमति बनानी चाही और न ही हासिल की जा सकी क्योंकि कोई संवाद नहीं हुआ। इन दिनों संसद इस कदर बंटी हुई है कि सांसद एक-दूसरे से अपमानजनक रूप से बोल रहे हैं, इसके लिए एक बड़े दिल वाले और छोटे अहम वाले नेता की ज़रूरत है, जो छोटी-मोटी बातों और चालबाजियों को भुलाकर दूसरे पक्ष से मेल-मिलाप रखे और संवाद करे। साफ है, महिला आरक्षण बिल का भी वही हाल हुआ है जो 2020 में तीन कृषि कानूनों का हुआ था। ठीक वैसे ही जिस प्रकार केंद्र को तीनों कानून वापस लेने पड़े, क्योंकि उन्हें लाने से पहले किसान संगठनों और राजनीतिक दलों के साथ बहुत कम संवाद या चर्चा की गई थी -शायद पंजाब के एक हिस्से में बतौर पायलट प्रोजेक्ट इन कृषि कानूनों का प्रयोग किया जा सकता था, जिससे दोनों पक्षों को कोई राह मिल जाती- उसी तरह सत्ता पक्ष महिला आरक्षण कानून पास कराने लायक संख्या नहीं जुटा पाया। प्रधानमंत्री लोकसभा में विपक्ष के नेता से कह सकते थे: 'आइए मिलकर इतिहास लिखें। अब समय आ गया है कि महिलाएं कम से कम एक-तिहाई आसमान छूएं। यूं तो देश की कुल आबादी में महिलाओं की गिनती 48-49 प्रतिशत है, लेकिन शुरुआत के लिए, उन्हें 33 फीसदी देते हैं'। इसपर विपक्ष के नेता का जवाब होता: 'हां, चलिए, हम साथ हैं'। दुर्भाग्यवश, मोदी, अमित शाह, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी और के. कनिमोझी अपनी-अपनी दलीलें देते रहे। संसद किस हद तक बदल गयी है, यह तब साफ हो गया जब प्रियंका गांधी-अमित शाह की एक-दो टिप्पणियां– जिन्हें पुराने दिनों में संसदीय बहस में सलीके से बात काटने और हाजिर जवाबी का आम तरीका माना जाता था– इस पर कुछ सांसद हंसने लगे, कुछ तो घबराए से भी। सत्ता और विपक्ष के बीच संवाद की कमी से संसद में महिलाओं के मुद्दे पर टकराव हो गया। एक और अहम बात यह कि शुक्रवार शाम को कानून में संवैधानिक संशोधन असफल रहने के 24 घंटे से भी कम समय पहले, सरकार ने गुरुवार देर शाम 2023 नारी शक्ति अधिनियम अधिसूचना जारी कर दी थी। इसका मतलब है कि कानून अभी सक्रिय है और इसे कभी भी लागू किया जा सकता है।

देश दुनीया से

इन्फ्लुएंसर संस्कृति और संस्कारों का संकट

आज का युग तकनीक का युग है, जहां सोशल मीडिया ने सूचना, मनोरंजन और अभिव्यक्ति को हमारी हथेली पर समेट लिया है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और टिकटॉक जैसे प्लेटफॉर्म्स ने दुनिया को छोटे-छोटे स्क्रीन्स में कैद कर दिया है। भारत में सोशल मीडिया यूजर्स की संख्या लगातार बढ़ रही है- 2025 तक युवा वर्ग में 83 प्रतिशत जेन-जेड खुद को कंटेंट क्रिएटर मानते हैं (यूट्यूब इंडिया रिपोर्ट)। इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग पर 2024 में 290 मिलियन डॉलर खर्च हुए, जो 16 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। लेकिन यह सुविधा कितनी खतरनाक साबित हो रही है? क्या हम अपने बच्चों को सही संस्कार दे पा रहे हैं, या उन्हें एक ऐसी आभासी दुनिया में अकेला छोड़ रहे हैं जहां वायरल होना ही जीवन का सबसे बड़ा लक्ष्य बन गया है। यह प्रश्न अब औपचारिक चिंता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संकट बन चुका है। इन्फ्लुएंसर संस्कृति ने युवाओं की सोच को पूरी तरह बदल दिया है। पहले सफलता का मतलब था परिश्रम, शिक्षा, नैतिकता और मेहनत। आज सफलता का पैमाना व्यूज, लाइक्स, फॉलोअर्स और ट्रेंडिंग है। युवा सोचते हैं कि एक वायरल रील या प्रैंक उन्हें रातोंरात स्टार बना देगा। परिणामस्वरूप, भद्दे प्रैंक्स, अश्लील कंटेंट, विवादास्पद बयान और झूठी खबरों की बाढ़ आ गई है। मनोरंजन के नाम पर जो कुछ प्रस्तुत किया जा रहा है, वह समाज के नैतिक ताने-बाने को कमजोर कर रहा है। 14-16 वर्ष के बच्चों में 76 प्रतिशत सोशल मीडिया का उपयोग मनोरंजन के लिए करते हैं, जबकि शिक्षा के लिए केवल 57 प्रतिशत (सरकारी सर्वे 2024)। यह असंतुलन युवाओं को सस्ती लोकप्रियता की होड़ में धकेल रहा है। हिमाचल प्रदेश की यूट्यूबर इशिता पुंडीर का हालिया मामला इसका जीता-जागता उदाहरण है। अप्रैल 2026 में उन्होंने भारतीय सेना के जवानों की पत्नियों-गर्लफ्रेंड्स के प्रति निष्ठा पर अमर्यादित टिप्पणी की। 'आर्मी वाले अपनी बीवी या गर्लफ्रेंड के प्रति वफादार नहीं होते', जैसी बात कहकर उन्होंने लाखों फॉलोअर्स वाले अपने प्लेटफॉर्म पर वीडियो पोस्ट किया। इस पर भारी आक्रोश हुआ, एफआईआर दर्ज हुई और इशिता को माफी मांगनी पड़ी। यह केवल एक घटना नहीं, बल्कि इन्फ्लुएंसर संस्कृति

की बीमारी का प्रतीक है, जिसमें प्रसिद्धि के लिए किसी भी सीमा को लांघा जा सकता है। युवा देखते हैं कि विवाद खड़ा करके ट्रेंडिंग पर आना आसान है, तो नैतिकता की चिंता क्यों करें? इसी तरह, प्रैंक्स और रील्स की होड़ मनोरंजन की सीमा पार कर चुकी है। किसी को डराना, अपमानित करना, भावनाओं से खेलना- इसे हास्य नहीं माना जा सकता। बच्चे और किशोर जब ऐसे कंटेंट देखते हैं, तो इसे सामान्य व्यवहार समझने लगते हैं। इससे आक्रामकता बढ़ती है। हिमाचल के सरकाघाट (मंडी जिले) में 19 वर्षीय सिया गुलेरिया की दुखद हत्या इसका उदाहरण है। अप्रैल 2026 में एक युवक ने सिकल से उनका गला काट दिया। यह घटना केवल एक अपराध नहीं, बल्कि उस मानसिकता का प्रतिबिंब है जो सोशल मीडिया पर लगातार हिंसक, उग्र और असंवेदनशील कंटेंट से पनप रही है। हेट स्पीच, गाली-गलौज और साइबर बुलिंग अब रोजमर्रा की बात हो गई है। अध्ययनों से पता चलता है कि सोशल मीडिया पर तीन घंटे से ज्यादा समय बिताने वाले युवाओं में डिप्रेशन और एंग्जायटी का खतरा दोगुना हो जाता है। समाज में बढ़ती असहिष्णुता, आक्रामकता और भावनात्मक असंतुलन इसी का परिणाम है। बच्चों के संस्कार उनके वातावरण से बनते हैं। पहले घर में नैतिक शिक्षा, अनुशासन, बड़ों का सम्मान और संवाद होता था। आज हर घर में मोबाइल है, हर सदस्य अपनी स्क्रीन में खोया है। पारिवारिक संवाद लगभग समाप्त हो चुका है। अभिभावकों की भूमिका अब और महत्वपूर्ण हो गई है। बच्चों को मोबाइल के हवाले कर देना घातक है। उन्हें समझाना जरूरी है कि क्या सही है और क्या गलत। माता-पिता को बच्चों के साथ समय बिताना चाहिए, उनकी बात सुननी चाहिए और डिजिटल लिटरेसी सिखानी चाहिए। स्क्रीन टाइम सीमित करना, ऑफलाइन गतिविधियां बढ़ाना और सकारात्मक आदर्श प्रस्तुत करना आज की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। शिक्षा प्रणाली को भी इस चुनौती का सामना करना होगा। स्कूल केवल किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण का केंद्र हैं। पाठ्यक्रम में डिजिटल नैतिकता, साइबर सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य को शामिल करना चाहिए। शिक्षकों का सम्मान लौटाना आवश्यक है, क्योंकि वे समाज के सच्चे मार्गदर्शक हैं। पुस्तकों की ओर बच्चों को प्रेरित करना भी जरूरी है, क्योंकि सच्चा ज्ञान स्क्रीन से नहीं, किताबों से मिलता है। अध्ययनों में पाया गया है कि सोशल मीडिया की वजह से छात्रों का ध्यान भटकता है, नींद कम होती है और अकादमिक प्रदर्शन गिरता है। हिमाचल प्रदेश जैसे शांत राज्य में भी नशे की समस्या बढ़ रही है। 2025 के पहले तीन महीनों में 597 एनडीपीएस मामले दर्ज हुए, 29 प्रतिशत की वृद्धि। जेलों में 40-45 प्रतिशत कैदी नशीले पदार्थों से संबंधित हैं। 'चिट्टा' (हेरोइन) जैसी सिंथेटिक ड्रग्स युवाओं को बर्बाद कर रही हैं। सोशल मीडिया पर नशे को आकर्षक लाइफस्टाइल दिखाया जाता है, जो युवाओं को प्रभावित करता है। यह सामाजिक चेतना की कमी का प्रमाण है। दुनिया के कई देशों ने इस संकट को पहचाना और सख्त कदम उठाए। चीन ने इन्फ्लुएंसर्स पर कड़ा नियंत्रण लगाया, फाइनेंस, हेल्थ, लॉ जैसी संवेदनशील विषयों पर बोलने के लिए डिग्री या प्रमाणपत्र अनिवार्य कर दिया। अयोग्य कंटेंट पर खाते बंद किए गए। ऑस्ट्रेलिया ने दिसंबर 2025 से 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया- प्लेटफॉर्म्स पर भारी जुर्माना। ब्रिटेन भी इसी दिशा में कानून बना रहा है। यूएई में भ्रामक कंटेंट पर सख्त सजा है। ये उदाहरण साबित करते हैं कि इच्छाशक्ति हो तो सोशल मीडिया के दुरुपयोग को रोका जा सकता है। भारत में भी तत्काल कार्रवाई जरूरी है। अश्लीलता, हिंसा, नशा या घृणा फैलाने वाले इन्फ्लुएंसर्स के खातों को ब्लॉक करना चाहिए। आईटी एक्ट को और मजबूत बनाकर सख्त कानून लागू हों। समाज को मिलकर सकारात्मक कंटेंट प्रोत्साहित करना चाहिए।

आप का नजरीया

बिगड़ता लेखा-जोखा

अभी हिमाचल के शिमला विश्वविद्यालय का वार्षिक खर्चा सामने आया तो लेखा-जोखा बताता है कि इसे चलाने के लिए एक साल में तकरीबन 341 करोड़ चाहिएं। अब इसमें कितना अनुदान और कितना छात्रों का योगदान है, यह तो हम सोचते नहीं। कई अन्य विश्वविद्यालय भी बूढ़ी अम्मा बन के रूठे हैं। पालमपुर के कृषि विश्वविद्यालय की औकात यह कि वेतन-पेंशन की ही देनदारी 110 करोड़ पहुंच गई। सोलन में बागबानी विश्वविद्यालय के अलग तरह के ठाठ हैं, तो किस्मत की फकीरी में मंडी यूनिवर्सिटी भी पत्ता-पत्ता, बूटा-बूटा गिन रही है। यानी इन चारों विश्वविद्यालय को चलाने के लिए हजार करोड़ तो चाहिएं और अगर मेडिकल कालेजों की फेहरिस्त को भी समेट लीजिए तो करीब इतना ही और धन मटके में चाहिए ताकि सरकारों के लटके-झटके कायम रहें। इसलिए पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल जब कहते हैं कि सरकारों को जनता की हर ख्वाहिश को अमल में लाने से पहले कसौटी पर सोचना होगा। अब मुसीबत यह कि छात्र संख्या के आधार पर कई स्कूलों को अपना बोरिया बिस्तर गोल करना पड़ रहा है, लेकिन इस पर भी सियासत का मूड विद्रोही हो जाता है। जमा दो स्कूलों में सारे विषयों की हिफाजत करते हुए जितने मास्टर जी चाहिएं, उतने बटोरते-बटोरते बजट बूढ़ा हो जाता है। ऐसा एक घाटे का मॉडल भी विजयी होता है क्योंकि विधायक महोदय को खालिस होर्डिंग चाहिए, जो जिक्र करे। अमूमन सौ-एक सौ बीस संख्या के सरकारी जमा दो स्कूलों में चौदह से सौलह तक लेक्चरर होते हैं और इस तरह के बजटीय आबंटन में हर महीने चाहिएं बीस से पच्चीस लाख। वैसे सरकार की एक इलेक्ट्रिक बस भी पौने दो करोड़ की आ रही है, तो यह मजमा है मेरे भाई, जितना चाहो सजा लो। किसी को कहां याद रहता है कि हर सरकार को अब कितने स्कूल-कालेज बंद करने पड़ेंगे या पर्यटन विकास निगम के होटल लीज पर बाहर निकालने पड़ेंगे। गनीमत यह है कि सरकारें निकम्मे होटलों की फेहरिस्त में भी नए परिसर बनाना जानती हैं। बनते रहे हैं, अब भी बन रहे हैं। ध्यान रखें जहां सरकारी होटल बन रहा होगा, वहां का नेता बड़े ही प्रभाव वाला होगा। आखिर जनता की मांग है, जो हाकिमों को मालूम है। ऐसे में एक लाख करोड़ तक पहुंचे ऋण की सफेद आलोचना करने के बजाय यह सोचें कि ऋण आखिर कर क्या रहा है। हमने इसे भी कलाकार मान लिया है या आलोचना का त्योहार बना दिया। एक निकम्मे स्कूल को अगर बंद करके 25 लाख बचा दें, तो ऐसे अनेक नासूर खोजने होंगे। इसी तरह कालेज और अनावश्यक विश्वविद्यालय व मेडिकल कालेज हिमाचल की मिट्टी को कर्ज में डुबो रहे हैं। हिमाचल की संपूर्णता में विकास चाहिए, लेकिन ख्वाहिशों के पतंग हर आसमान पर नहीं चाहिएं। कभी सरकारी संस्थान नौकरी का जरिया बने,, लेकिन अब यही हमारी आर्थिकी का प्रस्थान करवा रहे हैं। आश्चर्य यह कि हमने पढ़ाई की पाठशाला में तो पूरा ध्यान लगाया, मगर रोजगार के ढांचे पर गौर नहीं फरमाया। अगर आधा दर्जन ट्रांसपोर्ट नगर, आधा दर्जन आईटी पार्क, हर गांव से शहर तक निवेश केंद्र और बाजार विकसित किए होते, तो हमारे संसाधन रोजगार पैदा करते। तस्वीर का दूसरा पहलू यह कि हिमाचल प्रवासी मजदूरों, रेहड़ी पर विक्रेताओं, मैकेनिक तथा हुनरबाजों का प्रदर्शनी मैदान बन गया। कभी गौर करना आपके गांव और शहर से कितना रोजगार निर्यात हो रहा है। बेशक आर्थिकी बढ़ रही है, लेकिन हजारों करोड़ के धंधे बाहर के लिए बिक रहे हैं और हालत यह कि अब सिड्डू की रेहड़ी भी प्रवासी लगाते हैं। कहां हैं हमारे पालिटेक्नीक संस्थान और कहां जा रहा है औद्योगिक, पर्यटन व नवनिर्माण से जुड़ा रोजगार। ऐसे में स्कूलों-कालेजों के बजाय रोजगार पैदा करने वाली अधोसंरचना चाहिए।

सोलन में बागबानी विश्वविद्यालय के अलग तरह के ठाठ हैं, तो किस्मत की फकीरी में मंडी यूनिवर्सिटी भी पत्ता-पत्ता, बूटा-बूटा गिन रही है। यानी इन चारों विश्वविद्यालय को चलाने के लिए हजार करोड़ तो चाहिएं और अगर मेडिकल कालेजों की फेहरिस्त को भी समेट लीजिए तो करीब इतना ही और धन मटके में चाहिए ताकि सरकारों के लटके-झटके कायम रहें। इसलिए पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल जब कहते हैं कि सरकारों को जनता की हर ख्वाहिश को अमल में लाने से पहले कसौटी पर सोचना होगा। अब मुसीबत यह कि छात्र संख्या के आधार पर कई स्कूलों को अपना बोरिया बिस्तर गोल करना पड़ रहा है, लेकिन इस पर भी सियासत का मूड विद्रोही हो जाता है। जमा दो स्कूलों में सारे विषयों की हिफाजत करते हुए जितने मास्टर जी चाहिएं, उतने बटोरते-बटोरते बजट बूढ़ा हो जाता है। ऐसा एक घाटे का मॉडल भी विजयी होता है क्योंकि विधायक महोदय को खालिस होर्डिंग चाहिए, जो जिक्र करे। अमूमन सौ-एक सौ बीस संख्या के सरकारी जमा दो स्कूलों में चौदह से सौलह तक लेक्चरर होते हैं और इस तरह के बजटीय आबंटन में हर महीने चाहिएं बीस से पच्चीस लाख। वैसे सरकार की एक इलेक्ट्रिक बस भी पौने दो करोड़ की आ रही है, तो यह मजमा है मेरे भाई, जितना चाहो सजा लो। किसी को कहां याद रहता है कि हर सरकार को अब कितने स्कूल-कालेज बंद करने पड़ेंगे या पर्यटन विकास निगम के होटल लीज पर बाहर निकालने पड़ेंगे। गनीमत यह है कि सरकारें निकम्मे होटलों की फेहरिस्त में भी नए परिसर बनाना जानती हैं।

दृष्टि कोण

अब भारत में बढ़ी महंगाई की चुनौती

यकीनन इस समय पश्चिमी एशिया में संघर्ष का असर भारत में महंगाई बढ़ने के रूप में भी दिखाई देने लगा है। कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि, माल ढुलाई के महंगा होने और तेल आपूर्ति बाधाओं के कारण दुनिया के साथ-साथ भारत में भी महंगाई बढ़ रही है। यद्यपि भारत में महंगाई अमरीका सहित दुनिया के अधिकांश देशों में तेजी से बढ़ती हुई महंगाई से बहुत कम है, लेकिन इस महंगाई का भारत की आर्थिकी और आम आदमी पर असर दिखाई देने लगा है। हाल ही में 13 अप्रैल को सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार मार्च 2026 में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 3.4 प्रतिशत हो गई, जो फरवरी में 3.21 प्रतिशत थी। ग्रामीण क्षेत्रों में खुदरा महंगाई दर 3.63 प्रतिशत दर्ज की गई, जबकि शहरी क्षेत्रों में खुदरा महंगाई दर 3.11 प्रतिशत रिकॉर्ड की गई है। इसी प्रकार 15 अप्रैल को जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार मार्च 2026 में थोक महंगाई दर बढ़कर 3.88 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई। यह फरवरी माह में 2.13 प्रतिशत के स्तर पर थी। स्थिति यह है कि थोक मूल्य की यह महंगाई 38 महीने के उच्चतम स्तर पर है। निःसंदेह खाड़ी देशों से आयातित कच्चे माल के महंगे होने और ईंधन, बिजली व गैस की कीमतों में वृद्धि से आम आदमी के जीवन से जुड़ी वस्तुएं, रसोई से लेकर कपड़े और घरेलू उपकरण आदि महंगे हुए हैं। खास तौर से आयातित पेट्रोकेमिकल से जुड़े कच्चा माल के महंगे होने से पेंट सहित विभिन्न उत्पादों की कीमतें अधिक बढ़ी हैं। साबुन, पेस्ट, बिस्किट जैसे एफएमसीजी प्रोडक्ट्स बनाने वाली कई कंपनियां पैकेट छोटे करने की रणनीति पर भी आगे बढ़ी हैं। इतना ही नहीं, देश में महंगाई बढ़ने की एक नई चिंता यह भी है कि हाल ही में 13 अप्रैल को भारतीय मौसम विभाग ने अल नीनो के कारण 2026 में सामान्य से कम मॉनसून का अनुमान लगाया है, जिससे कृषि उत्पादन और खाद्य कीमतों पर असर पड़ सकता है। गौरतलब है कि भारतीय मौसम विभाग ने वर्ष 2023 के बाद पहली बार बारिश के दीर्घकालिक औसत (एलपीए) के 92

प्रतिशत रहने की संभावना बताई है। यह पूर्वानुमान 5 फीसदी अधिक या कम की मॉडल त्रुटि के साथ जारी किया गया है। यद्यपि पिछले आंकड़े बताते हैं कि सामान्य से कम मॉनसून वाले वर्षों में जब बारिश का समय, वितरण और फैलाव समान रहा तब खरीफ का उत्पादन कम नहीं हुआ, किन्तु गैर-सिंचित क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर उगाई जाने वाली दलहन और तिलहन जैसी फसलों के लिए जोखिम हो सकती है। साथ ही दलहन और तिलहन का कम उत्पादन खाद्य मुद्रास्फीति पर असर डाल सकता है। ऐसे में महंगाई नियंत्रण के लिए राहत और सुधारों को तेजी से लागू करने की बहुआयामी रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। यह उल्लेखनीय है कि हाल ही में वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों व वैश्विक संगठनों की रिपोर्टों में अमरीका और ईरान के बीच टकराव के लंबा खींचने पर भारत की विकास दर में कमी और महंगाई के बढ़ने के अनुमान प्रस्तुत किए गए हैं। वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि पश्चिम एशिया में युद्ध और ऊर्जा कीमतों व आपूर्ति बाधाओं के कारण भारत में विकास दर धीमी हो सकती है और महंगाई बढ़ सकती है। मूडीज रेटिंग्स ने भारत की विकास दर के अनुमान को घटाते हुए चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 6 प्रतिशत कर दिया, जो पहले 6.8 प्रतिशत आंका गया था। मूडीज ने चालू वित्त वर्ष में औसत महंगाई दर 4.8 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया, जो 2025-26 के 2.4 प्रतिशत से अधिक है। ऐसे में महंगाई दर के भारतीय रिजर्व बैंक के द्वारा निर्धारित चार प्रतिशत के लक्ष्य दायरे से ऊपर जाना चुनौतीपूर्ण होगा।

रिफाइनरी से बड़े पैमाने पर मिलेंगे रोजगार के अवसर : सीएस

जोधपुर (हिंस)। प्रदेश के मुख्य सचिव सी. श्रीनिवासन आज जोधपुर दौरे पर सर्किट हाउस पहुंचे, जहां उन्होंने अधिकारियों के साथ संक्षिप्त बैठक कर विभिन्न प्रशासनिक विषयों पर चर्चा की। इस दौरान उनको सर्किट हाउस में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि आने वाला दिन राजस्थान के लिए ऐतिहासिक साबित होगा। उन्होंने जानकारी दी कि पचपदरा में स्थित एचपीसीएल रिफाइनरी का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया जाएगा। मुख्य सचिव के अनुसार, इस रिफाइनरी परियोजना से प्रदेश में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। करीब 30 हजार लोगों को सीधे रोजगार मिलेगा, जबकि लगभग एक लाख लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलने की संभावना है। उन्होंने यह भी बताया कि पचपदरा रिफाइनरी परिसर में 12 कंपनियों के साथ उनके आउटलेट स्थापित करने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिससे औद्योगिक विकास को और गति मिलेगी।

जन आक्रोश महिला मार्च में एनडीए की महिलाओं ने एक स्वर में कहा

हम अपना अधिकार लेकर रहेंगे

पटना (हिंस)। लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक (131वां संशोधन) पारित न होने के विरोध में भाजपा की ओर से बिहार की राजधानी पटना में *जन आक्रोश महिला मार्च* निकाला गया। इसके बाद पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में जन आक्रोश महिला सम्मेलन के जरिए एनडीए की महिला नेत्रियों ने विपक्ष को साफ संदेश दे दिया कि यह आक्रोश सिर्फ पटना में नहीं बल्कि घर-घर पहुंचेगा और दिखेगा। इस आक्रोश मार्च में शामिल होने के लिए पटना के गांधी मैदान स्थित कारगिल चौक पर लाखों की संख्या में महिलाएं एकत्रित हुई हैं। इस दौरान महिलाओं ने हाथों में तख्तियां थीं, जिसमें विधेयक को लेकर बातें लिखी गई थीं। वहीं, एक महिला ने अपने आपको बेड़ियों में कैद करके एक अनोखा प्रदर्शन किया। भाजपा नेत्री और बिहार सरकार की पूर्व मंत्री श्रेयसी सिंह ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम पूरे भारत की महिलाओं के लिए एक खुशी का पल लेकर आया। 17 अप्रैल को सदन में बिल नहीं गिरा बल्कि नारियों की आंखों में इंडी गठबंधन के नेताओं का सम्मान गिरा है। उन्होंने कहा कि विपक्ष मंच पर आधी आबादी का नारा बुलंद करते हैं और आप चुनावों से पहले महिलाओं को लेकर लोकलुभावने वादे करते हैं। लेकिन जब

महिला की राजनीतिक भागीदारी की बात आती है तो बिल पारित नहीं होने देते हैं। मेज और ताली बजाकर मुस्कुराते हुए, जश्न मनाते हैं कि हमने हमारी नारी का सम्मान नहीं होने दिया। यह पूरे देश की महिलाओं का अपमान है। जदयू की नेत्री और पूर्व मंत्री लेसी सिंह ने कहा कि राहुल गांधी के इशारे पर और उनके सहयोगी विपक्षी दल ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम बिल को रोक कर देश की महिलाओं के अधिकार को छीनने का काम किया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के मन और नीति में खोट है। कांग्रेस, राजद नहीं चाहते हैं कि देश की महिलाओं को नेतृत्व का अवसर मिले, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार समाज के अंतिम और वंचित महिलाओं को आगे लाना चाहते हैं। आरक्षण विधेयक को लेकर विपक्ष ने घिनौना काम किया है। पूर्व मंत्री रेणु देवी ने कहा कि विपक्ष का दोहरा चरित्र बेनकाब हो गया है। उनके अपने परिवार के सदस्य, चाहे वे कांग्रेस से हों या राजद से, लोकसभा तक पहुंच गए हैं, लेकिन गांवों की गरीब और शोषित महिलाओं को, जिनमें दलित, आदिवासी और पिछड़े समुदाय की महिलाएं भी शामिल हैं, उन्हें अवसर नहीं दिए गए। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी महिला होते हुए भी बिल को रोकने का काम किया है। इसको लेकर न केवल बिहार की बल्कि देश की महिलाएं उग्र हैं और देश भर में आक्रोश मार्च निकाला जा रहा है? उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में अनेक कदम उठाए हैं। इस संशोधन से निश्चित रूप से इस देश की महिलाओं को उनके अधिकार मिलते, लेकिन विपक्ष ने जिस तरह से रवैया संसद में अपनाया, यह बिल पारित नहीं होने दिया। देश की महिलाएं कभी माफ नहीं करेंगी। हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा की विधायक ज्योति देवी ने कहा कि विपक्ष ने महिलाओं की ताकत को कम करने का काम किया है। विपक्ष की कभी सोच नहीं रही कि वे महिलाओं को आगे बढ़ा सकें। उन्होंने साफ लहजे में कहा कि इस बिल का पारित न होना देश की सरकार की नहीं, सभी महिलाओं का अपमान है। उन्होंने सीधे तौर पर राजद को निशाने पर लेते हुए कहा कि उन्हें क्या पता कि महिलाओं का सम्मान क्या होता है? उनकी पहचान ही नारियों के अपमान करने के लिए होती है।

लखीमपुर खीरी में 16 केंद्रों पर 25 से 27 अप्रैल तक होगी होमगार्ड परीक्षा, सीडीओ ने ली बैठक

लखीमपुर खीरी (हिंस)। उत्तर प्रदेश के जनपद लखीमपुर खीरी में होने वाली उप्र होमगार्ड भर्ती की परीक्षा 16 परीक्षा केंद्रों पर 25, 26 एवं 27 अप्रैल को दो-दो पालियों में परीक्षा आयोजित होगी। परीक्षा को शांतिपूर्ण, पारदर्शी एवं नकलविहीन संपन्न कराने के लिए सोमवार को अटल सभागार में मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) अभिषेक कुमार की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में परीक्षा की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए सीडीओ अभिषेक कुमार ने सभी केंद्र व्यवस्थापकों एवं मजिस्ट्रेटों को उनके दायित्वों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों के लिए पेयजल, बिजली, बैठने की व्यवस्था सहित सभी मूलभूत सुविधाएं समय से पूर्ण कर ली जाएं। सीडीओ ने सख्त लहजे में कहा कि परीक्षा संचालन से जुड़े नियमों का सभी अधिकारी गहन अध्ययन कर लें और किसी भी स्तर पर शिथिलता या लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि परीक्षा की शुचिता सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की चूक पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। बैठक में परीक्षा के नोडल अधिकारी अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) ब्रजपाल सिंह, नोडल अधिकारी (पुलिस)/एएसपी पूर्वी पवन गौतम, सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता, डीआईओएस विनोद कुमार मिश्र, स्टैटिक ओर सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं केंद्र व्यवस्थापक शामिल हुए।

जयपुर की सड़कों पर उमड़ा नारी शक्ति का जनसैलाब

नारी शक्ति वंदन के विरोध पर विपक्ष को घेरा

जयपुर (हिंस)। राजधानी जयपुर में सोमवार को भाजपा महिला मोर्चा की ओर से आयोजित *जन आक्रोश महिला पदयात्रा* के जरिए भाजपा ने शक्ति प्रदर्शन किया। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के विरोध को लेकर विपक्षी दलों के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए हजारों महिलाओं ने भाजपा कार्यालय से शहीद स्मारक तक पदयात्रा निकाली। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने हरी झंडी दिखाकर इस पदयात्रा को रवाना किया। पदयात्रा से पूर्व आयोजित सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कांग्रेस और विपक्षी दलों पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा, 17 अप्रैल एक ऐतिहासिक दिन बनने वाला था, लेकिन विपक्ष ने अपनी संकीर्ण मानसिकता से इसे काला पृष्ठ बना दिया। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि 70 साल तक शासन करने वालों ने महिलाओं को केवल वोट बैंक समझा। उन्होंने कहा कि विपक्ष को डर

है कि यदि सामान्य परिवारों की महिलाएं आगे बढ़ेंगी, तो उनका *परिवारवाद* और वर्चस्व समाप्त हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 के बाद देश में मातृशक्ति के सशक्तिकरण के लिए अभूतपूर्व काम हुआ है। उन्होंने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, उज्ज्वला योजना, लखपति दीदी और जनधन खातों जैसे कार्यक्रमों को महिला उत्थान का आधार बताया। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विरोध करने पर कांग्रेस को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक का विरोध करना देश की आधी आबादी के साथ अन्याय है। जागरूक महिलाएं इस अपमान को याद रखेंगी और आने वाले चुनावों में इसका करारा जवाब देंगी। दीया कुमारी ने स्वयं भी पदयात्रा में शामिल होकर कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया। जयपुर शहर सांसद मंजू शर्मा ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम विधेयक केवल एक कानूनी प्रावधान नहीं है, बल्कि भारत की आधी आबादी का पूरा हक है। महिलाओं के इस हक को कांग्रेस सहित सभी विपक्षी दलों ने दबाने का काम किया है। इससे कांग्रेसियों का महिलाओं के प्रति दोगला व्यवहार, चरित्र उजागर हो गया। संसद में यह संशोधन सर्वसम्मति से पारित होता, तो देश की नारीशक्ति और सशक्त होतीर देश का लोकतंत्र और सशक्त होता। जन आक्रोश महिला पदयात्रा से पूर्व आयोजित सम्मेलन में मंच संचालित करते हुए महिला मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष राखी राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री के नेतृत्व में यह आंदोलन निरंतर जारी रहेगा और महिलाओं के सम्मान के लिए, संघर्ष किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आम महिलाओं और बहनों को विश्वास दिलाया है कि उनका हक वे दिलाकर रहेंगे। राखी राठौड़ ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विरोध करने वालों ने आज यह साबित कर दिया है कि उनकी कथनी और करनी में जमीन-आसमान का अंतर है। दशकों तक जिस बिल को *अटकाया, लटकाया और भटकाया* गया, उसे जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी धरातल पर उतारने का संकल्प ले चुके हैं, तब विपक्ष का दोहरा चेहरा फिर से बेनकाब हो गया है। महिलाओं को सिर्फ *वोट बैंक* समझने वाली ताकतों को अब यह जान लेना चाहिए कि देश की नारी जाग चुकी है और वह अपने सम्मान तथा राजनीतिक भागीदारी के रास्ते में आने वाले हर रोड़े का हिसाब लेगी। इस दौरान कैबिनेट मंत्री मंजू बाघमार, प्रदेश उपाध्यक्ष ज्योति मिर्धा, अल्का मूंदड़ा, सरिता गैना, प्रदेश मंत्री एकता अग्रवाल, प्रदेश प्रवक्ता स्टेफी चौहान, जिला प्रमुख रमा चौपड़ा, महिला आयोग पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा ने भी आक्रोश सम्मेलन को संबोधित किया और विपक्ष पर जमकर प्रहार किया।

जनगणना की महत्वपूर्ण इकाई हैं फील्ड ट्रेनर्स

प्रत्येक दिशा-निर्देश को अक्षरश समझें : निशांत जैन

बीकानेर (हिंस)। जनगणना-2027 के लिए फील्ड ट्रेनर्स के दूसरे बैच का प्रशिक्षण सोमवार को राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के फैकल्टी हाउस सभागार में शुरू हुआ। प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए जिला कलेक्टर तथा मुख्य जनगणना अधिकारी निशांत जैन ने कहा कि फील्ड ट्रेनर्स, समूची जनगणना प्रक्रिया की महत्वपूर्ण इकाई हैं। वे जनगणना से जुड़े प्रत्येक दिशा-निर्देश को अक्षरशः समझें तथा प्रगणकों और सुपरवाइजर्स तक इनकी संपूर्ण जानकारी उपलब्ध करवाएं। उन्होंने कहा कि जनगणना राष्ट्रीय महत्व का कार्य है। इसके आधार पर भविष्य की योजनाओं और कार्यक्रमों का निर्धारण होता है, जो कि देश के विकास का *रोड मैप* तैयार करता है। इस महत्वपूर्ण कार्य में किसी स्तर पर शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके मद्देनजर प्रत्येक फील्ड ट्रेनर्स, अपनी जिम्मेदारी समझें और *टीम भावना* के साथ कार्य करते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास करें। उन्होंने बताया कि जनगणना के पहले चरण में एक से 15 मई तक स्वगणना होगी तथा 16 मई से 14 जून तक प्रगणक और सुपरवाइजर घर-घर जाकर डाटा एकत्र करेंगे। उन्होंने सभी फील्ड ट्रेनर्स को निर्देश दिए कि तीन दिवसीय प्रशिक्षण पूर्ण गंभीरता से प्राप्त करें तथा प्रत्येक प्रगणक-सुपरवाइजर का जानकारी निचले स्तर तक पहुंचाएं। जिला जनगणना अधिकारी तथा अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन) सुरेश कुमार यादव ने कहा कि राष्ट्रीय महत्व के इस कार्य में सभी अपना सकारात्मक योगदान दें। उन्होंने बताया कि जिले के 64 तथा नगर निगम क्षेत्र के 20 सहित कुल 84 फील्ड ट्रेनर्स को चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह फील्ड ट्रेनर्स शीघ्र ही सुपरवाइजर्स और प्रगणकों को प्रशिक्षण देंगे। इस दौरान मास्टर ट्रेनर डॉ. विपिन सैनी, डॉ. वाईबी माथुर और नीरज यादव ने विभिन्न सत्रों में फील्ड ट्रेनर्स को प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम में प्रशिक्षण के दौरान सांख्यिकी विभाग के संयुक्त निदेशक तथा उप जनगणना अधिकारी श्री धर्मपाल सिंह खीचड़ सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कांग्रेस ने हमेशा महिलाओं की तरक्की का किया विरोध : डॉ. अग्रवाल

जोधपुर (हिंस)। भाजपा के प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सदस्य डॉ. राधा मोहन अग्रवाल ने कहा है कि कांग्रेस ने हमेशा महिलाओं की तरक्की का विरोध किया है। देश की आजादी में योगदान देने वाली महिलाओं को जब हक देने का समय आया तो उनको पीछे धकेल दिया। वे सोमवार को सर्किट हाउस में मीडिया से बात कर रहे थे। भाजपा प्रदेश प्रभारी ने कहा कि संसद में नारी शक्ति वंदन परिसीमन बिल को पारित नहीं होने दिया, लेकिन हम चुप नहीं बैठेंगे हम प्रयास करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि हमारे पास दो तिहाई बहुमत होता तो यह बिल भी पारित हो जाता। आगे परिस्थिति बनेगी तो ओबीसी आरक्षण की भी बात करेंगे। अग्रवाल से पूछा गया कि भारतीय जनता पार्टी अगला बिल कब लाएगी और उस बिल में क्या ओबीसी को भी आरक्षण दिया जाएगा? इस सवाल पर अग्रवाल ने कहा कि संसद में ओबीसी को आरक्षण देने का सबसे पहले विरोध राजीव गांधी ने किया था। देश में स्थानीय निकाय को लेकर जब संशोधन हुआ था उस समय ओबीसी को राजनीतिक आरक्षण दिया जा सकता था, लेकिन नहीं दिया। इसके बाद भी इनकी सरकार थी फिर भी नहीं दिया। आज राहुल गांधी और अन्य महिला आरक्षण बिल में ओबीसी के आरक्षण के नाम पर अड़ंगा लगा रहे। सबसे पहले उनको अपने पिता के संसद में दर्ज बयान का खंडन जारी करना चाहिए। आगे भविष्य में परिस्थिति बनेगी तो ओबीसी आरक्षण की बात करेंगे, लेकिन कांग्रेस को पहले किसने रोका था इसका जवाब देना चाहिए। पश्चिम बंगाल के चुनाव पर प्रधानमंत्री ने कहा कि बंगाल में खेला हो चुका है, सिर्फ परिणाम बाकी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में वो कला है कि वे लोगों के दिल में विश्वास बनाना और जीतना जानते हैं। यह केवल देश में लागू नहीं होता पूरी दुनिया में लागू होता है। प्रदेश प्रभारी ने कहा कि राजस्थान में शुरू होने वाली रिफाइनरी से प्रदेश को सालाना 5 से 6000 करोड़ की आय होगी। हजारों लोगों को रोजगार भी मिलेगा। प्रदेश में पंचायत चुनाव और निकाय चुनाव पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री इसको लेकर सजग हैं।

चंडीगढ़ के डॉ. आंबेडकर कॉलेज को बम से उड़ाने की धमकी

चंडीगढ़ (हिंस)। चंडीगढ़ के सेक्टर-42 स्थित डॉ. आंबेडकर कॉलेज को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सोमवार को हड़कंप मच गया। कंट्रोल रूम को मिले एक संदिग्ध मैसेज के बाद पुलिस तुरंत अलर्ट मोड में आ गई और कॉलेज परिसर में बड़े स्तर पर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक कंट्रोल रूम को एक मैसेज मिला था, जिसमें कॉलेज को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। सूचना मिलते ही चंडीगढ़ पुलिस, बम स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड की टीमें मौके पर पहुंच गईं। पूरे कॉलेज परिसर को घेरकर हर कोने की गहन तलाशी ली गई। एहतियात के तौर पर कॉलेज में मौजूद सभी छात्रों और स्टाफ को तुरंत सुरक्षित बाहर निकाला गया। साथ ही आने-जाने वाले लोगों की जांच भी सख्ती से शुरू कर दी गई, ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते टाला जा सके। पुलिस अधिकारियों के अनुसार सर्च ऑपरेशन के दौरान किसी भी तरह की संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है।

मध्य प्रदेश के हथियार तस्करी मॉड्यूल का अमृतसर में पर्दाफाश, छह पिस्तौलों समेत तीन गिरफ्तार

चंडीगढ़ (हिंस)। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने सरहद पार और मध्य प्रदेश आधारित गैर-कानूनी हथियार सप्लाई मॉड्यूल के तीन मुलजिमों को छह पिस्तौलों समेत गिरफ्तार किया है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने सोमवार को बताया कि गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान दीपक सिंह उर्फ दीपू (22) निवासी कश्मीर एवेन्यू, अमृतसर; अरुण कुमार उर्फ साबू (26) निवासी नारायणगढ़, अमृतसर और सुखजिंदर सिंह उर्फ सुखा (29) निवासी रेहाना जट्टां, कपूरथला के रूप में हुई है। बरामद की गई पिस्तौलों में एक .30 बोर पीएक्स5 पिस्तौल, तीन .32 बोर और दो .30 बोर पिस्तौलें समेत सात जिंदा कारतूस शामिल हैं। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता लगा है कि गिरफ्तार किए गए मुलजिम मध्य प्रदेश से गैर-कानूनी हथियार खरीदते थे। उन्होंने यह भी बताया कि उक्त आरोपी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से पाकिस्तान आधारित तस्करों के संपर्क में थे, जो सरहद पार से ड्रोन के जरिए भेजे गए गैर-कानूनी हथियारों को अपने स्थानीय हैंडलरों के माध्यम से क्षेत्र में सप्लाई कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह नेटवर्क माझा और दोआबा क्षेत्रों में सक्रिय रूप से काम कर रहा था। डीजीपी ने कहा कि इस मामले में आगे-पीछे के संबंध स्थापित करने के लिए और जांच की जा रही है ताकि पूरे नेटवर्क का पूर्ण रूप से खात्मा किया जा सके। ऑपरेशन संबंधी विवरण साझा करते हुए पुलिस कमिश्नर (सीपी) अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि पुख्ता जानकारी के आधार पर योजनाबद्ध ऑपरेशन के तहत पुलिस टीमों ने कार्रवाई करते हुए पहले दीपक उर्फ दीपू को एक पिस्तौल समेत गिरफ्तार किया और बाद में उसकी निशानदेही पर दो और पिस्तौलें बरामद की गईं। उन्होंने आगे बताया कि दीपक के खुलासे पर उसके दो अन्य साथी अरुण उर्फ साबू और सुखजिंदर उर्फ सुखा को भी गिरफ्तार किया गया और उनके कब्जे से तीन पिस्तौलें बरामद की गईं। सीपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से यह भी पता लगा है कि मुलजिमों ने ये गैर-कानूनी हथियार बड़ी आपराधिक वारदात को अंजाम देने के लिए खरीदे थे, जिसे पुलिस की मुस्तैद कार्रवाई ने सफलतापूर्वक टाल दिया है। उन्होंने आगे कहा कि मुलजिम दीपक उर्फ दीपू और अरुण उर्फ साबू की पहले भी इरादतन कत्ल, चोरी और अन्य गंभीर अपराधों से संबंधित मामलों में संलिप्तता है।

भारतीय किसान यूनियन ने अनाज मंडी गेट पर जड़ा ताला

जींद (हिंस)। नए फसल खरीद नियम के विरोध में सोमवार को को भारतीय किसान यूनियन ने दो घंटे के लिए अनाज मंडी गेट पर ताला जड़ कर रोष व्यक्त किया। इस दौरान फसल खरीद का कार्य भी प्रभावित हुआ। इस दौरान भाकियू कार्यकर्ताओं ने अनाज मंडी में धरना दिया और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। आंदोलनरत भाकियू कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जिला प्रधान बिंद्र नंबरदार, जिला प्रेस प्रवक्ता रामराजी ढुल पोंकरीखेड़ी व सतेंद्र कोथ ने कहा कि जब तक सरकार यह तुगलकी फरमान वापस नहीं लेती, तब तक हर रोज एक मंत्री या विधायक का पुतला दहन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बेमौसमी बारिश व ओलावृष्टि की मार से प्रदेश के किसानों को नुकसान हुआ है। जिसकी भरपाई के लिए किसानों को मुआवजा राशि देनी चाहिए। जब तक सरकार बायोमेट्रिक नियम को वापस नहीं लेती उनका आंदोलन जारी रहेगा।

प्रयागराज में दिव्यता के साथ निकली राष्ट्र हनुमंत कथा मंगल कलश यात्रा

जिन पर होती हनुमंत लाल की कृपा, उन पर हो जाती है सिया राम की कृपा : अरूण गोविल

प्रयागराज (हिंस)। प्रयाग उत्थान समिति की ओर से बाबा बागेश्वर धाम पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की हनुमंत कथा मंगल कलश यात्रा भव्यता के साथ सोमवार को निकाली गई। मंगल कलश यात्रा का शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य संयोजक एवं समिति के अध्यक्ष डॉ उदय प्रताप सिंह ने हनुमान जी की आरती और रामायण सीरियल के किरदार निभाने वाले राम सांसद अरूण गोविल, सीता दीपिका और लक्ष्मण सुनील लहरी का अभिनन्दन के साथ किया गया। इस अवसर पर सांसद अरुण गोविल ने सभी का अभिवादन करते हुए कहा कि जिन पर हनुमंत लाल की कृपा हो जाती है उन पर प्रभु सिया राम की कृपा हो जाती है। दीपिका चिकिलिया सीता और लक्ष्मण सुनील लहरी ने प्रयाग उत्थान की ओर से आयोजित बाबा बागेश्वर धाम पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की राष्ट्र हनुमंत कथा के भव्य आयोजन के लिए बधाई दी। इस अवसर पर हजारों की संख्या में महिलाएं पीत वस्त्र धारण कर जगत कल्याण के लिए कलश उठाया। यात्रा मार्ग में सामाजिक धार्मिक संगठन के कार्यकर्ताओं ने एवं व्यापारिक संगठनों के व्यापारियों ने मंगल

कलश यात्रा का स्वागत किया और पुष्प वर्षा करते हुए हनुमान जी महाराज और रामायण सीरियल के राम, सीता, लक्ष्मण की आरती की। समिति के उपाध्यक्ष एवं मीडिया प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने बताया कि मंगल कलश यात्रा में सतरंगी छटा में दिव्य हनुमान जी की झांकी, पुणे का धमाल, मृदंग, मेरठ का बैंड बाजा, 11 घोड़े पर सवार घुड़सवार, हनुमान जी, गणेश जी एवं दर्जनों शानदार झांकियां, शामिल रहीं। कलश यात्रा का शुभारंभ जमुना क्रिश्चियन इंटर कॉलेज से किया गया, जो गऊघाट पुलिस चौकी, मुट्ठीगंज छोटा चौराहा, मुट्ठीगंज बड़ा चौराहा, राम भवन चौराहा, सुलाकी चौराहा, मानसरोवर चौराहा, चंद्रलोक चौराहा होते हुए श्री पथरचट्टी रामलीला कमेटी के प्रांगण में हनुमान जी की दिव्य आरती के साथ संपन्न किया गया। इस अवसर पर महापौर गणेश केसरवानी, पूर्व पार्षद विजय वैश्य, पार्षद कुसुमलता गुप्ता, डॉ सुशील कुमार सिन्हा, उमेश चंद्र केसरवानी दादा एवं कृष्ण भगवान केसरवानी ने आरती की। मंगल कलश यात्रा का स्वागत किया और समिति के अध्यक्ष डॉ उदय प्रताप सिंह ने आए हुए सभी महिलाओं का और भक्तों के प्रति आभार व्यक्त किया। यात्रा का संचालन करते हुए महामंत्री अभिषेक ठाकुर ने बताया कि 21 अप्रैल को दोपहर 3 बजे अरैल माघ मेला क्षेत्र में बाबा बागेश्वर धाम पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की हनुमंत कथा का शुभारंभ किया जाएगा। मंगल कलश यात्रा की अगुवाई में धीरेंद्र प्रताप सिंह, विनय प्रताप सिंह, राजेश केसरवानी, शिवम अग्रहरी, रोशनी अग्रवाल, बब्लू पांडे, गोपालजी केसरवानी, प्रवीण केसरवानी, आलोक केसरवानी, शत्रुघ्न जायसवाल, अभिलाष केसरवानी, पार्षद रूद्रसेन जायसवाल, राकेश जायसवाल, निखिल पांडे, गगन दास गुप्ता, दुर्गा प्रसाद गुप्ता, सुमित केसरवानी अन्नू रहे।

गौ सम्मान अभियान के तहत लोगों के बीच हस्ताक्षर अभियान

अररिया (हिंस)। भारत में गौ हत्या पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाने और गौ माता को राष्ट्रीय दर्जा को लेकर फारबिसगंज में सोमवार को गौ सम्मान आह्वान अभियान के तहत फारबिसगंज के रेलवे स्टेशन के प्रांगण में कैंप लगाकर हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे बजरंग दल के पूर्व जिला संयोजक मनोज सोनी ने मौके पर कहा कि भारत के समस्त विद्वान संतों के सानिध्य एवं असीम कृपा से गौ माता को राष्ट्रीय दर्जा एवं गौ हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने को लेकर पूरे देशभर में गौ माता के भक्तों के बीच जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। पांच सौ लोगों ने गौ माता के समर्थन में हस्ताक्षर किया है। उन्होंने कहा जिला में 27 अप्रैल और 27 जुलाई 2026 को सम्मान दिवस मनाया जाएगा। जिसमें जिले से समस्त गौ प्रेमियों

द्वारा अनुमंडल पदाधिकारी को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम प्रार्थना पत्र सौंपे जाएंगे। श्री सोनी ने कहा गौ सम्मान आह्वान अभियान का मुख्य उद्देश्य है कि केंद्र सरकार और देश की सभी राज्य सरकारों से राष्ट्रीय और भारतीय संस्कृति के हित में संविधान के दायरे में रहकर अहिंसक तरीके से प्रार्थना कर गौ हत्या पर पूरे भारत में पूर्ण प्रतिबंध लगे, गौ हत्या पूर्ण रूप से समाप्त हो, गौ माता की सेवा हेतु केंद्रीय कानून लागू हो और केंद्रीय गौ सेवा मंत्रालय बने, जिससे संपूर्ण भारतवर्ष में समान रूप से गौ सेवा हो सके। मौके पर बजरंग दल के पूर्व जिला संयोजक मनोज सोनी, श्री राम सेना के उपाध्यक्ष डिंपल चौधरी, सुमित मेहता, पिंटू सोनी, विश्वजीत मंडल, रूपेश मेहता, प्रीतम राजपूत, श्रीकांत मेहता सहित बड़ी संख्या में गौ भक्त मौजूद थे।

युद्ध विराम की ख़बरों के बीच इंदौर बाजार की साप्ताहिक समीक्षा

इंदौर

ईरान-अमेरिका के बीच युद्ध विराम की की ख़बरों के बीच खाद्य तेलों में बाजार मंदी के रहे। तिलहनों में सोयाबीन बना रहा। दलहनों में चने में सुस्ती बनी। वहीं, तुअर में बाजार घटाकर बोले गये। किराना जिंसों में बादाम सहित अन्य सूखे मेवों में बाजार नरमी के रहे।

किराना :

शनिवार को समाप्त हुए आलौच्य सप्ताह के दौरान स्थानीय सियागंज किराना बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। लग्नसरा की चमक-दमक के बीच दिसावरी ग्राहकी ठंडी-ठंडी देखी गयी। शक्कर में हल्के मालों में बिकवाली रही। बाजार घटाकर बोले गये, अच्छे मालों में मजबूती रही। बीते सप्ताह के दौरान शक्कर में बाजार 4080-4170 रू. प्रति क्विंटल पर बना रहा। खोपरे गोले में पूछपरख अच्छी रहने से बाजार 390-430 रू. क्विंटल के बीच मजबूत रहे। हल्दी-धनिये में सप्ताह के दौरान मांग कमजोर रही। जिसके चलते भावों में टिकाव देखा गया। सूखे मेवों में लिवाली वाली बात नहीं है। बादाम मगज क्वालिटी 880-950 रू. प्रति किलो पर बने रहे। काजू व तरबूज मगज में बाजार पूर्वस्तर से आंशकि कमजोर पड़े। नारियलों में व्यापार अच्छा है। आवकें मांग के मुकाबले कमजोर पड़ने से भावों में निचले स्तर पर टिकाव बना हुआ है।

तेल तिलहन :

समीक्षा सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों व तिलहनों में व्यापार ठंडा-ठंडा रहा। बाजार सूत्रों के अनुसार अमेरिका-ईरान के बीच युद्ध बंदी को लेकर सकरात्मक बातचीत आने के चलते बाजार में मंदी की धारणा रही। समीक्षा सप्ताह के दौरान सींगदाना तेल इंदौर लाइन पर 1680-1700 रू. प्रति 10 किलो पर कमजोर देखा गया। सोया व कपास्या तेलों में 30-40 रू. प्रति 10 किलो तक टूट गये। सोया तेल रिफाइंड मालों में 1485-1490 रू. प्रति 10 किलो पर आ गया। खाद्य तेलों में बनी नरमी का असर तिलहनों पर भी देखने को मिला। तिलहनों में सोयाबीन 5500 रू. प्रति क्विंटल पर बना रहा। सरसो व रायडा में बाजार मजबूत रहे।

दाल दलहन :

आलौच्य सप्ताह के दौरान दाल-दलहनों में व्यापार सामान्य से अधकि नहीं रहा। चने में बाजार 5500-5600 रू. प्रति क्वटिल पर कमजोर नज़र आये। वहीं, तुअर में बाजार 6000-7000 रू. प्रति क्वटिल पर कमजोर ही रहे। नये मूंग में आवकें सुधरने से तेजी वाली बात नहीं है। मूंग में बाजार 8200-8400 रू. प्रति क्वटिल पर बने रहे।

न्यूज ब्रीफ

टाटा मोटर्स कई महत्वपूर्ण वाहन लान्च करने की तैयारी में

नई दिल्ली। स्वदेशी वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स इस साल कई महत्वपूर्ण वाहन लान्च करने की तैयारी में है। इनमें मुख्य रूप से विद्युत चालित वाहनों की लांचिंग भी शामिल हैं। टाटा मोटर्स अपनी नई सिएरा को विद्युत रूप में पेश करने जा रही है। इसके डिजाइन में आधुनिकता और भविष्य की झलक देखने को मिलेगी, जिसमें एक बड़ा कांच क्षेत्र, बिना हैंडल के दरवाजे और एक ऊंचा ढांचा शामिल हो सकता है। सिएरा ईवी की दूरी क्षमता को भी बेहतर बनाने पर काम किया जा रहा है, जिससे यह एक लंबी दूरी तय करने में सक्षम होगी और ग्राहकों को एक नया और आकर्षक विकल्प प्रदान करेगी। इसी क्रम में, टाटा सफारी का विद्युत संस्करण भी बाजार में आने की तैयारी में है। यह टाटा की पहली तीन पंक्तियों वाली विद्युत गाड़ी हो सकती है, जो बड़े परिवारों के लिए एक नया और पर्यावरण-अनुकूल विकल्प पेश करेगी। इसकी कीमत मध्यम से ऊंची श्रेणी के बीच रहने की संभावना है और इसमें विभिन्न क्षमता वाले बैटरी विकल्प दिए जा सकते हैं, जिससे ग्राहकों को अपनी जरूरत के अनुसार चयन करने का अवसर मिलेगा। यह कदम टाटा को विद्युत एसयूवी सेगमेंट में अपनी पकड़ मजबूत करने में मदद करेगा। टाटा की अविन्या भी कंपनी की भविष्य की दिशा को दर्शाने वाली गाड़ी मानी जा रही है। इसे एक प्रीमियम श्रेणी की आधुनिक क्रासओवर गाड़ी के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिसमें पारंपरिक ईंधन इंजन का कोई विकल्प नहीं होगा। यह पूरी तरह से विद्युत तकनीक पर आधारित होगी और वर्ष के अंत तक इसके उत्पादन संस्करण के आने की संभावना है।

भारतीय बैंकों में 2026 की पहली छमाही में औद्योगिक ऋण वृद्धि संभवः सर्वेक्षण

नई दिल्ली। फिक्की और भारतीय बैंक संघ (आईबीए) के एक संयुक्त सर्वेक्षण के अनुसार भारतीय बैंकिंग क्षेत्र जनवरी-जून 2026 की अवधि में 9-13 प्रतिशत की औद्योगिक ऋण वृद्धि का अनुभव करने के लिए तैयार है। यह वृद्धि स्थिर और क्रमिक होगी, न कि कोई तेज उछाल। इस विस्तार को पूंजीगत व्यय में चल रही बहाली, बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने और विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ती मांग से समर्थन मिलने की उम्मीद है। सर्वेक्षण के विश्लेषण से पता चलता है कि यह औद्योगिक ऋण वृद्धि पूंजीगत व्यय में चल रही बहाली, बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा देने और क्षेत्रीय मांग में सुधार जैसे कारकों से समर्थित होगी। हालांकि, बैंकों की विभिन्न श्रेणियों में ऋण वृद्धि की उम्मीदें अलग-अलग हैं। छोटे वित्त बैंकों (एसएफबी) और सहकारी बैंकों के गैर-खाद्य ऋण में अपेक्षाकृत रूढ़िवादी विस्तार की उम्मीद है, जो लगभग 7-9 प्रतिशत की ऋण वृद्धि दर्शाते हैं।

मध्य पूर्व संकट से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर मंडराया खतरा, पर्शियाई खाड़ी में कई महत्वपूर्ण उत्पादन केंद्र हुए नष्ट

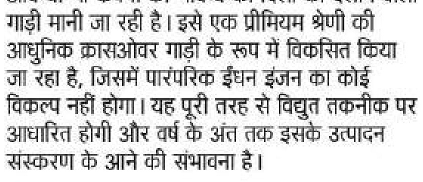

नई दिल्ली। मध्य पूर्व में गहराते तनाव और शांति वार्ता के रुकने-शुरू होने के अनिश्चित सिलसिले ने वैश्विक अर्थव्यवस्था पर अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। निवेशकों में बढ़ती घबराहट और पूंजी प्रवाह में अस्थिरता के बीच, पर्शियाई खाड़ी क्षेत्र में हुए बड़े पैमाने पर उत्पादन केंद्रों का विनाश अब एक अप्रत्याशित दीर्घकालिक खतरे के रूप में उभर रहा है, जिसकी गंभीरता को बाजार अभी तक पूरी तरह से समझ नहीं पा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार संघर्ष से पर्शियाई खाड़ी में कई महत्वपूर्ण उत्पादन केंद्र नष्ट हो गए हैं। यह क्षेत्र दुनिया के सबसे बड़े गैस भंडारों में से एक है, जहां से हीलियम, मीथेन और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) जैसी महत्वपूर्ण गैसें निकलती हैं। इन गैसों का उपयोग सेमीकंडक्टर चिप्स बनाने से लेकर उर्वरक और ईंधन जैसे कई प्रमुख उद्योगों में होता है। इन केंद्रों के नष्ट होने से न केवल ऊर्जा सुरक्षा पर खतरा मंडरा रहा है, बल्कि वैश्विक औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखलाएं भी गंभीर रूप से बाधित हो सकती हैं।

नए अवतार में बाजार में आने की तैयारी कर रही टाटा टियागो

नई दिल्ली

चार पहिया वाहन निर्माता कंपनी टाटा टियागो जल्द ही एक नए और ताज़ा अवतार में बाजार में आने की तैयारी कर रही है। अपनी लांचिंग से अब तक इस लोकप्रिय हैचबैक को दो बार अपडेट मिल चुका है। अब टाटा मोटर्स इसके एक और महत्वपूर्ण अपडेट पर काम कर रही है। कंपनी मई के आसपास एक नया माडल लान्च कर सकती है ताकि इसे आधुनिक और आकर्षक लुक दिया जा सके। यह कार टेस्टिंग के दौरान कई बार देखी जा चुकी है, जिससे इसके संभावित बदलावों को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। नई टियागो और टियागो ईवी के बाहरी डिज़ाइन में कई बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

इनमें नई डिज़ाइन की हेडलाइट्स, एक ताज़ा ग्रिल और अपडेटेड बंपर शामिल होंगे, जो कार को पहले से कहीं ज़्यादा शार्प और बोल्ड लुक देंगे। पेट्रोल वेरिएंट में नए 15-इंच के अलाय व्हील्स मिलने की संभावना है, जबकि इलेक्ट्रिक वर्जन में 14-इंच के अलाय व्हील्स दिए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, कंपनी कुछ नए और आकर्षक रंग विकल्प भी जोड़ सकती है, जिससे ग्राहकों के पास चुनने के लिए अधिक विकल्प उपलब्ध होंगे और कार को एक नई पहचान मिलेगी। सिर्फ बाहरी हिस्से में ही नहीं, बल्कि कार के केबिन के अंदर भी काफी कुछ नया होने वाला है। खबर है कि डैशबोर्ड को थोड़ा बदला जा सकता है और सीटों के लिए नए फैब्रिक का इस्तेमाल होगा, जिससे अंदरूनी हिस्सा और अधिक प्रीमियम लगेगा। सबसे बड़ा अपडेट इसके फीचर्स में देखने को मिल सकता है, जिसमें 10.25-इंच का बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम शामिल होगा, जो आधुनिक कनेक्टिविटी विकल्प प्रदान करेगा। ग्राहकों की पुरानी मांग को पूरा करते हुए, टाटा इस बार रियर एसी वेंट्स और पीछे बैठने वालों के लिए चार्जिंग पोर्ट भी दे सकती है, जो गर्मियों के सफर में यात्रियों को बड़ी राहत देगा और कार की व्यावहारिकता को बढ़ाएगा।

रेनाल्ट ट्राइबर की बिक्री में 26.5 प्रतिशत का उछाल दर्ज

नई दिल्ली। बाजार में ग्राहकों के मध्य 7-सीटर एमपीवी सेगमेंट में रेनाल्ट ट्राइबर ने अपनी खास जगह बनाई है। ट्राइबर ने बीते वित्तीय वर्ष यानी वित्त वर्ष 2026 में 25,174 यूनिट्स की दमदार बिक्री दर्ज की है। बिक्री का यह आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष (2025) में बेची गई 19,905 यूनिट्स की तुलना में 26.5 प्रतिशत की प्रभावशाली वार्षिक वृद्धि दर्शाता है, जो इसकी बढ़ती लोकप्रियता का प्रमाण है। मारुति अर्टिगा और टोयोटा इनोवा जैसी अन्य लोकप्रिय एमपीवी के साथ, ट्राइबर ने 5.76 लाख (एक्स-शोरूम) की शुरुआती कीमत पर ग्राहकों का दिल जीता है। डिजाइन के मामले में, रेनाल्ट ट्राइबर एक काम्पैक्ट एमपीवी होने के बावजूद काफी मस्कुलर और स्टाइलिश दिखती है। इसमें लगे प्रोजेक्टर हेडलैंप्स और रूफ रेल्स इसे एक स्पोर्टी लुक प्रदान करते हैं, जिससे यह सड़क पर एक अलग पहचान बनाती है। हालांकि, इसकी सबसे बड़ी खूबी इसका बेहद फ्लेक्सिबल सीटिंग अरेंजमेंट है। यात्री अपनी जरूरत के अनुसार इसकी तीसरी लाइन की सीटों को आसानी से हटा सकते हैं, जिससे ढेर सारा सामान रखने के लिए एक विशाल बूट स्पेस मिल जाता है। यह सुविधा इसे बड़े परिवारों और यात्रा प्रेमियों के लिए एक व्यावहारिक विकल्प बनाती है, जो जगह और आराम दोनों चाहते हैं। पावरट्रेन के तौर पर, ट्राइबर में 1.0 लीटर का 3-सिलेंडर पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो शहरी ड्राइविंग के लिए काफी स्मूथ और प्रतिक्रियाशील है। यह इंजन 5-स्पीड मैनुअल और एएमटी (आटोमेटेड मैनुअल ट्रांसमिशन) गियरबाक्स के विकल्पों के साथ आता है, जिससे ड्राइविंग का अनुभव सहज बनता है। हालांकि, भारी लोड के साथ यह थोड़ा सुस्त महसूस हो सकता है, लेकिन इसका माइलेज बेहद प्रभावशाली है। यह कार आसानी से 18 से 20 किमी प्रति लीटर तक का माइलेज दे देती है, जो पेट्रोल की बढ़ती कीमतों के इस दौर में मध्यमवर्गीय परिवारों की जेब के लिए बड़ी राहत की बात है।

हीरो स्प्लेंडर बनीं देश की सबसे अधिक बिकने वाली बाइक

नई दिल्ली

बीते मार्च 2026 में, हीरो स्प्लेंडर देश की सबसे अधिक बिकने वाली बाइक बनकर उभरी, जिसने कुल 3,32,227 यूनिट्स की प्रभावशाली बिक्री दर्ज की। यह आंकड़ा पिछले साल की समान अवधि के 3,22,529 यूनिट्स की तुलना में 3.01 प्रतिशत की शानदार वार्षिक वृद्धि दर्शाता है। भारतीय दोपहिया बाजार में हीरो स्प्लेंडर ने एक बार फिर अपना दबदबा साबित किया है।

हीरो स्प्लेंडर की यह लगातार सफलता बताती है कि विश्वसनीयता, सामर्थ्य और बेहतरीन माइलेज के कारण यह आज भी भारतीय परिवारों की पहली पसंद बनी हुई है। बिक्री की इस दौड़ में होंडा एक्टिवा दूसरे स्थान पर रही, जिसने 36.86 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि के साथ कुल 2,59,670 यूनिट्स स्कूटर बेचे।

होंडा शाइन ने भी मजबूत प्रदर्शन किया और 14.53 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी के साथ 1,73,098 मोटरसाइकिल यूनिट्स की बिक्री के साथ तीसरे पायदान पर अपनी जगह बनाई। बजाज पल्सर ने 24.29 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर के साथ 1,32,248 यूनिट्स बेचकर चौथा स्थान हासिल किया, जो युवाओं के बीच इसकी निरंतर लोकप्रियता को दर्शाता है। पांचवें स्थान पर टीवीएस जुपिटर ने 17.89 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,24,771 यूनिट्स स्कूटर की बिक्री दर्ज की।

इसके बाद हीरो एचएफ डीलक्स रही, जिसने 7.33 प्रतिशत सालाना बढ़ोतरी के साथ कुल 85,088 यूनिट्स की बिक्री की। सुजुकी एक्सेस ने भी अच्छा प्रदर्शन किया और 9.49 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी के साथ 72,658 यूनिट्स स्कूटर बेचे।

टीवीएस अपाचे ने 6.48 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी के साथ 47,081 यूनिट्स बाइक बेचीं, जबकि टीवीएस एक्सएल100 ने 31.30 प्रतिशत की शानदार वृद्धि के साथ 46,192 यूनिट्स मोपेड की बिक्री की। विशेष रूप से, इलेक्ट्रिक सेगमेंट में टीवीएस आईक्यूब ने 46.26 प्रतिशत की जबरदस्त वार्षिक वृद्धि दर्ज करते हुए 38,757 यूनिट्स स्कूटर बेचे, जो इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती मांग का संकेत है।

होर्मुज पर टेंशन हाई से कच्चा तेल उछला

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के बीच स्ट्रेट आफ होर्मुज के लगभग बंद होने से कच्चा तेल में उबाल देखने को मिल रहा है। सोमवार को शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड का भाव 6.5 फीसदी उछलकर 96.27 डालर और डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 7.5 फीसदी की बढ़त के साथ 90 डालर प्रति बैरल पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सप्लाई बाधित होने की आशंका के बीच अमेरिकी बेंचमार्क वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड और अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड दोनों की कीमतों में तेजी दर्ज की गई है। कारोबार के दौरान डब्ल्यूटीआई क्रूड 5.20 डालर यानी 6.20 फीसदी की उछाल के साथ 89.05 डालर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं,ब्रेंट क्रूड भी 4.81 डालर यानी 5.32 फीसदी की बढत के साथ 95.19 डालर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। इससे साफ है कि वैश्विक बाजार में तनाव का असर तेजी से दिखाई दे रहा है। उल्लेखनीय है कि पश्चिम एशिया संकट के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में लगातार उतार-चढाव दखेने को मिल रहा है।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

नई दिल्ली

बाजार में सांकेतिक कमजोरी नजर आ रही है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,55,770 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,56,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,42,790 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह चांदी के भाव में आए उछाल के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,74,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,55,920 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,55,770 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,55,820 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,56,650 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,43,590 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,55,770 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,55,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,55,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,42,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,55,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,55,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,55,770 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद हुए थे। हालाकि डाउ जान्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी का रुख बना हुआ था। वहीं एशियाई बाजार में भी मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

पश्चिम एशिया में शांति होने की उम्मीद की वजह से अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान पाजिटिव नोट पर कारोबार करते रहे। एस एंड पी 500 इंडेक्स 84.78 अंक यानी 1.20 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,126.06 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 365.78 अंक यानी 1.52 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,468.48 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 377.39 अंक यानी 0.76 प्रतिशत फिसल कर 49,070.04 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान तेजी का रुख बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.73 प्रतिशत उछल कर 10,667.63 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 162.43 अंक यानी 1.93 प्रतिशत कि छलांग लगा कर 8,425.13 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 547.77 अंक यानी 2.22 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,702.24 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के नौ बाजार में से छह के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि तीन सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.10 प्रतिशत फिसल कर 24,394.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.18 प्रतिशत लुढ़क कर 1,479.76 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.02 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 7,632.66 अंक के स्तर पर आ गया है।

दूसरी ओर, स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.16 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,005.97 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.67 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,078.39 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 521.93 अंक यानी 1.42 प्रतिशत उछल कर 37,326.27 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 1.12 प्रतिशत की बढ़त के साथ 6,261.19 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 645.10 अंक यानी 1.10 प्रतिशत की मजबूती के साथ 59,121 अंक के स्तर पर और हैंग सेंग इंडेक्स 272.67 अंक यानी 1.04 प्रतिशत की तेजी के साथ 26,433 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

आईपीएल 2026 : कोनाली ने की प्रियांश आर्य की तारीफ कहा- हम एक-दूसरे से छोटी-छोटी चीजें सीखते हैं

नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के युवा आलराउंडर कूपर कोनाली ने अपनी निरंतरता और समझदारी भरी बल्लेबाजी से खास पहचान बनाई है। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने 46 गेंदों पर 87 रनों की शानदार पारी खेली। हालांकि उनके साथी प्रियांश आर्य की 37 गेंदों में 93 रनों की तूफानी पारी ने ज्यादा सुर्खियां बटोरीं।

दोनों बल्लेबाजों ने मिलकर महज 80 गेंदों में 182 रनों की बेहतरीन साझेदारी की, जो इस सीजन की सबसे प्रभावशाली साझेदारियों में से एक रही। मैच के बाद कोनाली ने कहा कि वह और आर्य एक-दूसरे से लगातार सीख रहे हैं और अपने खेल को बेहतर बना रहे हैं।

कोनाली ने कहा, हर खिलाड़ी का अपना तरीका होता है। हम इस पर चर्चा करते हैं कि किसके लिए क्या बेहतर काम करता है और हम एक-दूसरे से छोटी-छोटी चीजें सीखते हैं। हमारा लक्ष्य लगातार बेहतर बनना और टीम को आगे ले जाना है।

इस सीजन में कोनाली ने अब तक 223 रन बनाए हैं, जो टीम के अन्य प्रमुख बल्लेबाजों प्रियांश आर्य (211), प्रभसिमरन सिंह (211) और श्रेयस अय्यर (208) से ज्यादा हैं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपनी ताकत के अनुसार खेलने और अनावश्यक जोखिम न लेने को दिया।

उन्होंने कहा, हर खिलाड़ी को अपनी ताकत पहचाननी चाहिए और उसी पर टिके रहना चाहिए। विपक्षी टीम आपकी कमजोरी ढूंढती है, लेकिन जरूरी है कि आप उसे समझें और उस पर काम करें।

कोनाली के प्रदर्शन में टीम के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग की भूमिका भी अहम रही है। पोंटिंग के मार्गदर्शन में उन्हें अपने खेल को निखारने का मौका मिला है। वहीं कप्तान श्रेयस अय्यर की नेतृत्व क्षमता की भी उन्होंने सराहना की।

कोनाली ने कहा, पोंटिंग और श्रेयस की जोड़ी टीम को सही दिशा दे रही है। श्रेयस एक शानदार लीडर हैं, जो टीम को सहज माहौल देते हैं और हर खिलाड़ी को बेहतर करने के लिए प्रेरित करते हैं। पंजाब किंग्स का मौजूदा प्रदर्शन इस बात का संकेत है कि टीम सही दिशा में आगे बढ़ रही है और खिलाड़ियों के बीच तालमेल मजबूत हो रहा है।

न्यूज ब्रीफ

बोस्टन मैराथन 2026: खिताब बचाने उतरेगी जान कोरिर और शेरोन लोकेडी

बोस्टन। बोस्टन मैराथन 2026 में मौजूदा चैंपियन जान कोरिर और शेरोन लोकेडी अपने-अपने खिताब बचाने के इरादे से सोमवार को दौड़ेंगे। इस बार दोनों वर्गों में कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलने की उम्मीद है। पुरुष वर्ग में केन्या के धावक जान कोरिर लगातार चौथा मैराथन खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेंगे। उन्होंने पिछले साल शिकागो और वालेंसिया मैराथन में भी जीत दर्ज की थी। बोस्टन मैराथन 2025 में शुरुआती गिरावट के बावजूद उन्होंने 2:04:45 का समय निकालते हुए इतिहास का तीसरा सबसे तेज प्रदर्शन किया था। इस बार कोरिर को केन्या के बेन्सन किप्रूटो, तंजानिया के अल्फोंस फेलिक्स सिम्बू और केन्या के साइब्रियन कोटुट से कड़ी चुनौती मिलेगी। किप्रूटो, जिन्होंने न्यूयार्क सिटी मैराथन भी जीती है, 2:02:16 के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ इस रेस के सबसे तेज धावक हैं। महिला वर्ग में शेरोन लोकेडी भी खिताब बचाने उतरेंगी। उन्होंने पिछले साल 2:17:22 का समय निकालकर कोर्स रिकार्ड तोड़ा था और हेलेन ओबिरी के दो साल के दबदबे का अंत किया था। लोकेडी को इस बार केन्या की इरीन चेपाई और इथियोपिया की वर्केनेश एदेसा से चुनौती मिलेगी, जिन्होंने हाल के मैराथन में शानदार प्रदर्शन किया है। जान कोरिर ने कहा कि इस बार प्रतिस्पर्धा का स्तर काफी ऊंचा है और अगर सब कुछ सही रहा तो वह कोर्स रिकार्ड को भी चुनौती देने की कोशिश करेंगे। बोस्टन मैराथन 2026 में दुनिया के शीर्ष धावकों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी, जहां तेज समय और नए रिकार्ड बनने की पूरी संभावना है ।

धोनी की वापसी को लेकर मुझे जानकारी नहीं : कोच हसी

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह अभी तक इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस 19 वें सत्र में एक भी मैच में नहीं उतरे हैं। इससे धोनी के प्रशंसक आशंकित हैं और उनको लग रह है कि कहीं धोनी संन्यास तो नहीं ले रहे क्योंकि वह 44 साल के हो रहे हैं और लीग शुरु हुए महीना पूरा होने जा रहा है। इसी को लेकर जब टीम के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी से पूछा गया तो उनका भी कहना है कि धोनी की वापसी को लेकर उन्हें जानकारी नहीं है। धोनी आईपीएल की शुरुआत से पहले ही अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल हो गये थे। उनकी पिंडली में चोट लगी थी जिससे वह उबर रहे हैं और टीम के साथ यात्रा भी कर रहे हैं। सीएसके प्रबंधने ने भी अभी तक ये नहीं जानकारी दी है कि वह कब तक वापसी करेंगे। हसी के अनुसार धोनी अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं पर अभी मैच के लिए पूरी तरह तैयार नहीं हैं। हसी से जब पूछा गया कि क्या धोनी की वापसी को लेकर कोई योजना है, तो उन्होंने कहा, नहीं, मुझे नहीं पता। मुझ बस इतनी जानकारी है कि वह अपनी रिहैब में अच्छी प्रगति कर रहे हैं और मैं उनकी बल्लेबाजी से उत्साहित हूं। हसी ने आगे कहा, वापसी इसपर आधारित रहेगी कि वह दौड़ने की स्थिति में हैं या नहीं क्योंकि वह पारी के आखिरी ओवरों में बल्लेबाजी करने उतरेंगे। ऐसे में उन्हें तेजी से एक या दो रन लेने होंगे। उन्हें देखना होगा कि दौड़ आसानी से लगा पा रहे हैं या नहीं।

शार्दुल ठाकुर और दीपक चाहर को बाहर करे मुम्बई इंडियंस : श्रीकांत

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत ने आईपीएल में खराब प्रदर्शन कर रहे मुम्बई इंडियंस के आलराउंडर शार्दुल ठाकुर और दीपक चाहर को आड़े हाथों लिया है। श्रीकांत ने कहा है कि इन दोनो को ही घर वापस भेज देना चाहिये क्योंकि ये दोनो ही अंतिम ग्यारह में रखे जाने के योग्य नहीं दिखते। श्रीकांत ने मुंबई इंडियंस के प्रबंधन से कहा है कि इन दोनो को आगे के मैचों में शामिल न करे। श्रीकांत ने कहा, मुझे नहीं पता कि मुंबई इंडियंस कैसे दीपक चाहर को अंतिम ग्यारह में शामिल किये हुए है। पहले ही ओवर में चाहर ने 21 रन दिए और फिर 22 रन दिए थे। 2.3 ओवर में 45 रन। वहीं शार्दुल ने 3 ओवर में 42 रन दिए। उन्होंने एक साथ 5.3 ओवर किए और 87 रन खर्च किए। उन्होंने साथ ही कहा, इस प्रकार के गेंदबाजों के साथ किया प्रकार से जीता जा सकता है। श्रीकांत इन दोनो से इतने नाराज दिखे की उन्होंने कहा कि इन्हें पैसे देकर आराम से घर बैठने को कहो। जब जरुरत होगी इन्हें बुला लिया जाएगा।

भारत में फीफा विश्वकप मैचों के प्रसारण को लेकर संशय बरकरार

नई दिल्ली

फीफा विश्व कप 2026 का इंतजार पूरे विश्व के साथ-साथ भारत में भी फुटबाल प्रशंसक कर रहे हैं हालांकि इसके देश में प्रसारण को लेकर संशय छाया हुआ है। इसका कारण ये है कि अभी तक किसी भी भारतीय टेलीविजन या डिजिटल प्लेटफार्म ने इस मेगा इवेंट के मीडिया अधिकार नहीं खरीदे हैं, जिससे यह सवाल खड़ा हो गया है कि क्या भारतीय दर्शक इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट को देख पाएंगे या नहीं।

विश्व कप संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जाएगा। 11 जून, 2026 से इसकी शुरुआत होगी और यह पहली बार होगा जब 48 टीमें इसमें हिस्सा लेंगी, जिससे प्रतिस्पर्धा और भी रोमांचक होने की उम्मीद है। भारत की राष्ट्रीय फुटबाल टीम भले ही इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई हो, लेकिन देश में फुटबाल के प्रति जुनून किसी से छिपा नहीं है। लाखों भारतीय प्रशंसक हर चार साल में होने वाले इस आयोजन का बेसब्री से इंतजार करते हैं, अपनी पसंदीदा टीमों और खिलाड़ियों को खेलते देखने के लिए उत्सुक रहते हैं। पिछले विश्व कपों में भी भारत में रिकार्ड तोड़ दर्शक संख्या दर्ज की गई थी, जो यहां के फुटबाल प्रेम की गहराई को दर्शाता है।

लेकिन, इस बार स्थिति काफी अलग और चिंताजनक है। फीफा ने 2025 में ही विश्व कप के मीडिया अधिकारों की बिक्री प्रक्रिया शुरू कर दी थी, ताकि प्रसारणकर्ता को पर्याप्त समय मिल सके। विभिन्न देशों में अधिकार बेचे जा चुके हैं, लेकिन भारत में अभी तक कोई भी आधिकारिक प्रासरणकर्ता सामने नहीं आया है।

प्रसारण अधिकारों की बिक्री में यह गतिरोध मुख्य रूप से वित्तीय पहलुओं से जुड़ा हुआ प्रतीत होता है। फीफा ने शुरुआत में 2026 और 2030 दोनों विश्व कप के संयुक्त मीडिया अधिकारों की कीमत 100 मिलियन अमेरिकी डालर (लगभग 830 करोड़ रुपये) आंकी थी, जो कि भारतीय बाजार के लिए एक बहुत बड़ी राशि मानी जा रही थी। इस भारी कीमत के कारण कोई भी संभावित खरीददार आगे नहीं आया। खरीदार न मिलने के बाद, फीफा ने कीमत में भारी कटौती करते हुए इसे 35 मिलियन अमेरिकी डालर (लगभग 290 करोड़ रुपये) कर दिया। इतनी बड़ी कमी के बावजूद, अभी तक कोई भी भारतीय टेलीविजन चैनल या डिजिटल प्लेटफार्म इन अधिकारों को खरीदने के लिए तैयार नहीं हुआ है। यह स्पष्ट नहीं है कि ब्राडकास्टर्स अभी भी इस कीमत को बहुत अधिक मान रहे हैं या फिर उन्हें इसमें अपेक्षित व्यावसायिक लाभ नहीं दिख रहा है।

यह स्थिति भारत के करोड़ों फुटबाल प्रशंसकों के लिए एक बड़ा झटका है, जो विश्व कप के रोमांचक मुकाबलों को अपने घरों में बैठकर देखने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। अगर जल्द ही कोई समाधान नहीं निकलता है, तो संभव है कि भारतीय दर्शकों को फीफा विश्व कप 2026 के मैचों से वंचित रहना पड़े, जो सबसे निराशाजनक होगा। ऐसे में मैचो के प्रसारण के लिए फीफा और भारतीय प्रसारणकर्ताओं के बीच शीघ्र ही किसी समझौते की जरुर है।

चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर का कार्यकाल बढ़ा सकती है बीसीसीआई

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर का कार्यकाला बढ़ाया जाना तय नजर आता है। एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई साल 2027 एकदिवसीस विश्वकप को देखते हुए अगरकर का करार एक साल बढ़ा सकती है। अगरकर का कार्यकाल इसी साल जून में समाप्त होने वाला है। बोर्ड का मानना है कि विश्वकप से पहले चयन समिति में कोई बदलाव नहीं होना चाहिये। बीसीसीआई अगरकर की उपलब्धियों से भी संतुष्ट है। उनके कार्यकाल में भारतीय टीम ने आईसीसी टी20 विश्वकप के अलावा चैंपियंस ट्राफी जीती है। वहीं टीम 2023 एकदिवसीय विश्वकप के फाइनल में पहुंची थी। बोर्ड के एक अधिकारी के अनुसार अगरकर के कार्यकाल में टीम में तेजी से बदलाव हुआ और कई कठिन फैसले बिना किसी दबाव के लिए गये। जिससे बोर्ड प्रभावित है। ऐसे में बोर्ड के अंदर सभी चाहते हैं कि विश्वकप से पहले चयन समिति में बदलाव ठीक नहीं रहेगा। वहीं कप्तान सूर्यकुमार का पद खतर में है। सूर्या ने टीम को जीत दिलायी है पर रन नहीं बनाये हैं, ऐसे में उनकी बल्लेबाजी को लेकर बोर्ड संतुष्ट नहीं है। ऐसे में जून-जुलाई में होने वाले इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे में सूर्यकुमार को हर हाल में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। यह दौरा तय करेगा कि उन्हें 2028 तक टीम की योजनाओं में शामिल रखा जाएगा या नहीं। खासकर उनकी बल्लेबाजी पर ज्यादा नजर रहेगी।

आलोचकों के निशाने पर आये पाकिस्तान के रिजवान

लाहौर

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद रिजवान पिछले कुद समय से अपने खराब प्रदर्शन के कारण आलोचकों के निशाने पर हैं। इसी कारण वह टीम में भी वापसी नहीं कर पा रहे हैं। यहां तक कि पाक सुपरलीग पीएसएल में भी उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा जिससे उनकी टीम लीग से बहार हो गयी है।

टीम के प्लेआफ से बाहर होने के बाद रिजवान ने भी स्वीकार किया है कि उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने हालांकि माना है कि अभी उन्हें टी20 टीम में जगह नहीं मिल सकती पर वह इसके बाद भी हार न मानते हुए वापसी के लिए पूरा प्रयास करेंगे। रिजवान ने कहा कि उन्होंने पहले भी स्वीकार किया था कि खराब प्रदर्शन के आधार पर वह टीम में जगह के अधिकारी नहीं हैं। उन्होंने कहा, जब मैं बिग बैश लीग (बीबीएल) खेल रहा था, तब भी मैंने कहा था कि इस प्रदर्शन के आधार पर मैं अभी पाक टीम में जगह हासिल नहीं कर सकता । रिजवान ने ये भी कहा कि अगर प्रशंसक चाहेंगे कि व रिटायर हो जायें तो वह ये भी कर सकते हैं। इस क्रिकेटर ने कहा, हम सब इंसान हैं। मैंने अपनी गलतियां मानी हैं। अगर आप सोचते हैं कि मुझे इस उम्र में रिटायर हो जाना चाहिए, तो मैं रिटायर हो जाऊंगा। वहीं अगर मैं ऐसा नहीं करता हूं तो खराब फार्म के बाद भी वापसी को तैयार हूं क्योंकि क्रिकेट से ही मुझे पहचान मिली है। ऐसे में वापस के लिए मैं पूरी ताकत लगा दूंगा।उन्होंने कहा, क्रिकेट मेरा जुनून है।मैं इससे दूर नहीं जा सकता। अभी मैं फेल हुआ हूं, शायद मेहनत कम थी, लेकिन मैं और मेहनत करके वापसी करूंगा।रिजवान का खराब प्रदर्शन आंकड़ों से साफ दिखता है। पिछले साल 14 पारियों में उन्होंने केवल 242 रन बनाये और उनका औसत 17.28 रहा जबकि पीएसएल मे में इस साल 7 पारियों में वह 107 रन ही बना पाये हैं।

सरताज अकादमी का 32वां ग्रीष्मकालीन बैडमिंटन शिविर 21 अप्रैल से

इंदौर। खेलों के प्रति बच्चों में उत्साह जगाने और उन्हें तकनीकी रूप से दक्ष बनाने के उद्देश्य से सरताज अकादमी द्वारा 32वां ग्रीष्मकालीन जूनियर बैडमिंटन प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है। नारायण बाग बाल विकास केंद्र स्थित बैडमिंटन हाल में यह शिविर 21 अप्रैल से शुरू होगा। तीन चरणों में आयोजित होने वाले इस शिविर में 5 से 18 वर्ष तक की आयु के बालक-बालिकाएं हिस्सा ले सकेंगे। सरताज अकादमी के प्रबंध निदेशक और मुख्य प्रशिक्षक धर्मेश यशलहा ने बताया कि अकादमी का उद्देश्य केवल खेल सिखाना ही नहीं, बल्कि बेहतर खिलाड़ी और बेहतर नागरिक बनाना है। शिविर की दैनिक गतिविधियों में तकनीकी प्रशिक्षण के साथ-साथ प्रतिदिन योग, ध्यान और संकल्प सत्र भी आयोजित किए जाएंगे, ताकि बच्चों का मानसिक और शारीरिक विकास संतुलित हो सके। शिविर की चयन प्रक्रिया के बारे में जानकारी देते हुए यशलहा ने कहा कि इसमें चुनिंदा बच्चों को ही प्रवेश दिया जाएगा। विशेष रूप से कम आयु वर्ग के बच्चों और साल भर नियमित खेलने वाले खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी जाएगी। प्रशिक्षण के अंत में बच्चों के कौशल परीक्षण के लिए एक बैडमिंटन स्पर्धा भी आयोजित की जाएगी, जिसमें वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकेंगे। नारायण बाग बाल विकास केंद्र में यह आयोजन विगत 31 वर्षों से निरंतर जारी है। शिविर में प्रवेश और अधिक जानकारी के लिए इच्छुक अभिभावक प्रतिदिन शाम 6 से 8 बजे के बीच प्रशिक्षक धर्मेश यशलहा से सीधे सम्पर्क कर सकते हैं।

टेबल टेनिस : देहरादून में अब बायज के बीच छिड़ेगी खिताबी जंग

जूनियर नेशनल चैंपियनशिप में 31 राज्यों के 600 से अधिक खिलाड़ी दिखाएंगे दम; तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल खिताबी दौड़ में सबसे आगे

देहरादून

देवभूमि देहरादून के न्यू मल्टीपर्पज हाल में जारी यूटीटी 87वीं इंटर-स्टेट जूनियर एवं यूथ नेशनल टेबल टेनिस चैंपियनशिप का रोमांच अब चरम पर पहुंचने वाला है। बालिकाओं की स्पर्धाओं के समापन के बाद अब खेल प्रेमियों की नजरें बालक वर्ग पर टिक गई हैं। रविवार को देशभर से आए 600 से अधिक युवा पैडलर्स ने देहरादून की धरा पर कदम रखा। सोमवार से शुरू होने वाले मुकाबलों में जहाँ टीम भावना की परीक्षा होगी, वहीं व्यक्तिगत स्पर्धाओं में खिलाड़ी एक-एक अंक के लिए संघर्ष करते नजर आएंगे।

बालक वर्ग में इस बार तमिलनाडु की टीम को खिताब का सबसे प्रबल दावेदार माना जा रहा है। शीर्ष वरीयता प्राप्त तमिलनाडु की टीम पी.बी. अभिनंद के नेतृत्व में खासी संतुलित नजर आ रही है। हालांकि, उन्हें दूसरी वरीयता प्राप्त पश्चिम बंगाल से कड़ी चुनौती मिलने की उम्मीद है। बंगाल की टीम पुनीत बिस्वास और ओइशिक घोष जैसे धाकड़ खिलाड़ियों के दम पर फाइनल में जगह बनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन दोनों दिग्गजों के बीच होने वाला मुकाबला इस चैंपियनशिप का मुख्य आकर्षण केंद्र होगा। प्रतियोगिता में तीसरी वरीयता प्राप्त असम की टीम प्रियानुज भट्टाचार्य और दिव्यज राजखोवा राय की जोड़ी के साथ उलटफेर करने में सक्षम है। वहीं, चौथे स्थान पर काबिज महाराष्ट्र की टीम कुशल चोपड़ा और अनुभवी नील मुले के भरोसे अपनी चुनौती पेश करेगी। दिल्ली और पीएसपीबीए की टीमें भी नाकआउट दौर के लिए दमखम दिखाएंगी। हिमाचल प्रदेश की उम्मीदें नमन भटनागर पर टिकी हैं, जो अपने जुझारू खेल के लिए पहचाने जाते हैं। हरियाणा के वत्सक दुलकन और ओडिशा के सार्थक आर्य भी अपनी लय से विरोधियों को चौंका सकते हैं।

इस बार चैंपियनशिप में भागीदारी के नए कीर्तिमान स्थापित हुए हैं। बालक वर्ग में कुल 31 राज्यों की टीमें शिरकत कर रही हैं। प्रविष्टियों की संख्या को देखें तो अंडर-19 श्रेणी में 305 और अंडर-17 श्रेणी में 308 खिलाड़ियों ने नामांकन कराया है। इतनी बड़ी संख्या में खिलाड़ियों का प्रबंधन आयोजकों के लिए भी एक बड़ी चुनौती है। टूर्नामेंट के प्रारूप के अनुसार टीमों को आठ समूहों में बांटा गया है, जहाँ से प्रत्येक समूह की शीर्ष दो टीमें नाकआउट चरण में प्रवेश करेंगी। प्रतियोगिता में सोमवार को अंडर-17 बालक वर्ग के ग्रुप-स्टेज एकल मुकाबले खेले जाएंगे। इसके अगले दिन अंडर-19 और डबल्स स्पर्धाओं का आगाज होगा। मुख्य रेफरी ए.एस. क्लेर और प्रतियोगिता प्रबंधक एन. गणेशन की देखरेख में चैंपियनशिप का संचालन किया जा रहा है। टूर्नामेंट में अंतरराष्ट्रीय मानकों के उपकरणों और ब्लू बैज अंपायरों की सेवाएं ली जा रही हैं, ताकि खेल की निष्पक्षता और गुणवत्ता बनी रहे।

तीनों ही प्रारुप में हैट्रिक लगाने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं अभिमन्यु मिथुन

मुम्बई

भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर अभिमन्यु मिथुन के नाम एक ऐसा रिकार्ड है। जो किसी अन्य के नाम पर नहीं हैं। अभिमन्यु ने अपने करियर में भारतीय टीम के ओर से केवल 9 मैच खेले हैं पर घरेलू क्रिकेटर में इस क्रिकेटर का करियर लंबा चला है। अभिमन्यु भारत के ऐसे पहले क्रिकेटर हैं, जिन्होंने घरेलू क्रिकेट के तीनों प्रारुपों में हैट्रिक लगायी है। उन्होंने रणजी ट्राफी में उत्तर प्रदेश के खिलाफ हैट्रिक ली. विजय हजारे ट्राफी में तमिलनाडु और सैयद मुश्ताक अली ट्राफी में हरियाणा के खिलाफ हैट्रिक लगायी। ये ऐसा रिकार्ड है जो किसी के भी नाम नहीं है। इस क्रिकेटर को तेज गेंदबाजी और अच्छी लाइन-लेंथ के लिए जाना जाता था। 2010 में श्रीलंका के खिलाफ गाले में उन्होंने अपने पहले ही टेस्ट की पहली पारी में 4 विकेट लिए थे। वहीं इसी साल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अहमदाबाद में एकदिवसीय डेब्यू किया था। मिथुन ने भारत के लिए कुल 4 टेस्ट और 5 एकदिवीसय मैच खेलते हुए कुल 12 विकेट लिए है। मिथुन एक गेंदबाज के अलावा निचले क्रम में उपयोगी बल्लेबाजी भी कर लेते थे। टेस्ट क्रिकेट में उनका औसत 24.00 का रहा. उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट जून 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ और आखिरी एकदिवसीय दिसंबर 2011 में वेस्टइंडीज के ही खिलाफ खेला था.

इस क्रिकेटर ने 2021 में भारतीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा कर दी थी। भले ही इस क्रिकेटर को भारतीय टीम में अधिक अवसर नहीं मिले, लेकिन कर्नाटक के लिए 300 से ज्यादा फर्स्ट क्लास विकेट और घरेलू क्रिकेट के तीनों प्रारुपों में हैट्रिक की उपलब्धि इस खिलाड़ी के नाम है। इसके अलावा टी20 के अंतिम ओवर में इस क्रिकेटर के नाम एक ओवर में 5 विकेट लेने का रिकार्ड भी है। अभिमन्यु ने साल 2019 में घरेलू क्रिकेट में ये रिकार्ड बनाया। तब कर्नाटक की ओर से खेलते हुए उन्होंने हरियाणा के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्राफी के सेमीफाइनल में पारी के आखिरी ओवर में पांच विकेट लिए थे। ओवर की पहली चार गेंदों पर उन्होंने लगातार 4 विकेट लिए और आखिरी गेंद पर 5वां विकेट लिया।

हरभजन ने नेहरा को एक शानदार कोच बताया

मुम्बई। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने आईपीएल टीम गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच आशीष नेहरा की जमकर प्रशंसा की है। हरभजन के अनुसार नेहरा बेहद जुनूनी और उत्साही कोच हैं जो टीम को एकजुट बनाये रखते हैं। हरभजन के अनुसार जिस प्रकार नेहरा खिलाड़ियों से लगातार बात करते हैं और उनकी परेशानी दूर करते हैं उसी का कारण है कि टीम भी बेहतर प्रदर्शन कर रही है। उन्होंने कहा कि नेहरा का स्वभाव व तरीका ऐसा है कि वह कहीं भी और किसी भी प्रकार के हालातों में माहौल को सहज बना सकते हैं। वह जहां भी जाते हैं, अपने आसपास सभी लोगों को सरल स्वभाव से सहज बना देते हैं। वह किसी फुटबाल कोच की तरह नजर आते हैं जो लगातार दौड़ता रहता है। उनकी खेल की समझ काफी अच्छी है जो उन्हें एक बेहतरीन कोच बनाती है। जिस प्रकार उन्होंने गुजरात टाइटंस को तैयार किया है वह तारीफ के काबिल बात है। वहीं पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने कहा है कि आईपीएल से पहले कार्तिक त्यागी और अशोक शर्मा ने जो कड़ी मेहनत की थी उसी का फल अब इन दोनो को मिल रहा है जिससे ये काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। विशेषकर कार्तिक ने जिस प्रकार से चोट से उबरकर वापसी की है उसकी जितनी प्रशंस की जाये वह कम है।

हाई हील सैंडल

कहीं बीमार न बना दे आपको

हाई हील और स्किन टाइट कपड़े लड़कियों को खास पसंद होती हैं। लेकिन उन्हें यह मालूम नहीं कि ऐसा करके वह पैरों की एक खास बीमारी वैरिकोज वेन्स यानी की पैरों की नसों में सूजन को दावत दे रही हैं। करीब 7 फीसदी युवा इस बीमारी से परेशान हैं। आगे की स्लाइड्स पर क्लिक कर देखें कैसे होती है ***ये बीमारी और बचने के उपाय....***

मुसीबत न बन जाए हाई हील

जानकारों के अनुसार जब निचले अंगों की नसों के वॉल्व क्षतिग्रस्त हो जाते हैं तब वैरिकोज नसों का गठन होता है। इसकी वजह से हृदय के निचले अंगों से हृदय की ओर रक्त का प्रवाह कम हो जाता है।

पैरों में सूजन

इससे नसों में खून एकत्रित होता रहता है और पैरों में सूजन आ जाती है। यह रोग आमतौर पर पैरों में पाया जाता है।

दर्द, थकान, खुजली

इंडियन मेडिकल असोसिएशन (आईएमए) के नैशनल प्रेसीडेंट डॉ. के के अग्रवाल बताते हैं कि पैर में कई वॉल्व होते हैं जो रक्त को हृदय की दिशा में प्रवाहित होने में मदद करते हैं। वैरिकोस अल्सर दोनों पैरों में हो सकता है। जब ये वॉल्व क्षतिग्रस्त हो जाते हैं, तो सूजन, दर्द, थकान, खुजली और रक्त के थक्के बनना शुरू हो होता है।

समय पर इलाज जरूरी

यह एक धीमी लेकिन परेशानी करने वाली बीमारी है। यद्यपि लक्षण शुरुआत में हल्के होते हैं, जिस वजह से लोग इसे गंभीरता से नहीं लेते। इसका इलाज समय पर कराना जरूरी है अन्यथा अल्सर विकसित हो सकता है और इससे एक्जिमा और उच्च रक्तचाप हो सकता है।

पहली बार दौड़ते वक्त न करें ये गलतियां

ऐसे बहुत से लोग हैं जो न तो जिम जाते हैं और न ही एक्सरसाइज करते हैं, मगर जब बात दौड़ने की आती है तो वे हर सुबह जूते बांध कर दौड़ने के लिए निकल पड़ते हैं। अगर आप भी दौड़ने वालों की श्रेणी में आना चाहते हैं तो आपको जानना होगा कि ऐसी कौन सी आम गलतियां हैं, जो अच्छे से अच्छे दौड़ने वाले कर जाते हैं। अगर आप लंबे समय से रनिंग करने की सोच रहे हैं, तो कुछ खास बातों का खयाल रखें। इससे आपको दौड़ने में आसानी हो जाएगी।

एड़ियां कम यूज करें

रनिंग के दौरान कभी भी जमीन पर जोर से एड़ियों का दबाव नहीं डालना चाहिए। इससे शरीर पर दबाव भी बढ़ेगा। यह गलती आमतौर पर ज्यादातर लोग करते हैं। इससे आपके जोड़ और हड्डियां चोटिल हो सकती हैं। वहीं खाली पेट नहीं दौड़ना चाहिए।

तेज ना दौड़ें

जो लोग रनिंग के मामले में नए होते हैं, वे तुरंत ही तेजी के साथ भागना शुरू कर देते हैं, जिससे वह आगे चल कर बुरी तरह से थक जाते हैं। इससे रनिंग आपके लिए एक कठिन काम बन जाती है।

आसान लक्ष्य रखें

लोग जोश में आकर लंबा दौड़ने की सोच लेते हैं, लेकिन ध्यान रखना है कि आपकी प्रतिस्पर्द्धा खुद से हो। अगर आप दौड़ में नए हैं और एक ही बार में 5 किमी दौड़ लेना चाहते हैं, तो केवल निराशा ही हाथ लगेगी। इसलिए दौड़ते समय छोटे-छोटे गोल बनाएं और उसे पूरा करें।

गलत जूते ना पहनें

दौड़ने से पहले अपने जूते चेक कर लें कि कहीं उन्हें पहनने से आपके पैरों में दर्द, हिप पेन, जोड़ों में दर्द या कंधे में दर्द तो शुरू नहीं हो गया। अगर आप सही जूते पहनेंगे तो बिना दर्द के लंबा दौड़ पाएंगे।

सराहाह डाउनलोड करने से पहले यह पढ़ें नहीं तो पछताना पड़ेगा

हाल ही में एक नया एप्प तेज़ी से दुनिया भर में पॉपुलर हो रहा है। और भारत में इस एप्प को लेकर लोगों की उत्सुकता इस कदर है कि यह केवल गूगल एप्प स्टोर पर ही नहीं बल्कि हर जगह ट्रेंड कर रहा है। साथ ही सभी फेमस सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर भी यह चर्चा का विषय बना हुआ है। और इस एप्प का नाम है सराहाह, जो कि एक अरबी शब्द है जिसका मतलब है इमानदारी। इस एप्प को सउदी अरब के एक सॉफ्टवेयर डेवेलपर जैनुल आबेदीन ने बनाया है। अब तक इस एप्प को 50 लाख से भी ज्यादा लोग डाउनलोड कर चुके हैं। और भारत में यह एप्प गूगल प्ले स्टोर पर नंबर-1 पर ट्रेंड कर रहा है।

सराहाह एप्प की खासियत यह है कि इस एप्प से मैसेज भेजने वाले की आइडेंटिटी ज़ाहिर नहीं होती है। इस पर मैसेज किसने भेजा है यह पता नहीं लगाया जा सकता है। इसे एप्प की सबसे बड़ी कमी व खूबी, दोनों कह सकते हैं। माना जा रहा है कि इस तरह के एप्प से साइबर बुलिंग का खतरा बढ़ सकता है। क्योंकि कोई भी किसी को किसी भी तरह के आपत्तिजनक मैसेज भेज सकता है। चूंकि सेंडर की पहचान छुपी रहती है तो ऐसे में कोई भी आपको वह सब खुलकर बता पाता है जो वह आपके बारे में सोचता है या फिर आसानी से धमकी भरा संदेश भी भेज सकता है। वैसे भी आजकल सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग की घटना काफी बढ़ी हुई है। ऐसे में इस एप्प को यूज़ करने के कई संभावित खतरे भी हो सकते हैं।

कैसे करता है ये एप्प काम?

इस एप्प को इस्तेमाल करने के लिए आपको इसकी वेबसाइट पर या मोबाइल एप्प पर अपना रजिस्ट्रेशन कराना होगा। मोबाइल एप्प को आप गूगल प्ले स्टोर या ऐप्पल स्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं। इसके बाद रजिस्ट्रेशन करने के लिए आपको ईमेल आईडी देनी होगी। रजिस्टर करने के बाद आपको इसका लिंक फेसबुक पर पोस्ट करने का ऑप्शन मिलता है। इसके अलावा आप सोशल नेटवर्किंग साइट्स जैसे ट्विटर और स्नैपचैट पर भी यह लिंक पोस्ट कर सकते हैं या फिर प्राइवेट मैसेज के ज़रिए किसी को भेज सकते हैं। दिए हुए लिंक को क्लिक करके कोई भी आपको मैसेज भेज सकता है। लेकिन मैसेज भेजने वाले शख्स के बारे में आपको कोई जानकारी नहीं होगी। आपके सराहाह एप्प पर जैसे ही लिंक के ज़रिए कोई आपको मैसेज भेजता है, आपको एप्प में नोटिफिकेशन मिलेगा, जहां आप मैसेज पढ़ सकते हैं। हालांकि इसके द्वारा भेजे गए मैसेज का फिलहाल रिप्लाई नहीं किया जा सकता है। इस एप्प का यूज़र इंटरफेस काफी आसान है और आने वाले समय में इसमें कुछ नए फीचर्स और लाने की तैयारी है, जिसका ऐलान जल्द किया जाएगा।

कितना सिक्यॉर है ये एप्प?

यह एप्प कितनी सुरक्षित है या कितनी नहीं, इसका पता आपको खुद ही लग जाएगा। क्योंकि इसमें सेंडर की पहचान नहीं हो पाती है, ऐसे में कोई भी आपको कैसा भी मैसेज कर सकता है। वहीं एप्प की सिक्यॉरिटी को लेकर यूज़र्स के मन में कई सवाल हैं। जैसे कि इसमें रजिस्टर करने के लिए आपको अपनी ईमेल आईडी देनी होती है। इमेल आईडी, आईपी अड्रेस और ब्राउज़र की कूकीज़ के जरिये हैकर्स आपको ट्रेस भी कर सकते हैं। साथ ही कुछ यूज़र्स का कहना है कि इस एप्प पर अपने राज़ व खुफिया बातें खोल देने का खामियाजा, फिरौती देकर या ब्लैकमेल होकर न भुगतना पड़े। इस एप्प पर रजिस्टर्ड यूज़र्स को सिर्फ मेसेज रिसीव होते हैं। रिसीवर का डेटा और फेवरिट मेसेज ही सेव होते हैं। भेजने वाले यूज़र की आइडेंटिफिकेशन का कोई तरीका नहीं है क्योंकि वह एक लिंक के जरिये मेसेज भेजता है। ऐसे में यूज़र्स को काफी सोच-समझकर ही इस एप्प पर लॉग-इन करना होगा और नेगेटिव रिस्पॉन्स के लिए भी तैयार रहना होगा। ताकि भविष्य में आपको किसी भी तरह की मुसीबत का सामना ना करना पड़े।

किचन में रखें वास्तु का ख्याल, मिलेंगे कई सारे फायदे

रसोई घर (किचन), घर के सबसे जरूरी हिस्सों में से एक है इसलिए वास्तु के अनुसार किचन की जमावट करने पर घर की सकारात्मक ऊर्जा में ब ?तरी होती है। किचन में वास्तु उपाय अपनाकर सारे अशुभ प्रभावों को खत्म किया जा सकता है।

- जिस घर में किचन के अंदर ही मंदिर होता है, वहां रहने वाले लोग गरम मिजाज के होते हैं। परिवार के किसी सदस्य को रक्त संबंधी शिकायत भी हो सकती है। इसलिए मंदिर के लिए किचन से बाहर अलग जगह होना चाहिए।

- जिस घर में किचन मेन गेट से जु ?ा हो, वहां पति-पत्नी के बीच बिना कारण आपस में मतभेद पैदा होने लगते हैं। निर्माण में इस बात का

विशेष ध्यान रखना चाहिए।

- जिस घर में किचन व बाथरूम एक सीध में हों, वहां रहने वाले लोगों का स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता। साथ ही जीवन अशांति रहती है। इससे बचने के लिए बाथरूम में कटोरीभर नमक रखें, समय-समय पर इसे बदलते भी रहें।

- जहां किचन के अंदर स्टोर रूम हो और कबा ? रखा रहता हो तो गृहस्वामी नौकरी या व्यापार में काफी कठिनाइयों का सामना करना प ?ता है। बचाव के लिए किचन में चांदी का सिक्का रखें।

शादी के लिए यूं बनाएं अपनी मुस्कान चमकदार

शादी के दिन जहां खूबसूरत दिखने वाले कपड़ों और मेहमानों की मेहमाननवाजी का खास ध्यान रखा जाता है, वहीं कुछ छोटी-छोटी चीजें ऐसी भी होती हैं जो इस दिन को आपके लिए खास और शानदार बना सकती हैं. ठीक ऐसे ही लाल जोड़े में खूबसूरत सफेद दांतों के साथ शर्माती हुई दुल्हन की मुस्कुराहट उसकी खूबसूरती में चार-चांद लगाती है.

रीजोव क्लीनिक की प्रियंका गोयत और चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान परास्नातक संस्थान (चंडीगढ़) के सोमवीर सिंह ने शादी के इस खास दिन को खूबसूरत सफेद दांतों से खास बनाने के लिए दांतों की देखरेख के संबंध में ये सुझाव दिए हैं =

» जिन खाने की चीजों से दांतों पर दाग, धब्बे पड़ जाते हैं, उन्हें लेने से बचें. सोडा, कॉफी, चाय, ब्लूबेरी, चेरी और सोया सॉस ऐसी चीजों में आते हैं. इसके अलावा शराब नहीं पिएं और धूम्रपान से भी बचें. अगर आप स्टेनिंग वाले पेय पदार्थों को लेना बंद नहीं कर सकती हैं तो फिर इन्हें स्ट्रॉ से पिएं या हर तीन महीने पर दांतों को क्लीनिक में साफ कराएं.

» पानी खूब पिए. इससे न केवल आपके चेहरे पर चमक आती है बल्कि दांतों में भी चमक आती है. शादी के खास दिन भी आप पानी पर्याप्त मात्रा में पिएं, जिससे आपके शरीर और होंठों पर नमी बरकरार रहेगी और आप सहजता से मुस्कुरा सकेंगी। साथ ही लिपस्टिक भी देर तक टिका रहेगा.

महिलाओं के अलावा पुरुषों के लिए भी स्किन केयर जरूरी

» आप टीथ व्हाइटनिंग ट्रीटमेंट कराएं या न कराएं, लेकिन अपने दांतों की देखभाल जरूर करें. रोज इन्हें अच्छी तरह से साफ करें. रोजाना कम से कम दो बार ब्रश करें और अच्छी तरह गरारा करें. इसके अलावा फ्लॉसिंग भी करें. स्वस्थ सफेद दांतों के लिए नियमित रूप से चेकअप कराना नहीं भूलें.

» शादी के दिन दांतों को और भी ज्यादा खूबसूरत दिखाने के लिए आप चाहें तो प्रिसिजली कट और पॉलिश्ड स्वारोस्की टूथ क्रिस्टल वर्क अपने दांतों पर करा सकती हैं, इससे आपके दांतों को एक्स्ट्रा शाइन मिलेगी.

» शादी का दिन किसी भी लड़की के लिए उसकी लाइफ का खास दिन होता है, इसलिए खूबसूरत दांतों के साथ आकर्षक मुस्कान बिखेरना न भूलें.

ऑफिस टिप्सः जानिए कैसे करें उस साथी के साथ काम जो नहीं करता है कोई काम

ऑफिस के काम से मनचुराने वाले लोगों के साथ काम करना बेहद मुश्किल होता है और इसका खामियाजा पूरी टीम को भुगतना पड़ता है. ऐसे में जानिए कैसे करें उस साथी के साथ काम जो नहीं करता है ऑफिस में कोई काम...

हर एक ऑफिस में एक न एक ऐसा कर्मचारी जरूर होता है, जोकि हमेशा 9 से 5 के शेड्यूल में रहना पसंद करता है या फिर यूं कहे कि लंबे लंच ब्रेक के साथ 9:15 से 4: 59 की ऑफिस ड्यूटी ही करता है. इस तरह के लोगों की वजह से ऑफिस का माहौल खराब होता है और दूसरे कर्मचारियों का भी वर्क आउटपुट गिरता है. ऑफिस के काम से मनचुराने वाले लोगों के साथ काम करना बेहद मुश्किल होता है और इसका खामियाजा पूरी टीम को भुगतना पड़ता है. ऐसे में जानिए कैसे करें उस साथी के साथ काम जो नहीं करता है ऑफिस में कोई काम...

काम नहीं करने वालों का काम करने से बचें

अगर आपके को-वर्कर के हिस्से का काम आपको करना पड़ रहा है, तो इस चीज को जल्द से जल्द करना बंद करें. जितना हो सके सिर्फ अपने काम पर फोकस रखें और अगर काम न करने वाला को-वर्कर आपसे कोई काम कहते है, तो विनम्र तरीके से उसे न कहना सीख लें. अगर आप ऐसा करना शुरु करते हैं तो इससे दो चीजें होने की संभावना है. पहली ये कि...या तो को-वर्कर की प्रोडक्टिविटी बढ़ जाएगी और दूसरी ये कि आपके मैनेजर को वर्क आउटपुट कम होता दिखने लगेगा.

एक बार जरूर कर लें बात

अगर ऑफिस में आपका साथी काम नहीं कर रहा है और उसकी वजह से आप पर एक्स्ट्रा प्रेशर पड़ रहा है, तो एक बार अपने साथी से जरूर बात कर लें. इस प्रॉब्लम से बचने के लिए आप उससे अकेले में वन ऑन वन बात क्लियर कर सकते हैं. क्योंकि कई बार पर्सनल लाइफ में चल रही उथल-पुथल के चलते कर्मचारी अपने काम पर 100 प्रतिशत नहीं दे पाता है.

मैनेजर से करें बात

एक टीम मैनेजर हमेशा यही चाहता है कि उसकी टीम अपना बेस्ट दे, क्योंकि अगर टीम का आउटपुट अच्छा नहीं होगा, तो सबसे पहले गाज मैनेजर पर ही गिरेगी. अगर आपको लगता है कि लाख कोशिशों के बावजूद को-वर्कर अपना काम आप पर थोप रहा है, तो एक बार उसके रवैये के बारे में मैनेजर को अवगत कराएं. मैनेजर को बताने का ये फायदा होगा कि इससे पूरी टीम को सफर नहीं करना पड़ेगा और काम से भागने वाला आपका साथी खुद से अपना काम करना शुरु कर देगा या फिर अपने लिए दूसरी नौकरी की तलाश में जुट जाएगा.

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**